



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 21, 1973 (आषाढ़ 30, 1895)

No. 29]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 21, 1973 (ASADHA 30, 1895)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## भाग III—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

## संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जून 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० मुखर्जी को, राष्ट्रपति द्वारा 11 जून, 1973 से 10 अगस्त, 1973 तक 61 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 22 जून 1973

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 8 जून, 1973 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० एल० सदान को, राष्ट्रपति द्वारा 9 जून, 1973 से 9 जुलाई, 1973 तक 31 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एन० एच० गोयल को, राष्ट्रपति द्वारा 4 जून, 1973 से 19 जुलाई, 1973 तक 46 दिन की अवधि के लिए

अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 28 जून 1973

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी कुमारी एस० टी० केसवाना को, राष्ट्रपति द्वारा 14-5-73 से 30-6-73 तक 48 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एन० वी० माधुर (अवर सचिव)  
(प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 जून 1973

सं० ए० 32013/1/73 प्रशा०-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी श्री वी० के० लाल को राष्ट्रपति द्वारा 18 जून, 1973 से 17 सितम्बर, 1973 तक (दोनों दिनों सहित) 3 मास की अवधि के लिए उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 29 जून 1973

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी श्री वी० के० लाल ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 32013/1/73-प्रशा०-I, दिनांक 26 अप्रैल,

1973 द्वारा उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 16 जून, 1973 के अपराह्न से उप-सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी० के० लाल ने 16 जून 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवसर-सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी श्री बी० एस० जौली ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I, दिनांक 8 मई, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 16 जून, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवसर-सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी० एस० जौली ने 16 जून, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एन० बी० माथुर,  
अवर सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

**मंत्रिमंडल सचिवालय  
(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो**

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1973

सं० पी० एफ०/डब्ल्यू०-6/68-प्रशा०-I—अपने मूल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने के कारण महाराष्ट्र राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति श्री डब्ल्यू० आर० खरचे, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्बई शाखा को दिनांक 28-5-73 (अपराह्न) से कार्यमुक्त किया गया।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था),  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

**केन्द्रीय सतर्कता आयोग**

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1973

सं० 2/34/71-प्रशा०—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्-द्वारा श्री सी० एम० शास्त्री, दक्षिण केन्द्रीय रेल के मण्डल अभियन्ता, को 11-6-73 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

बी० व्ही० दिवे,  
अवर सचिव,  
नूतन केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

**गृह मंत्रालय  
भारत के महापंजीकार का कार्यालय**

नई दिल्ली-11, दिनांक 1973

सं० 25/64/72/आर०जी० (ए० डी०-I)—राष्ट्रपति, श्री आई० ई० एन० चौहान, आई० ए० एस० को, दिनांक 19 जुलाई 1973 से एक साल की अवधि के लिए उनके वृद्धावस्था के कारण सेवानिवृत्त होने के उपरान्त हरियाणा के जनगणना निदेशक एवं पदेन जनगणना अधीक्षक के पद पर सहर्ष पुनःनियुक्त करते हैं।

रा० भ० चारी,  
भारत के उप महापंजीकार एवं  
पदेन उप-सचिव

**समन्वय निदेशालय  
(पुलिस बेटार)**

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 जून 1973

सं० ए० 21/39/72-वायरलैस—श्री ए० राजागोपाल को दिनांक 11-6-1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक समन्वय निदेशालय (पुलिस बेटार) में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रु० के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक (अनुरक्षण) के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

सी० पी० जोशी,  
निदेशक,  
पुलिस दूर संचार

**मुद्रण निदेशालय**

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1973

सं० आर० (16) ए०-III/ए०-II—श्री एस० रंगानाथन, ओवरसियर को भारत सरकार मुद्रणालय, नीलोखेड़ी में 14-3-73 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर नियुक्त किया गया।

श० म० जम्मोलकर,  
मुद्रण-निदेशक

**भारतीय लेखा परीक्षा लेखा विभाग  
महालेखाकार का कार्यालय, असम, मेघालय, नागालैण्ड,  
मणिपुर, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश एवं  
मिजोराम**

शिलांग-1, दिनांक जुलाई 1973

महा लेखाकार, असम, मेघालय, नागालैण्ड आदि के कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी लेखापाल श्री अमलेन्दु मुखर्जी को दिनांक 21-5-73 (पूर्वाह्न) से, अपने वरिष्ठ सदस्यों के अधिकार का उल्लंघन न करते हुए अगले आदेश जारी होने तक शाखा कार्यालय, कोहिमा में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

[प्राधिकार : श्री अमलेन्दु मुखर्जी की निजी बही के पृष्ठ 1 पर महालेखाकार का आदेश दिनांक 18-5-73।]

बी० बी० राय,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

#### महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र

बम्बई-1, दिनांक 23 जून 1973

सं० प्रशा०/आई० ए० डी०/31-वोल्यूम-II—महालेखाकार, महालेखाकार, महाराष्ट्र राज्य के कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री एम० ए० वैद्य को, जो आजकल जन-संख्या अध्ययन की अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान चेंबूर में प्रतिनियुक्ति पर हैं, दिनांक 20-6-73 पूर्वाह्न से जिस दिन से इस कार्यालय की दिनांक ..... वर्ग अधिसूचना संख्या के अनुसार श्री आर० सी० सुपेकर की लेखा अधिकारी की कार्यकारी पदोन्नति प्रदान की गयी थी, अगले आदेश

दिए जाने तक लेखा अधिकारी की श्रेणी में स्थानापन्न रूप से महालेखाकार, महाराष्ट्र-I राज्य के कार्यालय में प्रपत्र (Proforma) पदोन्नति प्रदान करते हैं।

रा० श० शर्मा  
ज्येष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

#### महालेखाकार का कार्यालय, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 30 जून 1973

सं० प्रशासन एक/1650—कार्यालय महालेखाकार, मध्य प्रदेश ग्वालियर के स्थाई लेखा अधिकारी तथा अस्थाई सहायक महालेखाकार श्री एस० व्ही० लक्कड़ को अधिवार्षिकी आयु प्राप्त करने पर दिनांक 1-4-1974 से शासकीय सेवा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

(हस्ताक्षर अपठनीय)  
महालेखाकार

#### दिल्ली विश्वविद्यालय

31-3-1972 को दिल्ली विश्वविद्यालय का तुलन-पत्र

| 31-3-1971    | आस्तिया   | 31-3-1972    |
|--------------|---|--------------|
| रुपये        |   | रुपये        |
| 2,61,93,727  | 1. भवन  | 2,86,27,215  |
| 38,86,896    | 2. फर्नीचर और उपस्कर  | 44,99,840    |
| 56,61,872    | 3. विज्ञान उपकरण  | 58,75,286    |
| 85,09,713    | 4. पुस्तकें और पत्र-पत्रिकाएं   | 96,10,721    |
| 53,388       | 5. खेल-कूद सामग्री और विजयोपाहर   | 53,388       |
| 1,04,72,454  | 6. दान स्रद्धें   |              |
| --           | (क) फोर्ड फाउन्डेशन   | 1,55,50,010  |
|              | (ख) अन्य अभिकरण   | 30,26,446    |
| 2,21,141     | 7. उपचित प्राप्तियां  |              |
| 1,07,789     | (1) विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क                                      | 2,09,480 (क) |
| 6,06,159     | (2) अनुसूचित शुल्क लाभार्थ इत्यादि                                      | 1,37,708 (ख) |
| --           | (3) प्रेस से प्राप्त राशि   | --           |
| --           | 8. (क) अनुरक्षण अनुदान विनिधान खाता                                     | 20,11,842    |
|              | (ख) उपचित व्यय  | 18,968       |
| <b>विविध</b> |   |              |
| 1,50,31,699  | 1. (क) भविष्य निधि विनिधान खाता   | 1,69,43,949  |
| 2,13,154     | (ख) उपचित व्यय  | 2,58,694     |
| 7,23,000     | 2. मूल्यह्रास के लिए आरक्षित निधि का विनिधान खाता                       | 9,38,000     |
| 1,00,000     | 3. आरक्षित निधि विनिधान खाता  | 1,00,000     |
| 6,000        | 4. प्रोफ़ेसरी निधि विनिधान खाता   | --           |
| 30,000       | 5. कुलपति की छात्र निधि का विनिधान खाता                                 | 30,000       |
| 21,000       | 6. दिल्ली स्कूल आफ इकानामिक्स छात्र-कल्याण निधि विनिधान खाता            | 21,000       |
| 20,000       | 7. गुजरात के डॉ० गोकलचन्द्र से संबंधित ऋण छात्रवृत्ति निधि विनिधान खाता | 20,000       |

| 1                       | 2   | 3           |
|-------------------------|---|-------------|
| 4,75,000                | 8. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि विनिधान खाता  | 4,75,000    |
| 6,77,100                | 9. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि विनिधान खाता  | 6,77,100    |
| 4,15,000                | 10. सर शंकर लाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि विनिधान खाता                                     | 4,15,000    |
| 96,000                  | 11. पं० मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि विनिधान खाता   | 96,000      |
| 7,33,064                | 12. अन्य धर्मस्व निधियों का विनिधान खाता  | 8,10,290    |
| 60,000                  | 13. विज्ञान से संबंधित अवधान-द्रव्य का विनिधान खाता   | 60,000      |
| <b>अग्रिम राशियां</b>   |   |             |
| 11,950                  | 1. स्थायी अग्रिम राशि   | 14,000      |
| 2,38,926                | 2. अन्य अग्रिम राशियां  | 6,56,227    |
| 23,816                  | 3. बाहन-ऋण  | 85,940      |
| 31,22,770               | 4. बैंक में नकदी  | 37,33,566   |
| —                       | 5. फोर्ड फाउन्डेशन अनुदान में से फर्स्ट नेशनल सिटी बैंक न्यूयार्क में नकदी (53,419.17 डालर) | 4,00,643    |
| <b>विविध देनदारियां</b> |   |             |
| —                       | (1) विश्वविद्यालय प्रेस खाते में से अनुरक्षण अनुदान खाते में                                | 7,69,314    |
| —                       | (2) विश्वविद्यालय प्रेस खाते में से विविध खाते में  | 99,150      |
| 7,77,11,618             |   | 9,62,24,777 |

प्रमाणित किया जाता है कि अनुदानों का उपयोग उन्ही कार्यों के लिए और उन्हीं उद्देश्यों से किया गया जिनके लिए ये मंजूर किए गए थे और दिए गए थे।

#### दिल्ली विश्वविद्यालय

#### 31-3-1972 को दिल्ली विश्वविद्यालय का तुलन-पत्र

| 31-3-1971    | दायित्व  | 31-3-1972   |
|--------------|--|-------------|
| रुपये        |  | रुपये       |
| 4,33,39,930  | 1. अनुदान  | 4,77,11,411 |
|              | 2. दान/चंदा  |             |
| 1,04,72,454  | (क) फोर्ड फाउन्डेशन                                | 1,59,50,653 |
| —            | (ख) अन्य अभिकरण                                    | 30,26,446   |
| 28,02,818    | 3. व्यय निकालकर अतिरिक्त आय                        | 49,61,309   |
| <b>विविध</b> |  |             |
|              | 1. (क) भविष्य-निधि खाता                            | 1,73,07,055 |
| 1,49,28,253, | (ख) अंशदायी भविष्य-निधि खाता                       | 2,011       |
|              | (ग) सामान्य भविष्य-निधि खाता                       | 2,840       |
| 4,01,731     | (घ) ब्याज खाता                                     | 1,64,952    |
| 9,43,352     | 2. मूल्यहास के लिए आरक्षित निधि का खाता            | 9,79,028    |
| 21,833       | 3. प्रोफेसर निधि-खाता                              | 22,689      |
| 38,154       | 4. कुलपति की छात्र-निधि का खाता                    | 36,088      |
| 21,060       | 5. दिल्ली स्कूल ऑफ इकोमिक्स छात्र-कल्याण निधि खाता | 21,000      |

| 31-3-1971    | दायित्व   | 31-3-1972   |
|--------------|---|-------------|
| 1,12,660     | 6. आरक्षित निधि खाता  | 1,00,000    |
| 23,498       | 7. गुजरात के डॉ० गोकलचंद से संबंधित ऋण-छात्रवृत्ति निधि खाता  | 23,922      |
| 5,54,696     | 8. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि खाता  | 5,59,443    |
| 6,99,436     | 9. सर शंकर लाल धर्मस्व निधि खाता  | 6,99,955    |
| 5,07,654     | 10. सर शंकर लाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि खाता   | 5,18,353    |
| 1,37,775     | 11. पं० मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि खाता   | 1,30,693    |
| 8,56,371     | 12. अन्य धर्मस्व निधियों का खाता  | 8,96,451    |
| 25,359       | 13. प्रकाशन निधि खाता   | 32,339      |
| 65,265       | 14. सामान्य धर्मस्व निधि खाता   | —           |
| 4,06,383     | 15. विज्ञान से संबंधित अवधान-द्रव्य का जमा खाता, पुस्तकालय जमा खाता और ठेकेदारों की जमानत का जमा खाता । | 5,51,262    |
| 10,65,466    | 16. छात्रवृत्तियों का जमा खाता  | 12,70,050   |
| 2,85,372     | 17. अनुसंधान योजनाओं का जमा खाता  | 2,99,593    |
| (-) 1,31,545 | 18. अन्य जमा राशियों का खाता  | 3,58,051    |
| —            | 19. आई० बी० एम० कम्प्यूटर केन्द्र 360/44 का जमा खाता  | 10,067      |
| 37,577       | 20. पुरस्कार एवं धर्मस्व जमा खाता   | 37,577      |
| 42,701       | 21. अंगभूत कालिजों के भवन-निर्माण अनुदानों का जमा खाता  | 42,701      |
| 26,998       | 22. बाहुत ऋण-निधि खाता  | 1,07,340    |
| (-) 1,71,642 | 23. उचित खाता   | 2,00,380    |
| 1,98,009     | अन्य प्रभार   | 2,01,018    |
| 7,77,11,618  |   | 9,62,24,777 |

प्रमाणित किया जाता है कि अनुदानों का उपयोग उन्हीं कार्यों के लिए और उन्हीं उद्देश्यों से किया गया जिनके लिए वे मंजूर किए गए थे और दिए गए थे ।

**प्रत्यक्ष :—** 31-3-72 को दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेस का तुलनपत्र संलग्न है ।

#### लेखा-परीक्षा प्रमाण-पत्र

मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय के उपर्युक्त हिसाब-किताब और तुलनपत्र की जाँच कर ली है और वह सब जानकारी तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जिनकी मुझे आवश्यकता पड़ी है । अतः मैं अपनी लेखा-परीक्षा के परिणामस्वरूप यह प्रमाणित करता हूँ कि कि मेरी राय में ये हिसाब-किताब और तुलन-पत्र सही तरीके से तैयार किए गए हैं, और मुझे जितनी भी जानकारी है मुझे जो स्पष्टीकरण दिए गए हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के बही-खातों में जो कुछ दिखाया गया है—उनके अनुसार ये हिसाब-किताब और तुलन-पत्र इस विश्वविद्यालय की वस्तुस्थिति का सच्चा और सही चित्र प्रस्तुत करते हैं ।

नई दिल्ली

दिनांक 24 मार्च, 1973

पी० पी० गंगाधरन,

महालेखापाल

केन्द्रीय राजस्व

#### दिल्ली विश्वविद्यालय

#### तुलन-पत्र में प्रयुक्त संकेतों की व्याख्या

#### आस्तियों की सूची में क्रमसंख्या 7 के सामने

(क) इसमें शिक्षा-शुल्क की बकाया राशि, 1,52,156 रुपये भी शामिल हैं जो पी०-एच० डी० के शोध छात्रों से वसूल किए जाने हैं । 30-9-72 को यह बकाया राशि 1,32,357 रुपये रह गई है । जिन छात्रों के नाम पूंजी से हटा दिए गए हैं उनके नाम 55,959 रुपये की राशि बकाया थी और कार्यकारी परिषद् ने मई 1972 में इस राशि को बढ़े खाते में डालने की स्वीकृति दे दी है ।

(ख) इसमें बिजली के खर्च की मद में 1,17,445 रुपये की बकाया राशि भी शामिल है (इनमें से 89,137 रुपये ग्वेयर हाल से वसूल किए जाने हैं) ।

ह०  
आन्तरिक लेखा-परीक्षा अधिकारी  
दिल्ली विश्वविद्यालय

ह०  
वित्त अधिकारी  
दिल्ली विश्वविद्यालय

ह०  
कोषाध्यक्ष  
दिल्ली विश्वविद्यालय

**दिल्ली विश्वविद्यालय**  
**हिसाब-किताब से संबंधित टिप्पणियां**

1 'व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय' की मद में 49,61,309 रुपये की जो राशि विश्वविद्यालय के तुलन-पत्र में दिखाई गई है, उसका हिसाब यह है —

|   | रुपये     |
|---|-----------|
| 1-4-1971 को आरम्भ शेष   | 28,02,818 |
| धन : सामान्य निधि-खाते से प्रेस खाते को अलग करने के कारण बची हुई राशि   | 7,69,314  |
| ऋण . (1) 31-3-1971 तक प्रेस से प्राप्तियां जो प्रेस से उपचित प्राप्तियों के रूप में 'अस्तियों' के अंतर्गत दिखाई गई थी और अब ये प्राप्तियां प्रेस के तुलन-पत्र में डाल दी गई हैं | 6,06,159  |
| (2) प्रेस के लिए स्थायी अग्रिम राशि   | 500       |
| (3) शुल्क जो बट्टे खाते में डाल दिए गए हैं  | 55,959    |
| धन आय और व्यय विवरण के अनुसार व्यय निकालकर अतिरिक्त आय  | 20,51,795 |
| इतिशेष  | 49,61,309 |

2 1-4-1971 को आरम्भ शेष में रुपये 31,22,709 76 पैसे की नकद राशि का हिसाब लगाते समय 60 रुपये कम कर दिए गए हैं क्योंकि 31-3-1971 के इतिशेष रु० 31,22,769.76 पै० के अंतर्गत यह राशि 'अन्य धर्मस्वनिधियों' (मद सं० 76) में गलती से ज्यादा दिखा दी गई थी।

|                             |                      |                      |
|-----------------------------|----------------------|----------------------|
| ह०                          | ह०                   | ह०                   |
| आंतरिक लेखा-परीक्षा अधिकारी | वित्त अधिकारी        | कोषाध्यक्ष           |
| दिल्ली विश्वविद्यालय        | दिल्ली विश्वविद्यालय | दिल्ली विश्वविद्यालय |

**दिल्ली विश्वविद्यालय**  
**1971-72 का आय-व्यय का हिसाब**

आय

1. अनुरक्षण खाता

(क) वास्तविक प्राप्तियां

|                            |                |                |
|----------------------------|----------------|----------------|
| 1 अनुदान                   | 1,37,82,421.00 | 1,24,23,229.99 |
| ऋण . पूंजीकृत मुद्दे       | 13,59,191.01   |                |
| 2 छात्रों से प्राप्त शुल्क | 52,84,771.25   |                |
| 3 ऋण पिछले वर्ष बसूल राशि  | 26,138.00      |                |
|                            | 52,58,633.25   |                |
| 4 अनुज्ञप्ति शुल्क         | 2,96,690.11    |                |
| ऋण . पिछले वर्ष बसूल राशि  | 16,119.95      |                |
|                            | 2,80,570.16    |                |
| 5 पुस्तकालय से प्राप्तियां |                | 59,067.77      |
| 6 विशेष प्राप्तियां        |                | [ 6,404.30     |
| 7 विविध प्राप्तियां        |                | 3,47,789.85    |

(ख) उपचित प्राप्तियां

|                            |           |
|----------------------------|-----------|
| 1 छात्रों से प्राप्त शुल्क | 70,436.00 |
|----------------------------|-----------|

| 1   | 2   | 3            | 4                          |
|-----|---|--------------|----------------------------|
|     | 2. अनुभूति शुल्क लाभांश इत्यादि . . . . .   |              | 46,039.22                  |
| (ग) | अनुरक्षण अनुदान ब्याज खाते से स्थानांतरित ब्याज की राशि<br>(वास्तविक प्राप्तियां) . . . . . |              | 30,810.86                  |
| 2.  | योजना खाता  |              |                            |
| 1.  | अनुदान . . . . .  | 50,14,227.71 |                            |
|     | ऋण : पूंजीकृत मुद्दे . . . . .  | 8,49,911.62  | 41,64,316.09               |
| 2.  | अन्य प्राप्तियां . . . . .  |              | 3,62,895.54                |
|     |   |              | <hr/> 2,30,50,193.03 <hr/> |

## व्यय

## 1. अनुरक्षण खाता

## (क) वास्तविक भुगतान

1. वेतन और भत्ते  
(परीक्षाओं से संबंधित वेतन और भत्ते निकालकर) . . . . . 93,77,981.43

2. परीक्षा व्यय . . . . . 4,95,951.85  
(क) वेतन और भत्ते . . . . . 27,42,597.60 32,38,549.45

## (ख) अन्य प्रभार

3. छात्र-वृत्तियां . . . . . 2,54,781.31

4. अनुदान . . . . . 9,550.00  
(क) विश्वविद्यालय के लिए . . . . . 70,942.07 80,492.07

## (ख) शैक्षिक उद्देश्यों के लिए

5. अंशदायी भविष्य-निधि में अंशदाम . . . . . 5,04,385.04

6. विविध . . . . . 1,18,615.63

7. अन्य प्रभार . . . . . 33,29,946.15  
ऋण : पिछले वर्ष उपचित राशि . . . . . 1,98,008.69 31,31,937.46

8. विश्वविद्यालय प्रेस से कराई गई छपाई और जिल्दबन्दी . . . . . 1,73,666.76

## (ख) उपचित भुगतान

अन्य प्रभार . . . . . 2,01,018.53

2. योजना खाता (वास्तविक भुगतान) . . . . . 1,70,81,427.68

(1) वेतन और भत्ते . . . . . 29,86,381.63

(2) अन्य प्रभार . . . . . 9,30,588.55

3. व्यय निकाल कर अतिरिक्त आय . . . . . 20,51,795.17

---

2,30,50,193.03

---

दिल्ली विश्वविद्यालय  
31-3-1972 को इतिशेष  
(रोकड़ बही के अनुसार)

## (1) मुख्य खाते

|                         |              |
|-------------------------|--------------|
| 1. अनुसंधान अनुदान खाता | 22,21,673.18 |
| 2. योजना विकास खाता     | 43,931.21    |
| 3. पूंजी खाता           | 6,930.80     |
| 4. विविध खाता           | 5,17,956.83  |

## योग (1)

27,90,492.02

## (2) अन्य खाते

|  |             |
|--|-------------|
| 1. भविष्य निधि-खाता  | 2,69,411.51 |
| 2. अंशदायी भविष्य-निधि-खाता  | 1,999.61    |
| 3. सामान्य भविष्य-निधि-खाता  | 2,803.72    |
| 4. मुख्यधारा के लिए आरक्षित निधि खाता                              | 41,027.95   |
| 5. प्रोफ़ेसरी निधि-खाता  | 22,789.64   |
| 6. प्रकाशन निधि-खाता   | 32,339.36   |
| 7. कुलपति छात्र-निधि खाता  | 6,088.36    |
| 8. गुजरात के डा० गोकल चन्द से संबंधित<br>ऋण छात्र वृत्ति निधि-खाता | 3,922.16    |
| 9. सर श्रीराम भौतिकी पीठ धर्मस्व निधि खाता                         | 84,443.54   |
| 10. सर शंकरलाल धर्मस्व निधि-खाता                                   | 22,855.90   |
| 11. सर शंकरलाल संगीत संस्थान धर्मस्व निधि-खाता                     | 1,03,353.00 |
| 12. पं० मनमोहन नाथ दर धर्मस्व निधि-खाता                            | 34,693.34   |
| 13. अन्य धर्मस्व निधियों का खाता                                   | 86,161.52   |
| 14. विज्ञान के अवधान-द्रव्य का खाता                                | 17,356.43   |
| 15. बाहन ऋण-निधि-खाता  | 21,400.34   |
| 16. वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद छात्रवृत्ति खाता         | 1,92,427.31 |

## योग (2)

9,43,073.69

## योग (1) और (2)

37,33,565.71

विश्वविद्यालय प्रेस  
31-3-1972 का तुलन-पत्र

| 31-3-1971 को | आस्तियां                                       | 31-3-1972 को |
|--------------|--|--------------|
| रुपये        |  | रुपये        |
| 1,98,518     | मशीनें, फर्नीचर और उपस्कर                      | 2,02,320     |
| 1,89,903     | अक्षर-योजन (कम्पोज करने की) सामग्री            | 1,90,348     |
| 6,06,159     | उपचित प्राप्तियां                              | 8,04,367     |
| 51,426       | रहसिया माल                                     | 89,278       |
| 24,700       | जो काम हो रहा है पर जिसका बिल नहीं भेजा गया है | 26,700       |
| 500          | स्थायी अग्रिम राशि                             | 500          |
| —            | बैंक में तफ़दी                                 | 49,576       |
| 1,84,978     | हानि   | 2,46,635     |
| 12,56,184    |  | 16,09,724    |



| 31-3-71 को | वायित्व   | 31-3-72 को |
|------------|---|------------|
| रुपये      |   | रुपये      |
| 1,62,442   | (1) प्रेस खरीदने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का विशेष अनुदान | 1,62,442   |
| ---        | (2) एकमुष्ट अनुदान में से दिया गया अनुदान                         | 2,25,979   |
|            | <b>विविध लेनदार</b>   |            |
| 99,150     | (1) विविध खाता  | 99,150     |
| 9,94,592   | (2) सामान्य निधि खाता   | 7,69,314   |
| ---        | विविध खाते से लिया गया ऋण   | 3,50,000   |
|            | <b>जमा खाता</b>   |            |
| ---        | वेतन-बिल से कटौती   | 2,839      |
| 12,56,184  |   | 16,09,724  |

## 1971-72 वर्ष के लिए विश्वविद्यालय

## 1-4-1971 को आरम्भिक माल

|   |           |           |
|---|-----------|-----------|
| (1) काराज                               | 44,541.00 |           |
| (2) जिल्दबंदी का सामान जो काम चल रहा था | 6,885.00  |           |
|   |           | 51,426.00 |
| <b>धन्य</b>                             |           | 24,700.00 |

|                                |             |  |
|--------------------------------|-------------|--|
| वेतन और भत्ते                  | 3,20,644.43 |  |
| भविष्य निधि में अंशदान         | 21,203.63   |  |
| कर्मचारी राज्य बीमे में अंशदान | 11,860.50   |  |

## माल

|           |             |  |
|-----------|-------------|--|
| काराज     | 1,04,383.92 |  |
| जिल्दबंदी | 16,625.46   |  |

## अन्य प्रभार

|                             |           |             |
|-----------------------------|-----------|-------------|
| 1. आकस्मिक खर्च             | 12,899.71 |             |
| 2. किराया, कर और उपकर       | 6,409.72  |             |
| 3. डाक-खर्च                 | 73.45     |             |
| 4. कारखाना अनुज्ञप्ति शुल्क | 60.00     |             |
|                             |           | 4,94,160.82 |

5,70,286.82

## प्रेस का लाभ-हानि का हिसाब

|  |             |  |
|--|-------------|--|
| छपाई और जिल्दबंदी से आय (जिस राशि के बिल भेज दिए गए हैं) | 3,84,852.54 |  |
| रही काराज की कतरनों की बिक्री                            | 7,094.00    |  |
| बेकार चीजों की बिक्री                                    | 705.00      |  |
| जो काम चल रहा है (पर जिसका बिल नहीं भेजा गया है)         | 26,700.00   |  |

## रहति या माल

|               |           |           |
|---------------|-----------|-----------|
| (1) काराज     | 84,054.00 |           |
| (2) जिल्दबंदी | 5,224.00  | 89,278.00 |

हानि 5,08,629.54

61,657.28

5,70,286.82

**पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय**

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1973

सं० प्र०-1/1(79)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (पूर्ति) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I) श्री एम० सिंह ने दिनांक 11 जून 1973 के पूर्वाह्न से उसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप-निदेशक (प्रगति) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) के पद पर अवनति होने पर अपना पद भार छोड़ दिया।

सं० प्रशासन 1/1(291)—राष्ट्रपति एतद्द्वारा भारत पूर्ति मिशन लन्दन में त्रय निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड II) श्री एस० के० राय को 11 जून 1973 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

त० वे० अनन्तनारायण  
उप-निदेशक (प्रशासन)  
कृते महा निदेशालय

सं० ए०-1/1(941)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशक एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में अधीक्षक, श्री एस० वेंकटरम् को 2 जून 1973 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में स्थानीय तथैव आधार पर सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

त० वे० अनन्तनारायण  
उप-निदेशक (प्रशासन)

**स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय**

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1973

सं० 11-2/73-एडमिन०-1—राष्ट्रपति जी ने, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री के० सी० मिश्र को 14 मई 1973 से 13 जुलाई 1973 तक 61 दिन की अवधि के लिए अथवा किसी चयन सूची अधिकारी या किसी वरिष्ठ चयनेतर अधिकारी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति जी ने, श्री के० सी० मिश्र को उपर्युक्त अवधि के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

दिनांक 30 जून 1973

सं० 9-34/72-एडमिन०-1—स्वास्थ्य सेवामहानिदेशक ने कुमारी भारती नम्बुदरीपाद को 22 सितम्बर 1972 (पूर्वाह्न) से और आगामी आदेशों तक इस महानिदेशालय के अन्तर्गत परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में क्लिनिकी अनुशिक्षिका के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जुलाई 1973

सं० 12-3/73-एडमिन०-1 राष्ट्रपति जी ने, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी चतुर्थ ग्रेड अधिकारी श्री ए० एन० नागर को 15 जून, 1973 (पूर्वाह्न) से और आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा

महानिदेशालय में अनभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

राजेन्द्र नारायण सक्सेना  
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1973

सं० 1-35/73-सी० एच० एस०-2—डा० मानक चन्द ने अपने त्याग पत्र की स्वीकृति के परिणामस्वरूप 8 मई 1973 (अपराह्न) को विलिङ्गडन अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा-अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

जी० पंचापकेशन  
उप-निदेशक (प्रशासन)

**विदेश व्यापार मंत्रालय**

उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय,

हैदराबाद दिनांक जुलाई 1973

**आदेश**

**विषय :—**अप्रैल-मार्च, 1971 वर्ष के लिए अन्तिम उत्पाद—सुपारी चूर्ण के लिए जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1677700/टी/ओआर/36/डब्ल्यू/31-32, दिनांक 4-8-70 को रद्द करना।

सं० बी०एन०पी०/32/ए०एम-771/एस०एस०आई—सर्वश्री आशा इंडस्ट्रीज, 10-5-155, फर्स्टलान्सर, हैदराबाद, 28/ए पी को अप्रैल-मार्च, 1971 नीति पुस्तक के परिशिष्ट 28 की सूची 4 के अनुसार सुगंधित रसायन मदों के आयात के लिए 5,000 रु० (पांच हजार रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस संख्या . पी. 12/1677700/टी/ओआर/36/डब्ल्यू/31-32, दिनांक 4-8-70 स्वीकृत किया गया था।

उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क कार्य-सम्बन्धी प्रति तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस किसी भी सीमा-शुल्क प्रधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना और उसका बिलकुल उपयोग किए बिना ही खो गया है।

अपने तर्कों के समर्थन में उन्होंने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रतियां खो गई हैं और निदेश देता हूँ कि आवेदक को लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रतियां जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क कार्यसम्बन्धी तथा मुद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रतियां रद्द की जाती हैं।

आर० जयराम नायडू,  
उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

**वाणिज्य मंत्रालय**

उप-मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 14 मई 1973

**आदेश**

**विषय :—**अन्तिम-उत्पाद "सुपारी चूर्ण" के लिए अप्रैल/मार्च 71 अवधि के लिए जारी किए लाइसेंस संख्या डी-2766936 दिनांक 18-6-61 को रद्द करना।

सं० बी०एन०पी०/46/ए एम-71/एस एस आई/हिंदू—सर्वश्री कृष्ण इन्डस्ट्रीज 21-2-194 चार्कमैन हैदराबाद को सुगंधित रसानों एवं थिमोल मद के आयात के लिए 5,000 रुपये

के लिए लाइसेंस संख्या डी०-2466936 दिनांक 18-6-71 की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति प्रदान की गई थी।

उन्होंने लाइसेंस की द्वितीय सीमा शुल्क प्रयोजन प्राप्त के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की प्रथम अनुलिपि बिना उपयोग किए ही अस्थानास्थ हो गई है।

अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि इनको पहले जारी किए गए लाइसेंस की प्रथम अनुलिपि खो गई है और निवेश देता हूँ कि आवेदक को लाइसेंस की दूसरी अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की प्रथम अनुलिपि प्रति को एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।

आर० जयराम नायडू, उप मुख्य नियंत्रक  
यात-निर्यात

#### विदेश व्यापार मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1973

सं० 6/472/57-प्रणा० (राज०)/2766—राष्ट्रपति संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात का कार्यालय बम्बई में श्री आर० एम० सदान्हा नियंत्रक, आयात निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) को 2-6-1973 के अपराह्न से अगला आदेश जारी होने तक, उसी कार्यालय में उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० जी० बोस मल्लिक, मुख्य नियंत्रक

#### इस्पात और खान मंत्रालय

इस्पात दफ्तर

लोह और इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 13 जून, 1973

सं० ई०आई०-13(75)/71—एतद्वारा लोह और इस्पात नियंत्रक ने श्री शैलेश चन्द्र मट्टाचार्य, एस०ए०एस० लेखापाल जो आडिट और लेखा निर्देशक का दफ्तर (डाक और तार विभाग) से प्रतिनियुक्ति आया, जून 6, 1973 से पुनरादेश तक लेखाधिकारी की पद पर, स्थानापन्न किया गया।

ए०के० राय चौधरी, उप निदेशक.  
(प्रशासन)

#### (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक , 1973,

सं० 2181 (ए० आर०)/19 बी०—श्री आशा राम ए० आई० सी० को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-द०रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900/- रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश आने तक, 19-4-1973 के अपराह्न से नियुक्त किया गया है।

सं० 40/59/सी०/19ए०(पी०)—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री डी०सी० भट्टाचार्य सरकारी सेवा से निवृत्ति पर 31 मार्च, 1973 (अपराह्न) से निवृत्त हो गये।

एम० के० राय चौधरी, महानिदेशक

#### भारतीय प्राणि-विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक जून, 1973

सं० एफ० 50-2-71-स्थापना—अधोलिखित ज्येष्ठ प्राणि-वैज्ञानिक सहायकों को, भारतीय प्राणि-विज्ञान सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्राणि वैज्ञानिक (द्वितीय श्रेणी, राजपत्रित) के पद पर, क्षेत्रीय केन्द्रों के सम्मुख प्रदर्शित दिनांको से आगामी आदेशों तक एड-हक (तवर्थ) आधार पर नियुक्त किया जाता है।

| नाम और उपाधि   | नियुक्त क्षेत्रीय केन्द्रों के नाम          | कार्य ग्रहण की तारीख |
|--|---|----------------------|
| 1 श्री डी० एस० एन० मूर्ति, ज्येष्ठ प्राणि वैज्ञानिक सहायक, मद्रास। | दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र, मद्रास।          | 11-6-73 (पूर्वाह्न)  |
| 2 श्री आर० एन० भार्गव, ज्येष्ठ प्राणि वैज्ञानिक सहायक, देहरादून।   | उत्तरी क्षेत्रीय केन्द्र, देहरादून।         | 11-6-73 (पूर्वाह्न)  |
| 3 श्री महेश चन्द्र, ज्येष्ठ प्राणि वैज्ञानिक सहायक, सोलन।          | हार्ड आल्टीट्यूड जूलोजी फील्ड स्टेशन, सोलन। | 14-6-73 (अपराह्न)    |

सं० एफ० 79-9-72/स्थापना—भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग के डा० (श्रीमती) मिनति गुप्ता, स्थानापन्न सहायक प्राणि-वैज्ञानिक, विभागीय सेवा से घरेलू कारण वश 10 जून, 1972 (पूर्वाह्न) पद त्याग कर दिया।

डा० ए० पी कपूर

निर्देशक

भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

#### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 18 मई, 1973

सं० ई०-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II(7) तारीख 11 जुलाई, 1969; में श्रेणी 2 के अंतर्गत नाईट्रेट मिक्सचर 'पावरफूलो - 3' प्रविष्टि के पश्चात् 'पावरराईट' जोड़ दिया जाये।

दिनांक 31 मई 1973

सं० ई०-11(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-11(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 3—प्रभाग 1 के अंतर्गत "सलियेक्स" की प्रविष्टि से पूर्व "सीसमोपाक" जोड़ दिया जाये।

एम० पी० मुखर्जी, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक।

#### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून, 1973

सं० 6(113)/63 एस एक—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री डी० के० झींगरों, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, राजकोट को श्री पी० एम० वैष्णव, कार्यक्रम निष्पादक, जो कि 16 अप्रैल, 1973 से तीन महीने की छुट्टी पर हैं, के स्थान पर आकाशवाणी राजकोट में, पहली जून, 1973 से कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल, प्रशासन उपनिदेशक।

कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून, 1973

सं० ए०-35017/1/73-सि० नि० 1—महानिदेशक, आकाश वाणी, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) श्री पी० के० प्रामाणिक को आकाशवाणी, के सिविल निर्माण स्कंध में सहायक इंजीनियर (सिविल) (रू० 350-900) के पद पर नियुक्त करते हैं और दिनांक 31-5-73 (पूर्वाह्न) से प्रथमतः एक वर्ष की प्रतिनियुक्ति (डेप्युटेशन) पर उन्हें डिवीजनल आफिस, कलकत्ता में सहायक इंजीनियर (सिविल) गोहाटी के रूप में तैनात करते हैं।

जे० जे० तोलानी, मुख्य इंजीनियर  
के इंजिनियरी अधिकारी (सिविल) कृते महानिदेशक

कार्यालय प्रधान अधिशासी अधिकारी,  
प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना  
देहरादून, दिनांक 30 जून, 1973

सं० 6/125/72-लौ० प्रो०—श्री बी० बनर्जी, सहायक वन अधिकारी, वन विभाग पश्चिमी बंगाल जो कि प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना सुकना (पश्चिमी बंगाल) में प्रकाष्ठ निष्कासन अनुदेशक (मुख्य सुकना केन्द्र) के पद का कार्य कर रहे थे, दिनांक 8-6-1973 अपराह्न से उनको कार्यभार से मुक्त किया गया है तथा उसी समय से उनकी सेवायें पुनः वन विभाग पश्चिमी बंगाल सरकार को सौंप दी गयी।

सं० 6/154/72-लौ० प्रो०—निर्देशक, प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना श्री ए० मानन, सहायक वन अधिकारी, पश्चिमी बंगाल वन विभाग को 8 जून, 1973 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक अस्थायी रूप से परियोजना में प्रकाष्ठ निष्कासन अनुदेशक (मुख्य सुकना केन्द्र) सहर्ष नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र नाथ अस्थाना, प्रधान अधिशासी अधिकारी

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-85, दिनांक 27 जून 1973

सं० 5/1/73-स्था 5/475—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इसके द्वारा श्री गिरधारीलाल श्री वास्तव, सहायक, को इस अनुसंधान केन्द्र में 18-5-73 से 22-6-73 तक के काल के लिये अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 जून 1973

सं० 5/1/73-सिदबंदी 5/40—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री जैनुद्दीन अहमद लसणे, सहायक को इस अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 21-4-1973 से 8-6-1973 के काल तक सहायक कार्मिक अधिकारी के नाते अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 5/1/73-स्था-5/42—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री श्रीनिवास अल्लवार श्रीनिवासन, सहायक, को इस अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 15-2-1973 से 2-4-1973 के काल तक सहायक कार्मिक अधिकारी के नाते अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन, उप प्रस्थापन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

क्रमांक रापविप 00101/73/प्र०/भ०—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता इस परियोजना के एक अस्थायी फोरमैन श्री बुद्धि प्रकाश शर्मा को इसी परियोजना में दिनांक 1/2/1973 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के० पद पर नियुक्त करते हैं।

आर० के० बाली, प्रशासन अधिकारी स्थापना

कृषि-मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय  
(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक जून 1973

सं० एफ० 12/10/73-वि० II—भारत सरकार के वाणिज्य मन्त्रालय की भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना संख्या का० आ० 1127, दिनांक 21-4-1973 के लिये मैं एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस सम्बन्ध में कि कड़ी पाउडर का श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन निर्मित तथा यथा संशोधित कड़ी पाउडर श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1958 के उपबन्धों के अनुसार किया जा च्का है, अंतः परम् आदेशों तक श्रेणीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूं।

1. श्री ए० के० गुहा सहायक विपणन अधिकारी
2. श्री एच० डी० श्रीवास्तव सहायक विपणन अधिकारी
3. श्री के० एन० राय सहायक विपणन अधिकारी
4. श्री टी० के० विश्नाथन् प्रवर विपणन अधिकारी
5. श्री जी० डी० भोगले उप प्रवर विपणन अधिकारी
6. श्री एम० जी० तोष्णीवाल विपणन अधिकारी
7. श्री के० एन० गुंगरुकार सहायक विपणन अधिकारी
8. श्री आर० ए० खानोरकर सहायक विपणन अधिकारी
9. श्री बी० चन्द्रमोली प्रवर विपणन अधिकारी
10. श्री सी० पी० गोपीनाथन सहायक विपणन अधिकारी  
नायर
11. श्री ई० गोपालन विपणन अधिकारी
12. श्री पी० रवीन्द्रनाथन विपणन अधिकारी
13. श्री एल० के० शंकर प्रवर विपणन अधिकारी
14. श्री के० डी० मेलन्ता उप प्रवर विपणन अधिकारी
15. श्री एस० के० सबरवाल सहायक विपणन अधिकारी
16. श्री एम० च शर्मा सहायक विपणन अधिकारी

सं० मि० 3/336/73-प्र० फ०—I—श्री हरिन्द्र प्रताप सिंह को संघीय लोक सेवा आयोग द्वारा चुने जाने पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) इस निदेशालय, नागपुर में दिनांक 19-4-1973 (पूर्वाह्न) से पुनः आदेशों तक नियुक्त किया है।

सं० मि० 1/7/72-प्र० फ० I—सर्वे श्री एम० आर० देशपांडे एवं सी० राधाकृष्णा को, विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों पर इस निदेशालय में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II) नियतमि आधार पर दिनांक, 26-4-73 से पुनः आदेशों तक नियुक्त किया है।

सं० मि० 1/7/72-प्र० फ० I—श्री आर० एफ० कारपटे को संघीय लोक सेवा आयोग द्वारा चुने जाने पर, सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) इस निदेशालय में नियमित आधार पर दिनांक 26-9-72 से पुनः आदेशों तक नियुक्त किया है।

नागपुर, दिनांक 1973

सं० एफ० 2/8/70 वि० II—धनिय्या, सौफ, मेथी, सेलरी बीज के लिये श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकारियों को प्राधिकृत करने के विषय में जारी की गई पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिलेखन करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 2907 दिनांक 5 मार्च 1971, 3601क, 3601ख 3601ग दिनांक 1 अक्टूबर 1971 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से धनिय्या, सौफ, मेथी, सेलरी बीज के लिये जिनका श्रेणीकरण धनिय्या श्रेणीकरण नियम 1964 मेथी श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1967 सेलरी बीज श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1967 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम                         | पद                     |
|-----------------------------|------------------------|
| 1. श्री टी० के० विश्वनाथन   | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री जी० डी० भोगले       | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 3. श्री एम० जी० तोपनीवाल    | विपणन अधिकारी          |
| 4. श्री आर० ए० खानोरकर      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 5. श्री के० एन० घुंगरुडकर   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 6. श्री बी० के० सुदामे      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 7. श्री ए० एस० बासनिक       | प्रवर निरीक्षक         |
| 8. श्री जान जार्ज           | प्रवर निरीक्षक         |
| 9. श्री एल० के० शुक्ला      | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 10. श्री के० बी० मेलन्ता    | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 11. श्री एस० के० सभरवाल     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 12. श्री एम० चक्रवर्ती      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 13. श्री एस० पी० सिंह       | विपणन अधिकारी          |
| 14. श्री एच० बी० श्रीवास्तव | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 15. श्री के० एन० राय        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 16. श्री ए० के० गुहा        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 17. श्री बी० चन्द्रमौली     | प्रवर विपणन अधिकारी    |

| नाम                          | पद                     |
|------------------------------|------------------------|
| 18. श्री राजेश आजाद          | विपणन अधिकारी          |
| 19. श्री के० सुब्रमनियम      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 20. श्री आर० कानन            | विपणन अधिकारी          |
| 21. श्री ए० एस० मिश्रा       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 22. श्री आर० ए० सभरवाल       | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 23. श्री जी० के० पवार        | विपणन अधिकारी          |
| 24. श्री एम० के० पी० मेनन    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 25. श्री एम० पी० जार्ज       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 26. श्री सी० एन० आनन्दकृष्णन | प्रवर निरीक्षक         |
| 27. श्री बी० बाला मूर्थी     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 28. श्री ए० नामस ओमेन        | प्रवर निरीक्षक         |
| 29. श्री टी० एम० करुणाकरन    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 30. श्री पी० गोपीनाथ कारथा   | प्रवर निरीक्षक         |
| 31. श्री आर० वासुदेव कुरुम   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 32. श्री पी० आर० पञ्चनाभन    | प्रवर निरीक्षक         |
| 33. श्री किलिप इट्टयेराह     | सहायक विपणन अधिकारी    |

सं० एफ० 2/8/70 वि० II—काली मिर्च, मिर्च, इलायची, अदरक, हल्दी के श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकारियों को प्राधिकृत करने के विषय में जारी की गई पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिलेखन करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 125, 126, 127 दिनांक 15-9-1962, 1131, 1132, दिनांक 15-8-1965 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, अदरक, हल्दी के लिये जिनका श्रेणीकरण काली मिर्च श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1969 मिर्च श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1962 इलायची श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1962 अदरक श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1964 हल्दी श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1964 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम                       | पद                     |
|---------------------------|------------------------|
| 1. श्री टी० के० विश्वनाथन | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री जी० डी० भोगले     | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 3. श्री एम० जी० तोपनीवाल  | विपणन अधिकारी          |
| 4. श्री आर० ए० खानोरकर    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 5. श्री के० एन० घुंगरुडकर | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 6. श्री बी० के० सुदामे    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 7. श्री ए० एस० बासनिक     | प्रवर निरीक्षक         |
| 8. श्री जान जार्ज         | प्रवर निरीक्षक         |
| 9. श्री एल० के० शुक्ला    | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 10. श्री के० बी० मेलन्ता  | उप प्रवर विपणन अधिकारी |

| नाम                         | पद                     |
|-----------------------------|------------------------|
| 11. श्री एस० के० सभरवाल     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 12. श्री एम० चक्रवर्ती      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 13. श्री एस० पी० सिंह       | विपणन अधिकारी          |
| 14. श्री एच० डी० श्रीवास्तव | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 15. श्री के० एन० राय        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 16. श्री ए० के० गुहा        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 17. श्री बी० चन्द्रमौली     | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 18. श्री राजेश आजाद         | विपणन अधिकारी          |
| 19. श्री के० सुभामनियम      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 20. श्री आर० कानन           | विपणन अधिकारी          |
| 21. श्री ए० एस० मिश्रा      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 22. श्री आर० ए० सभरवाल      | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 23. श्री जी० के० पवार       | विपणन अधिकारी          |
| 24. श्री एम० के० पी० नीनन   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 25. श्री सी० एन० आनंदकृष्णन | प्रवर निरीक्षक         |
| 26. श्री बी० बाला मूरथी     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 27. श्री ए० थामस ओमेन       | प्रवर निरीक्षक         |
| 28. श्री टी० एम० करुणाकरन   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 29. श्री पी० गोपीनाथ करथा   | प्रवर निरीक्षक         |
| 30. श्री आर० वासुदेव कुरुम  | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 31. श्री पी० आर० पद्मनाभन   | प्रवर निरीक्षक         |
| 32. श्री किलिप इट्टयेराह    | सहायक विपणन अधिकारी    |

दिनांक मई, 1973

सं० एफ० 3(44)/9/72-वि० II—तम्बाकू के लिये श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकारियों को प्राधिकृत करने हेतु जारी की गई पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिलेखन करते हुए तथा वित्त विभाग (केन्द्रीय राजस्व) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 12 दिनांक 9 जून 1945 और सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 6 दिनांक 5 फरवरी, 1949 और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 64 दिनांक 17 जून 1961 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से तम्बाकू के लिये जिसका श्रेणीकरण तम्बाकू श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1937 (यथा संशोधित) के अनुसार किया जा चुका है तथा जिसका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम                       | पद                     |
|---------------------------|------------------------|
| 1. श्री टी० के० विश्वनाथन | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री जी० डी० भोगले     | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 3. श्री एम० जी० तोषनीबाख  | विपणन अधिकारी          |

| नाम                          | पद                     |
|------------------------------|------------------------|
| 4. श्री आर० ए० खानोरकर       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 5. श्री के० एन० घुगरुडकर     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 6. श्री बी० के० सुदामे       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 7. श्री एल० के० शुक्ला       | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 8. श्री के० बी० मेखन्ता      | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 9. श्री एस० के० सभरवाल       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 10. श्री बी० एस० श्रीवास्तव  | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 11. श्री उमेश कुमार          | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 12. श्री यू० डी० पान्डे      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 13. श्री एस० पी० सिंह        | विपणन अधिकारी          |
| 14. श्री एच० डी० श्रीवास्तव  | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 15. श्री के० एन० राय         | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 16. श्री ए० के० गुहा         | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 17. श्री आर० आर० एस० राठौर   | प्रवर निरीक्षक         |
| 18. श्री बी० चन्द्रमौली      | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 19. श्री राजेश आजाद          | विपणन अधिकारी          |
| 20. श्री एस० बी० एस० शर्मा   | विपणन अधिकारी          |
| 21. श्री जी० के० पवार        | विपणन अधिकारी          |
| 22. श्री बी० बाला मूरथी      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 23. श्री आर० वासुदेव कुरुम   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 24. श्री पी० आर० पद्मनाभन्   | प्रवर निरीक्षक         |
| 25. श्री पी० रबीन्द्रनाथन्   | विपणन अधिकारी          |
| 26. श्री ई० गोपालन           | विपणन अधिकारी          |
| 27. श्री के० सेवाद्री        | विपणन अधिकारी          |
| 28. श्री एस० टी० काथलकर      | प्रवर निरीक्षक         |
| 29. श्री पी० एल० मुखर्जी     | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 30. श्री एन० गोपाल           | विपणन अधिकारी          |
| 31. श्री आर० सी० बनर्जी      | विपणन अधिकारी          |
| 32. श्री पी० एस० जे० बाबू    | विपणन अधिकारी          |
| 33. श्री के० वी० प्रसादा राव | विपणन अधिकारी          |
| 34. श्री जी० रामलिंगम्       | विपणन अधिकारी          |

सं० एफ० 3 (टी० एल०)/2/65 वि० II—तेंदू पत्ते के लिये श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकारियों को प्राधिकृत करने के लिए विषय में जारी की गई पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिलेखन करते हुए तथा वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 1130 दिनांक 7 अगस्त 1965 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से तेंदू पत्ते के लिये जिनका श्रेणीकरण तेंदू (बिडी लपेटन) पत्ते श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1963 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| क्र. | नाम                      | पद                     |
|------|--------------------------|------------------------|
| 1.   | श्री टी० के० विश्वनाथन   | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2.   | श्री जी० डी० भोगले       | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 3.   | श्री एम० जी० तोषनीवाल    | विपणन अधिकारी          |
| 4.   | श्री के० एन० घुंगरूडकर   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 5.   | श्री आर० ए० खानोरकर      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 6.   | श्री एल० के० शुक्ला      | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 7.   | श्री के० बी० मेलन्ता     | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 8.   | श्री एस० के० सभरवाल      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 9.   | श्री बी० एस० श्रीवास्तव  | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 10.  | श्री जी० पी० राजानी      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 11.  | श्री एस० पी० सिंह        | विपणन अधिकारी          |
| 12.  | श्री एच० डी० श्रीवास्तव  | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 13.  | श्री के० एन० राय         | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 14.  | श्री ए० के० गुहा         | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 15.  | श्री वी० चन्द्रमौली      | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 16.  | श्री राजेश आजाद          | विपणन अधिकारी          |
| 17.  | श्री एस० वी० एस० सर्मा   | विपणन अधिकारी          |
| 18.  | श्री के० सुब्रामनियम     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 19.  | श्री एम० के० पी० मेनन    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 20.  | श्री फिलिप इट्टयेराह्    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 21.  | श्री बी० बाला मूरथी      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 22.  | श्री आर० वासुदेव कुरुप   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 23.  | श्री पी० आर० पद्मनाभन    | प्रवर निरीक्षक         |
| 24.  | श्री आर० कानन            | विपणन अधिकारी          |
| 25.  | श्री पी० भास्करन         | प्रवर निरीक्षक         |
| 26.  | श्री एम० पी० जार्ज       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 27.  | श्री सी० एन० आनन्दकृष्णन | प्रवर निरीक्षक         |

सं० एफ० 3(13)/52/73 वि०-II—एगमार्क के अधीन श्रेणीकृत तथा निर्यात के लिये ऊन, दूढ़लोम और बकरी के बालों के परेषणों के लिये श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने हेतु अधिकारियों को प्राधिकृत करने के विषय में जारी की गई पहले की सभी सूचनाओं का अधिलेखन करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 48 दिनांक 24 मई, 1954 सं० 173 दिनांक 29 दिसम्बर 1954 तथा सं० 5 दिनांक 14 जनवरी 1961 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से ऊन, दूढ़लोम तथा बकरी के बालों के लिये जिनका श्रेणीकरण क्रमशः ऊन श्रेणीकरण और चिल्लन (संशोधन) नियम 1962 दूढ़लोम श्रेणीकरण और चिल्लन नियम 1969 तथा बकरी के बाल श्रेणीकरण और चिल्लन (संशोधन) नियम 1962 के अनुसार किया जा चुका है तथा

जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम                        | पद                     |
|----------------------------|------------------------|
| 1. श्री टी० के० विश्वनाथन  | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री घनश्याम सिंह       | विपणन अधिकारी          |
| 3. श्री एन० एल० कान्था राव | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 4. श्री एम० जी० तोषनीवाल   | विपणन अधिकारी          |
| 5. श्री आर० ए० खानोरकर     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 6. श्री एस० डी० फडके       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 7. श्री बी० एन० के० सिक्का | प्रवर निरीक्षक         |
| 8. श्री एल० के० शुक्ला     | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 9. श्री के० बी० मेलन्ता    | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 10. श्री एस० के० हजेला     | विपणन अधिकारी          |
| 11. श्री आर० एम० करपटे     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 12. श्री एम० चक्रवर्ती     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 13. श्री एम० एन० धूमे      | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 14. श्री ए० सी० गुडन       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 15. श्री एस० सी० दास       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 16. श्री एस० पी० सिंह      | विपणन अधिकारी          |
| 17. श्री एस० बी० चक्रवर्ती | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 18. श्री के० एन० राय       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 19. श्री ए० के० गुहा       | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 20. श्री बी० चन्द्रमौली    | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 21. श्री राजेश आजाद        | विपणन अधिकारी          |
| 22. श्री एम० आर० देशपांडे  | सहायक विपणन अधिकारी    |

सं० एफ० 3(13)/57/72-वि० II—पशु अंतड़ी मसाने आदि के लिये श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए अधिकारियों को प्राधिकृत करने के विषय में जारी की गई पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिलेखन करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 174 सी० शु० दिनांक 26 दिसम्बर 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्वारा इस अधिसूचना के जारी किए जाने की दिनांक से निम्नलिखित अधिकारियों को पशु अंतड़ी मसाने आदि के लिये जिनका श्रेणीकरण पशु अंतड़ी मसाने आदि श्रेणीकरण और चिल्लन नियम 1964 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम                       | पद                     |
|---------------------------|------------------------|
| 1. श्री टी० के० विश्वनाथन | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री जी० डी० भोगले     | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 3. श्री जी० के० उपाध्या   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 4. श्री सी० राधाकृष्णन    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 5. श्री आर० ए० खानोरकर    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 6. श्री एल० के० शुक्ला    | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 7. श्री के० बी० मेलन्ता   | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 8. श्री एस० के० हजेला     | विपणन अधिकारी          |
| 9. श्री एम० एन० धूमे      | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 10. श्री एस० पी० सिंह     | विपणन अधिकारी          |
| 11. श्री ए० के० गुहा      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 12. श्री बी० चन्द्रमौली   | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 13. श्री एम० आर० देशपांडे | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 14. श्री राजेश आजाद       | विपणन अधिकारी          |

सं० एफ० 5/11/69-वि० II—एगमार्क के अधीन श्रेणीकृत तथा निर्यात के लिये हरड़ परेषण के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकारियों को प्राधिकृत करने के लिये जारी की गई पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिलेखन करते हुए तथा भारत सरकार के लिए वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 124 दिनांक 15 सितम्बर द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से हरड़ के लिये जिसका श्रेणीकरण समय समय पर यथा संशोधित हरड़ श्रेणीकरण और विलून नियम 1962 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिसका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम                       | पद                     |
|---------------------------|------------------------|
| 1. श्री टी० के० विश्वनाथन | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री जी० डी० भोगले     | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 3. श्री एल० के० शुक्ला    | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 4. श्री एस० के० सभरवाल    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 5. श्री एस० पी० सिंह      | विपणन अधिकारी          |
| 6. श्री बी० चन्द्रमौली    | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 7. श्री राजेश आजाद        | विपणन अधिकारी          |
| 8. श्री आर० ए० सभरवाल     | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 9. श्री आर० कानन          | विपणन अधिकारी          |
| 10. श्री के० शेखात्रि     | विपणन अधिकारी          |
| 11. श्री एस० टी० खाटलकर   | प्रवर निरीक्षक         |

सं० एफ० 5/11/69 वि० II—एगमार्क के अधीन श्रेणीकृत तथा निर्यात के लिये खाने के आलू के परेषणों के लिये श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के विषय में जारी की गई पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिलेखन करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना 448 दिनांक 14 मार्च, 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से खाने के आलू के लिये जिसका श्रेणीकरण समय समय पर यथा संशोधित खाने के आलू श्रेणीकरण और विलून नियम 1964 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिसका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम                         | पद                     |
|-----------------------------|------------------------|
| 1. श्री टी० के० विश्वनाथन   | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री जी० डी० भोगले       | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 3. श्री एम० जी० तोषनीवाल    | विपणन अधिकारी          |
| 4. श्री आर० ए० खानोरकर      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 5. श्री के० एस० घुंगरुडकर   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 6. श्री एल० के० शुक्ला      | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 7. श्री के० बी० मेलन्ता     | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 8. श्री एस० के० सभरवाल      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 9. श्री बी० एस० श्रीवास्तव  | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 10. श्री एस० पी० सिंह       | विपणन अधिकारी          |
| 11. श्री ए० के० गुहा        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 12. श्री बी० चन्द्रमौली     | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 13. श्री राजेश आजाद         | विपणन अधिकारी          |
| 14. श्री एस० बी० एस० सर्मा  | विपणन अधिकारी          |
| 15. श्री जे० के० पवार       | विपणन अधिकारी          |
| 16. श्री एम० के० पी० मेनन   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 17. श्री फिलिप इट्टयेराह    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 18. श्री बी० बाला मूरथी     | विपणन अधिकारी          |
| 19. श्री आर० ए० सभरवाल      | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 20. श्री आर० कानन           | विपणन अधिकारी          |
| 21. श्री टी० एम० करुनाकरन   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 22. श्री ए० थामस ओम्मेन     | प्रवर निरीक्षक         |
| 23. श्री आर० वासुदेव कुरूप  | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 24. श्री पी० आर० पद्मनाभन   | प्रवर निरीक्षक         |
| 25. श्री एम० पी० जार्ज      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 26. श्री सी० एन० आनंदकृष्णन | प्रवर निरीक्षक         |



सं० एफ० 5/11/69 वि० II—ऐगमार्क के अधीन श्रेणीकृत तथा निर्यात के लिये अखरोट परेषणों के श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र पर अधिकारियों को हस्ताक्षर करने के लिये प्राधिकृत करने के विषय में जारी की गई इसके पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिलंघन करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना 1421 दिनांक 31 अगस्त 1963 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से निम्न लिखित अधिकारियों को अखरोट के लिये जिसका श्रेणीकरण समय समय पर यथा संशोधित अखरोट श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1966 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिसका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम                       | पद                     |
|---------------------------|------------------------|
| 1. श्री टी० के० विश्वनाथन | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री जी० डी० भोगले     | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 3. श्री एम० जी० तोषनीवाल  | विपणन अधिकारी          |
| 4. श्री एल० के० शुक्ला    | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 5. श्री वी० पी० शर्मा     | विपणन अधिकारी          |
| 6. श्री डी० एस० सोबती     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 7. श्री ओ० एन० गर्ग       | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 8. श्री आर० एस० कटारिया   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 9. श्री एस० पी० सिंह      | विपणन अधिकारी          |
| 10. श्री ए० के० गुहा      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 11. श्री वी० चन्द्रमौली   | प्रवर विपणन अधिकारी    |

सं० एफ० 5/11/69 वि० II—ऐगमार्क के अधीन श्रेणीकृत तथा निर्यात के लिये प्याज, लहसुन तथा दालों के परेषणों के श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने हेतु अधिकारियों को प्राधिकृत करने के लिये जारी की गई पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिलंघन करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 1133, 1134, 1135 दिनांक 7 अगस्त 1965 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से प्याज, लहसुन 1964 तथा दालों 1963 के लिये जिनका श्रेणीकरण समय समय पर यथा संशोधित प्याज, लहसुन तथा दालों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम                       | पद                     |
|---------------------------|------------------------|
| 1. श्री टी० के० विश्वनाथन | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री जी० डी० भोगले     | उप प्रवर विपणन अधिकारी |

| नाम                         | पद                     |
|-----------------------------|------------------------|
| 3. श्री एम० जी० तोषनीवाल    | विपणन अधिकारी          |
| 4. श्री के० एन० धुंगरूडकर   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 5. श्री आर० ए० खानोरकर      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 6. श्री सी० बी० सिंह        | प्रवर निरीक्षक         |
| 7. श्री आर० जे० नाथनिल      | प्रवर निरीक्षक         |
| 8. श्री जान जार्ज           | प्रवर निरीक्षक         |
| 9. श्री एस० डी० फडके        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 10. श्री बी० एन० के० सिन्हा | प्रवर निरीक्षक         |
| 11. श्री एस० पी० सिंह       | विपणन अधिकारी          |
| 12. श्री एच० डी० श्रीवास्तव | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 13. श्री के० एन० राय        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 14. श्री ए० के० गुहा        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 15. श्री एल० के० शुक्ला     | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 16. श्री के० बी० मेलन्ता    | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 17. श्री एस० के० सभरवाल     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 18. श्री बी० एस० श्रीवास्तव | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 19. श्री जी० पी० राजानी     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 20. श्री वी० चन्द्रमौली     | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 21. श्री राजेश आजाद         | विपणन अधिकारी          |
| 22. श्री एस० वी० एस० सर्मा  | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 23. श्री एम० के० पी० मेनन   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 24. श्री फिलिप इट्टयेराह    | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 25. श्री वी० बाला मूरथी     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 26. श्री आर० ए० सभरवाल      | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 27. श्री आर० कानन           | विपणन अधिकारी          |
| 28. श्री एम० पी० जार्ज      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 29. श्री सी० एन० आनंदकृष्णन | प्रवर निरीक्षक         |
| 30. श्री आर० वासुदेव कुरुप  | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 31. श्री बी० आर० पद्मनाभन   | प्रवर निरीक्षक         |
| 32. श्री टी० एम० करुणाकरण   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 33. श्री ए० थामस ओम्मेन     | प्रवर निरीक्षक         |
| 34. श्री ई० गोपालन          | विपणन अधिकारी          |
| 35. श्री पी० रवीन्द्रनाथन्  | विपणन अधिकारी          |

सं० एफ० 74/15/72 वि० I—ऐगमार्क के अधीन श्रेणीकृत तथा निर्यात के लिये (1) चन्दन का तेल (2) मोतिया तेल (3) निम्बुघास तेल (4) खस का तेल के परेषणों के लिये ऐगमार्क प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने के अधिकारियों को प्राधिकृत करने के लिये जारी की गई इसके पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधिलंघन करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० (1) एस० आर० ओ० 3184 दिनांक 28-12-1966 (2) 83 दिनांक 29-7-1961 (3) 3752 दिनांक 26-12-1955 (4) 157 दिनांक 22-6-1963 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्

द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से (1) चन्दन का तेल (2) मोतिया तेल (3) निम्बुघास तेल (4) खस का तेल, के लिये जिनका श्रेणीकरण समय-समय पर यथा संशोधित संग्रह तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम                         | पद                     |
|-----------------------------|------------------------|
| 1. श्री बी० चन्द्रमौली      | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री राजेश आजाद          | विपणन अधिकारी          |
| 3. श्री सी० सी० नीनन        | विपणन अधिकारी          |
| 4. श्री आर० ए० सभरवाल       | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 5. श्री आर० कानन            | विपणन अधिकारी          |
| 6. श्री जी० के० पवार        | विपणन अधिकारी          |
| 7. श्री पी० रवीन्द्रनाथन    | विपणन अधिकारी          |
| 8. श्री ई० गोपालन           | विपणन अधिकारी          |
| 9. श्री डी० एस० चन्द्रशेखरन | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 10. श्री आई० ए० सिद्दीकी    | विपणन अधिकारी          |
| 11. श्री एच० डी० श्रीवास्तव | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 12. श्री ए० के० गुहा        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 13. श्री टी० के० विश्वनाथन  | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 14. श्री के० सोमसुन्दरम्    | विपणन अधिकारी          |
| 15. श्री लक्ष्मीनारायणन     | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 16. श्री एल० के० शुक्ला     | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 17. श्री एस० एच० आर० हाशमी  | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 18. श्री बी० एल० श्रीवास्तव | विपणन अधिकारी          |
| 19. श्री एम० एन० धूमे       | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 20. श्री एस० पी० भसीन       | सहायक विपणन अधिकारी    |

सं० एफ० 74/15/72 वि० I—एगमार्क के अधीन श्रेणीकृत तथा निर्यात के लिये वनस्पति तेल परेषणों के लिये श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के विषय में अधिकारियों को प्राधिकृत करने के लिये जारी की गई पहले की सभी अधिसूचनाओं का अधि-संघन करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० जी० एस० आर० 904 दिनांक 27 जून 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से वनस्पति तेलों के लिये जिनका श्रेणीकरण समय-समय पर यथासंशोधित वनस्पति तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1955 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

| नाम  | पद                     |
|--|------------------------|
| 1. श्री बी० चन्द्रमौली                       | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 2. श्री राजेश आजाद                           | विपणन अधिकारी          |
| 3. श्री सी० सी० नीनन                         | विपणन अधिकारी          |
| 4. श्री आर० ए० सभरवाल                        | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 5. श्री आर० कानन                             | विपणन अधिकारी          |
| 6. श्री पी० रवीन्द्रनाथन                     | विपणन अधिकारी          |
| 7. श्री ई० गोपालन                            | विपणन अधिकारी          |
| 8. श्री आर० बी० कुरुप                        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 9. श्री बी० बालारामा मूर्थी                  | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 10. श्री आई० ए० सिद्दीकी                     | विपणन अधिकारी          |
| 11. श्री एच० डी० श्रीवास्तव                  | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 12. श्री ए० के० गुहा                         | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 13. श्री टी० के० विश्वनाथन                   | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 14. श्री के० सोमसुन्दरम्                     | विपणन अधिकारी          |
| 15. श्री लक्ष्मीनारायणन                      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 16. श्री के० एस० कामथ                        | विपणन अधिकारी          |
| 17. श्री टी० जी० साहानी                      | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 18. श्री एल० के० शुक्ला                      | प्रवर विपणन अधिकारी    |
| 19. श्री एस० एच० आर० हाशमी                   | सहायक विपणन अधिकारी    |
| 20. श्री बी० एल० श्रीवास्तव                  | विपणन अधिकारी          |
| 21. श्री बी० एस० श्रीवास्तव                  | उप प्रवर विपणन अधिकारी |
| 22. श्री ओ० पी० वन्सल                        | सहायक विपणन अधिकारी    |
| एन० के० मुरालीधरा राव,<br>कृषि विपणन सलाहकार |                        |

#### कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1973

सं० ए० 38013/1/70-ई० सी०—वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के श्री बी० बी० सेन, स्थानापन्न सहायक संचार अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 25 मई 1973 (पूर्वाह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 38013/1/70-ई० सी०—वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री पी० लांबा, स्थानापन्न सहायक संचार अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 2 फरवरी 1973 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

स्वामिनाथन एकाम्बरम्,  
उप-निदेशक प्रशासन,  
कृषि महानिदेशक, नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1973

सं० ए० 32013/3/73-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री बी० एन० कपूर को, जिनकी सेवाएं इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए 32012/1/72-ई० एस० दिनांक 12 जून 1972 द्वारा विमानपत्तन निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण की सौंपी गई थीं, दिनांक 23 जून 1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में निदेशक, वैमानिक निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,  
उप-निदेशक प्रशासन,  
कृते महानिदेशक,  
नागर विमानन।

#### पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

#### भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 28 जून 1973

सं० ई० (1) 05775—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक उपकरण, पूना के कार्यालय के श्री सी० के० चन्द्रशेखरन, व्यवसायिक सहायक को 3 मई 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री सी० के० चन्द्रशेखरन, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, उपकरण, पूना के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

दिनांक 30 जून 1973

सं० ई० (1) 06204—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय के श्री एन० एस० कुलकर्णी, व्यवसायिक सहायक को दिनांक 3 मई 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एन० एस० कुलकर्णी, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04155—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय के श्री के० एम० विश्वास, व्यवसायिक सहायक को दिनांक 3 मई 1973 के पूर्वाह्न से 28-7-73 तक सत्तासी दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्न के रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री विश्वास, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सी० जी० बालासुब्रामनियन,  
मौसम विशेषज्ञ,  
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक।

#### केन्द्रीय उत्पादन और सीम, शुल्क समार्वर्ता का कार्यालय

शिलांग, दिनांक जून 1973

सं० 1/73—केन्द्रीय आबकारी कलक्टरेट, शिलांग के अस्थायी कार्यालय अधीक्षक श्री पी० आर० गुह को अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री पी० आर० गुह ने केन्द्रीय आबकारी के प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दिनांक 29 मई 1973 को धुबड़ी में कार्यभार संभाला।

सं० 2/73—केन्द्रीय आबकारी कलक्टरेट, शिलांग के अस्थायी कार्यालय अधीक्षक श्री एच० एन० दास को अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री एच० एन० दास ने केन्द्रीय आबकारी के प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दिनांक 6 जून 1973 को अगरतला में कार्यभार संभाला।

सं० 3/73—केन्द्रीय आबकारी कलक्टरेट, शिलांग के अस्थायी कार्यालय अधीक्षक श्री जे० सी० पाल को अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी प्रशासनिक अधिकारी (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री जे० सी० पाल ने केन्द्रीय आबकारी के प्रशासनिक अधिकारी के रूप में दिनांक 25 मई 1973 को शिलचर में कार्यभार संभाला।

दिनांक 21 जून 1973

सं० 4/73—केन्द्रीय आबकारी कलक्टरेट, शिलांग के स्थायी उप-अधीक्षक श्री यु० सी० डेका को अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी अधीक्षक (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री यु० सी० डेका ने केन्द्रीय आबकारी के अधीक्षक के रूप में दिनांक 23 मई 1973 को तेजपुर में कार्यभार संभाला।

सं० 5/73—केन्द्रीय आबकारी कलक्टरेट, शिलांग के स्थायी निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री सोमधर गर्ग को अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी अधीक्षक (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री सोमधर गर्ग ने केन्द्रीय आबकारी के अधीक्षक के रूप में दिनांक 21 मई 1973 को गोलाघाट में कार्यभार संभाला।

सं० 6/73—केन्द्रीय आबकारी कलक्टरेट, शिलांग, के स्थायी निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री आर० आर० शर्मा को अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आब-

कारी अधीक्षक (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री आर० आर० शर्मा ने केन्द्रीय आबकारी के अधीक्षक के रूप में दिनांक 8 जून 1973 को शिलचर में कार्यभार संभाला।

एच० आर० सियेम,  
कलकट्टर।

कानपुर, दिनांक 15 मई 1973

सं० 25/73—श्री महेश कुमार भादा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-I, गाजियाबाद ने सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क गाजियाबाद के कार्यालय के अधीक्षक (प्राविधिक) का कार्यभार दिनांक 29 मार्च 1973 को अपराह्न श्री एम० डी० चौधरी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी II को सौंपने के पश्चात् उसी तिथि को अपराह्न श्री एच० वर्मा सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मेरठ से सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क गाजियाबाद का कार्यभार ग्रहण किया।

सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क गाजियाबाद के कार्यालय के श्री एम० डी० चौधरी, अधीक्षक श्रेणी-II ने अधीक्षक (निवारक) के अपने कार्य के अतिरिक्त श्री महेश कुमार भादा, अधीक्षक, श्रेणी-II से अधीक्षक (प्राविधिक) गाजियाबाद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 7 जून 1973

सं० 31/73—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अलीगढ़ के रूप में अपने पदस्थापन के परिणामस्वरूप-देखिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व तथा बीमा विभाग) नई दिल्ली का आदेश सं० 58/73 (फा० सं० ए०-22012/1/73-एड० II दिनांक 28 अप्रैल 1973—अधीक्षक (प्राविधिक) के रूप में कानपुर में पदस्थापित श्री परमात्मा सरन, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी I ने अपना कार्यभार श्री बाबू लाल अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी II (मूल्यांकन शाखा) कानपुर को दिनांक 1 मई 1973 को पूर्वाह्न को सौंप दिया।

2. श्री परमात्मा सरन, अधीक्षक के० उ० शु० श्रेणी I ने सहायक समाहर्ता के० उ० शु०, अलीगढ़ के रूप में 9 मई 1973 को पूर्वाह्न श्री जे० एन० निगम, सहायक समाहर्ता, के० उ० शु० आगरा से उन्हें उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए, कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 32/73—प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को कोटि में अपनी पदोन्नति के परिणामस्वरूप श्री देव दत्त मिश्र, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर ने दिनांक 26 मई 1973 को पूर्वाह्न, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क डिवीजन अलीगढ़ के प्रशासन अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया।

ज्योतिषम दत्त,  
समाहर्ता।

नई दिल्ली, दिनांक जून 1973

सं० 20/73-प्रशा०-IV—दिनांक 2-5-73 के अनुसरण में इस कार्यालय से प्रचरित आदेश सं० 127/73 दिनांक 10 मई 1973 के अनुसार अधोलिखित अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तदर्थ रूप से प्रशासन अधिकारी के रूप में रु० 350-25-300-30-390-द० रो०-30-800-द० रो०-830-35-900 तथा नियमानुसार प्राप्य सामान्य भत्ते सहित वर्तमान वेतन-क्रम में अगले आदेश तक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने प्रशासन अधिकारी के रूप में नीचे दी गई तालिका के अनुसार उस 2 स्थान, दिन और समय पर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है :—

| क्र० सं० | नाम                     | नियुक्ति का स्थान  | कार्यभार ग्रहण का दिन एवं समय |
|----------|-------------------------|--|-------------------------------|
| 1.       | श्री बिमल चंद संगल      | केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग कार्यालय, (अपराह्न) मुजफ्फरपुर | 22-5-73                       |
| 2.       | श्री चारु चरण दास-गुप्त | केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग कार्यालय, (पूर्वाह्न) पूर्णिया | 1-6-73                        |

हरि नारायण साहू,  
समाहर्ता।

#### निरीक्षण निदेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 जून 1973

सं० 1041/45/73—श्री डी० सरूप ने, जो कि पिछले दिनों दिल्ली में सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर नियुक्त थे, निरीक्षण निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली के मुख्यालय में 25-6-73 के दोपहर पूर्व से निरीक्षण अधिकारी सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-I का कार्यभार सम्भाल लिया है।

मा० रामचंद्रन,  
निरीक्षण निदेशक,  
सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

#### नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक जून 1973

सं० 6—नियुक्ति पर, श्री एच० सी० कपूर, स्थानापन्न अधीक्षक (मंत्रालय) ने, 1 जून, 1973 के दोपहर बाद से ग्वालियर स्थित नारकोटिक्स आयुक्त के कार्यालय में रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 के वेतनमान में स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी, श्रेणी II राजपत्रित, का कार्यभार ग्रहण किया। प्रशासन अधिकारी का उक्त पद, भारत

सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व और बीमा विभाग), के तारीख 12 अक्टूबर, 1972 के पत्र फा० सं० ए० 11013/सी०/62/72-प्रशा० IV द्वारा मंजूर किये गए चार पदों में से एक है।

वि० रा० सोनाल्कर  
भारत का नारकोटिक्स आयुक्त

### केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

(जल स्कंध)

नई दिल्ली-22 दिनांक जून 1973

सं० क-19012/370/72-प्रशासन-5—इस आयोग की अधिसूचना संख्या क-19012/370/72-प्रशासन-5 दिनांक 21-4-1973 के क्रम में, अध्यक्ष केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री पी० सी० गोस्वामी को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के पद पर 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रूप के वेतनमान में 12-6-73 के पूर्वाह्ल से आगे तीन महीने की अवधि के लिए अथवा जब तक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति कार्यभार ग्रहण कर ले, जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० क-19012/374/73-प्रशासन-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-19012/374/73-प्रशासन-5 दिनांक 30 मार्च 1973 के क्रम में अध्यक्ष केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री रंजीत दत्त को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 के वेतनमान में सहायक अनुसंधान केन्द्र (भौतिकी) के पदक्रम में 27-6-73 से आगे तीन मास की अवधि के लिए अथवा जब तक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति कार्य ग्रहण करे, जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० क-19013/403/73-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री पी० एस० मंडल, अस्थायी पर्यवेक्षक को, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नितांत अस्थायी तथा तदर्थ रूप में स्थानापन्न होने के लिए नियुक्त करते हैं। उन्हें दिनांक 15-5-73 के पूर्वाह्ल से आगामी आदेश होने तक अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त होने पर पर्यवेक्षक के ग्रेड वेतन तथा 10% भत्ता पाने का अधिकार होगा।

श्री पी० एस० मंडल ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से ग्रंथमात्र अन्वेषण अनुमंडल एक, पोर्ट ब्लेयर, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) में सहायक अभियंता का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० क-19012/342/72-प्रशासन-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-19012/342/72-प्रशासन-5, दिनांक 31-मार्च 1973 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री टी० पी० येगनन को केन्द्रीय जल और

विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (गणित) के पद पर रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ रूप में दिनांक 23 जून 1973 से आगामी तीन मास के लिए अथवा जब तक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित व्यक्ति कार्यभार सम्भाल ले, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

के० पी० बी० मेनन  
अवर सचिव,

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

### विद्युत् स्कंध

नई दिल्ली-22, दिनांक जून 1973

सं० 6(3)/72-प्रशासन 2 (वि० स्कंध) भाग-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री वी० नाग-स्वामी, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (श्रेणी-2) में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर 30 मई 1973 (पूर्वाह्ल) से नियुक्त करते हैं।

मूल शंकर पाठक,  
अवर सचिव।

### चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चित्तरंजन

जिला बर्बकान (पश्चिम बंगाल)

सं० जी० एम० ए०/जी० एस०/8(इलैक०)—चित्तरंजन रेल-इंजन कारखाना, चित्तरंजन के स्थानापन्न सहायक विद्युत् इंजीनियर श्री जी० कुदैसिया (संप्रति प्रवर वेतनमान में स्थानापन्न प्रवर विद्युत् इंजीनियर/अभिकल्प II) को चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चित्तरंजन के विद्युत् इंजीनियरी विभाग के संवर्ग में द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक विद्युत् इंजीनियर के रूप में दिनांक 24 मई 1973 (पूर्वाह्ल) से स्थायी किया जाता है।

अमृत लाल कौचर,  
महाप्रबन्धक।

### पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक (कार्मिक) का कार्यालय,

पाण्डू, दिनांक 25 जून 1973

सं० ई० 55/III/93-पी० टी० II(प्रो०)—भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरी सेवा के निम्नलिखित परिवीक्षाधीन अधिकारियों को इस रेल में सहायक यांत्रिक इंजीनियर के पद पर अवर वेतनमान में उनके सामने दी गयी तारीखों से स्थायी किया जाता है :—

| क्रम सं० | नाम            | स्थायी करने की तारीख |
|----------|----------------|----------------------|
| 1.       | श्री आर० शर्मा | 8-11-73              |
| 2.       | श्री एस० साहू  | 1-2-73               |

एम० आर० रेड्डी,  
महाप्रबन्धक।

**आयकर अपीलीय अधिकरण**

बम्बई-20, दिनांक 27 जून 1973

सं० एफ० 48 एडी० (एटी०)/73—श्री अम्बीका प्रसाद, सीनियर स्टेनोग्राफर, आयकर अपीलीय अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद, जो दिनांक 12 फरवरी 1969 से आयकर अपीलीय अधिकरण में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ० 48 एडी० (एटी०)/69 दिनांक 18 फरवरी 1969 के आधार पर कार्य कर रहे हैं, उनको सघ लोक सेवा आयोग के द्वारा उसी पद के लिए प्रवरण किए जाने पर दिनांक 1 सितम्बर 1972 के पूर्वानु से आयकर अपीलीय अधिकरण इलाहाबाद न्यायपीठ में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर रु० 400-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 के वेतनमान में नियमित आधार पर अस्थायी रूप से अग्रेतर आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री अम्बीका प्रसाद की नियुक्ति दिनांक 1 सितम्बर 1972 से दो वर्ष तक परिवीक्षा काल पर रहेगी।

हरनाम शर्मा,

अध्यक्ष,

आयकर अपीलीय अधिकरण

**कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय**

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और केलोपेटरा कासमेटिक्स (इन्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

दिल्ली, दिनांक 30 जून 1973

सं० 4928/6348—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर केलोपेटरा कासमेटिक्स (इन्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और ऐडइनवायस ऐडवरटाइजिंग एण्ड मार्किटिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

दिल्ली, दिनांक 30 जून 1973

सं० 4880/6350—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ऐडइनवायस ऐडवरटाइजिंग एण्ड मार्किटिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

आर० के० जैन,

कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार,

दिल्ली व हरियाणा

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मिस्त्री फाईनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1973

सं० 560/2025—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मिस्त्री फाईनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी० वाय० राणे,

कम्पनियों का रजिस्ट्रार,

गुजरात।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और बी काश्मीर समाल स्केल शाल, मैनूफैक्चरिंग एसोसिएशन के विषय में**

श्रीनगर-190008, दिनांक 2 जुलाई 1973

सं० पी० सी०/284/1360—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि दि काश्मीर समाल स्केल मैनूफैक्चरिंग एसोसिएशन का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और डोगरा प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

श्रीनगर-190008, दिनांक 2 जुलाई 1973

सं० पी० सी०/355/1364—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि डोगरा प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और काश्मीर बैली फोटोग्राफरज एसोसिएशन के विषय में**

श्रीनगर-190008, दिनांक 2 जुलाई 1973

सं० पी० सी०/283/1368—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि काश्मीर बैली फोटोग्राफरज एसोसिएशन का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और काश्मीर बारले एण्ड ओट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

श्रीनगर-190008, दिनांक 2 जुलाई 1973

सं० पी० सी०/55/1366—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि काश्मीर बारले एण्ड ओट वर्क्स

प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और काश्मीर वूलन एण्ड टैक्सटाईल मैनुफैक्चरिंग एसोसिएशन के विषय में**

श्रीनगर, दिनांक 2 जुलाई 1973

सं० पी० सी०/282/1362—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि काश्मीर वूलन एण्ड टैक्सटाईल मैनुफैक्चरिंग एसोसिएशन का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० एस० गुप्ता,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
जम्मू एवं काश्मीर, श्रीनगर।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स गोवा इंडस्ट्रीयल एण्ड कनिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में**

पंजिम, दिनांक 29 जून 1973

सं० 11/जी०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स गोवा इंडस्ट्रीयल एण्ड कनिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
गोवा, दमण और दीव

**कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं न्यू एरा कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

बम्बई, दिनांक 28 जून 1973

सं० 14752/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर न्यू एरा कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और ईस्ट अफ्रीकन ओटोमोबाईल्स प्राइवेट के विषय में**

बम्बई, दिनांक 29 जून 1973

सं० 12512/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ईस्ट अफ्रीकन ओटोमोबाईल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो

रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज

हुबली का कार्यालय

हुबली, दिनांक 7 जुलाई 1973

निर्देश सं० 6/73-74/एच०एच०—यतः, मुझे, आर० पार्थ-सारथि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 240 है, जो चौथा वार्ड पटेल नगर होस्पेट जिला बल्लारि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होस्पेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (प्रमाणित पत्र सं० 1846/72-73) 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 जनवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० भीमसेनप्पा सेट्टी, आनन्द आइल मिल्स, होसपेट, जिला, बल्लारि । (अन्तरक)

2. श्री एम० लक्ष्मी नारायण सेट्टी, मेमर्स कृष्णा ट्रेडिंग कं०, होसपेट, जिला बल्लारि । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

#### अनुसूची

सुमार 40' × 60' मापन का एक घर, सुमार 100' × 60' मापन का प्लॉट में खड़ा है। ये घर बल्लारि जिला का होसपेट शहर म्युनिसिपैलिटी का चौथा बार्ड में स्थित है।

**विवरण :**

उत्तर में इजारी थाक्का का घर है।

दक्षिण में दि० एच० एम० गुरुशंकरप्पा का घर है।

पूर्व में : रास्ता :

पश्चिम में : कोलुर हनुमंता चार का घर है।

आर० पार्थसारति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हुबली ।

तारीख : 8 जुलाई, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज हुबली का कार्यालय

हुबली, दिनांक 8 जुलाई 1973

हुबली, निर्देश सं० 7/73-74/एच० एच०—यतः, मुझे आर० पार्थसारति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकार को, यह यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है और जिसकी सं० घर सं० 10 है, जो मुख्य बाजार, होसपेट, जिला बल्लारि में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होसपेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (प्रमाणित पत्र सं० 1892/72-73) 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 जनवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1(अ) श्री बि० एस० अब्दुल सत्तार, साब बिन अब्दुल खादर, भांडेवाला, कउलपेट, होसपेट, जिला बल्लारि । (अन्तरक)

(ब) श्री बी० रास० करीम साब बिन अब्दुल खादर भांडेवाला कउलपेट, होसपेट, जिला बल्लारि ।



2. श्री हाराकचंद मोहनलाल पुरोहित, मेसर्स गीता लक्ष्मी हाफ, होसपेट, जिला बल्लारि । अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिससे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

सुमार 15' × 40' मापन का एक दूकान, बल्लारि का होसपेट शहर म्युनिसिपलटी का वार्ड सं० नौ (9) में स्थित है । दूकान का दरवाजा सं० 10 है ।

आर० पार्थसारथि,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हबली ।

तारीख 7 जुलाई, 73  
मोहर

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन क्षेत्र भोपाल का कार्यालय

दिनांक 6 जुलाई 1973

निदेश सं० सब-रनि/भोपाल/12-1-73 यतः मुझे,  
व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
4-156GI/73

का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भकान नं० 32 है, जो सिन्धी कालोनी, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के किये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रभुदास पुल भोटूमल मार्फत प्रभुदास एंड संस गल्ले के व्यापारी अनुभागों भोपाल (अन्तरक)
2. श्रीमती रेखा धर्मपत्नी किसन चन्द देशी शराब विक्रेता पीरगेट, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 32, तीन मंजिला बिल्डिंग सिन्धी कालोनी भोपाल।

हस्ताक्षर अपठनीय

सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 6-7-1973 महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर : अर्जन रेंज, भोपाल।

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज चण्डीगढ़ का कार्यालय

156/9—बी कैम्प फरीदाबाद

दिनांक 10 जुलाई 1973

निर्देश सं० एफ०डी०बी०/9/72-73 यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मकान नं० 15, डी-II टाइप है, जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक से (अन्तरकों)

और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्री ए० एस० हाकिम पुत्र श्री एम० एच० हाकिम  
वाई०एम०सी०ए०, फरीदाबाद (अन्तरक)
2. श्री नरिन्दर सिंह सौखी पुत्र जगत सिंह डी-4, नेबर हुड  
2 टाउन शिप, फरीदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 15, डी-II टाईप, फरीदाबाद

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

कैम्प फरीदाबाद

तारीख : 10-7-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,

अर्जन रेंज 156-9-बी चण्डीगढ़

कार्यालय कैम्प, रोहतक

दिनांक 4-7-73

निदेश सं० आर० टी० के०/21/3/73-74—यन, मुझे जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी०-4, 96, 97 शास्त्र रोड, रोहतक है, जो रोहतक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर के (अन्तरको) और अन्तरिती (अतिरिक्तियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चुनी लाल पुत्र दीन दयाल रेलवे रोड रोहतक (अन्तरक) सूरतसिंह पुत्र राम सरूप (अन्तरिती)

(i) सतपाल पुत्र सूबे सिंह

(ii) चुनी लाल पुत्र जौत राम

(iii) दलीप सिंह पुत्र रूप चन्द

(iv) धर्मपाल पुत्र सूरत सिंह नजदीक मुभाष टाकीज रोहतक ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

प्रापटी नं० बी०-4, 96, 97 शास्त्र रोड, रोहतक ।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

कैम्प रोहतक

तारीख : 4-7-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

156/9-बी, कैम्प रोहतक

तारीख 4-7-73

निर्देश सं० क्यू०टी०के०/333/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये को अधिक है और जिसकी दुकान रेलवे रोड पर है, जो रोहतक में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी, 1973 को पूर्वांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर के (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जानकी प्रसाद पुत्र रतन लाल रेलवे रोड, रोहतक (अन्तरक)

2. प्रेम चन्द पुत्र बिच्चा लाल रेलवे रोड, रोहतक (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान रेलवे रोड, रोहतक

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

कैम्प रोहतक

तारीख : 4-7-73

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कार्यालय

156/9-बी० कैम्प रोहतक

तारीख 4-7-73

निर्देश सं० आर०टी०के०/334/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 35 न्यू अनाज मंडी है, जो रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी, 1973 को पूर्वा-चित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भीम सैन पुत्र पीरू मल
  - ii शिवनारायण पुत्र पीरूराम
  - iii लच्छी राम पुत्र शिव नारायण
- गांव सम्पला मंडी त० ब जिला रोहतक
2. भागीरथी देवी धर्मपत्नी दीप चन्द

(अन्तरक)

विमला देवी धर्म पत्नी परस राम

सुमित्रा देवी धर्म पत्नी बरामा नन्द

(अन्तरिती)

सुमानु, त० गोहाना

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

दुकान नं० 35 न्यू अनाज मंडी रोहतक ।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

कैम्प रोहतक

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

का कार्यालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

156/9-बी० कैम्प गुडगांव

चन्डीगढ़ दिनांक 6 जुलाई 1973

निदेश सं० क्यू आर० जी०/342/73-74—यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ आयकर आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह

विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये अधिक है और जिसकी सं० बुकान नं० बी०-II-1347 है, जो (सौदरन शाप) सदर बाजार, गुड़गावां, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, गुड़गावां में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1973 को पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाधिकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सागर चन्द मतवना पुत्र शिबू मल महाजन अन्तरक जैकम्पुरा, नजदीक सदर बाजार, गुड़गावां
2. श्रीमती गनेशी बाई धर्मपन्नी बछशी राम, हलवाई सदर बाजार, गुड़गावां। (अन्तरिती)
3. श्रीराजेन्द्र प्रकाश मार्फत राजन स्टोर्ज, सदर बाजार, गुड़गावां
4. श्री गंगा जीवन पुष छितर मल गुड़गावां,

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना

की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० बी-II-1347, सदर बाजार गुड़गावां छावनी।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज चण्डीगढ़ कैम्प गुड़गावां

तारीख : 6-7-73

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर, आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

156/9 B कैम्प गुड़गावां

चण्डीगढ़, दिनांक 6 जुलाई 1973

निदेश सं० क्यू० आर० जी० 0/343/73-74—यतः ,

मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० (दुकान नं० बी०-II-1347 सदर बाजार गुड़गावां, (सौदरन शाप) है, जो गुड़गावां में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण

रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गावा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1973 को पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाधिकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफलस्वरूप ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर के (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् सागर चन्द मुतबना पुत्र शिव मल महाजन जैकमपुरा नजदीक सदर बाजार गुड़गावा

(अन्तरक)

(2) श्रीमति लाजो बाई धर्मपरीनी कौरा राम मार्फत बखशा राम कौरा राम, सदर बाजार गुड़गावा

(अन्तरिती)

(3) श्री राम चन्द मारफत गुलाटी सिल्क सटोरज सदर बाजार, गुड़गावा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

(4) श्री गंगा जीवन पुत्र छिस्तर मल, गुड़गावा  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिससे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं० बी०-II-1347, सदर बाजार गुड़गावा

जी० पी० सिंह,

सहम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन चण्डीगढ़

कैम्प गुड़गावा

तारीख 6 जुलाई 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय निरीक्षण अर्जन,

रेंज-I, चण्डीगढ़

156/9-बी कैम्प गुड़गावा

दिनांक 6 जुलाई 1973

निदेश सं० जी० आर० जी०/443/73-74—यतः

मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सहम प्राधि-

कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० को अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 170-ए० न्यू कालोनी है, जो गुडगावा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगावा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च 1973 को पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाधिकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अमसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डा० एम० एम० चावला, पुत्र राम लाल सैलफ और जैनरल आटार्नी ऑन बीहाफ आफ श्रीमती कमला श्रीमती बीना बहनें एवं श्रीमती धनदेवी चितरंजन त० आसनसोल जिला बरदवान।

(अन्तरक)

(2) श्री हेम राज पुत्र देस राज मकान नं० 170-ए० न्यू कालोनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

मकान नं० 170-ए० न्यू कालोनी गुडगावा।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

कैम्प गुडगावा

तारीख 6-7-73

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कार्यालय चण्डीगढ़

156/9-बी० कैम्प रोहतक

दिनांक 4 जुलाई 1973

निदेश सं० आर० टी० के०/447/73-74—यतः मुझे श्री जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह



विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 454, वार्ड नं० 2, तेज कालोनी है, जो रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी 1973 को पूर्वाञ्चित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री राम नाथ पुत्र साहू दिता मल निवासी काहनौर तहसील व जिला रोहतक। (अन्तरक)
- (2) श्री बाल मुकन्द पुत्र कांशी राम (ii) मनोहर लाल पुत्र कांशी राम निवासी काहनौर तहसील व जिला रोहतक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 454, वार्ड नं० 2, तेज कालोनी, रोहतक।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

कैम्प रोहतक

तारीख: 4-7-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156/9-बी० कैम्प रोहतक

दिनांक 4 जुलाई 1973

निर्देश सं० आर० टी०के०/448/73-74— यतः, मुझे, जी पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका क्वार्टर नं० 68-L माडल टाऊन, रोहतक है, जो रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 फरवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख

के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दीवान चन्द पुत्र ऐषी राम, रोहतक (श्राजकल मेनपुरी, यू० पी०)। (अन्तरक)

(2) श्री प्रेम चन्द पुत्र जय लाल गुडा, तः ब्राह्मर, जिला रोहतक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

क्वार्टर नं० 68-L, माडल टाऊन, रोहतक।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

कैम्प रोहतक

तारीख : 4-7-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक 11 जुलाई 1973

निर्देश सं०आई०ए० सी०/एक्यू०/ए(7)/14/(333)/73-74 यतः, नृक्षे, पी० के० शर्मा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 42ए/28 (आधा भाग) है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्वरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-2-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन

कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. सोम नाथ नागपाल, पुत्र श्री रूप चन्द नागपाल 308/9 शाहजादा बाग, पुराना रोहतक रोड, नई दिल्ली।

श्री सुरेश कुमार कक्कड़ पुत्र स्व० श्री दरगाही दास निवासी 59/13 न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय चुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग फ्री होल्ड प्लॉट नं० 42-ए/78 क्लास ए पंजाबी बाग, नई दिल्ली, जिसका क्षेत्रफल 2072.22 वर्ग गज है तथा जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :-

उत्तर—रोड नं० 78

दक्षिण—सर्विस लेन

पूर्व—प्लॉट नं० 42

पश्चिम—प्लॉट नं० 44

पी० के० शरन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

दिनांक 11 जुलाई, 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

तारीख 11 जुलाई, 1973

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/ए(7)/8(21)/72-73—  
यतः, मुझे पी० के० शरन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 42-ए/78 (1/2 भाग) है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-2-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री सुन्दर लाल नागपाल पुत्र श्री रूप चन्द नागपाल, 308/9, शाहजादा बाग, रोहतक रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार कक्कड़ पुत्र स्व० श्री दरगाही दास, 59/13, न्यू रोहतक रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग फ्री होल्ड प्लॉट नं० 425/78 क्लास ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 2072.22 वर्ग गज है तथा जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर—रोड़ नं० 78

दक्षिण—सर्विस लेन

पूर्व—प्लॉट नं० 42

पश्चिम—प्लॉट नं० 44

पी० के० शर्मा,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख 11 जुलाई, 1973।

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक आयुक्त आयकर,  
अर्जन रेंज, कमला भवन,  
भगवानदास रोड़ जयपुर।

जयपुर, दिनांक 3 जुलाई, 1973

सं० जे-3/73(1)/99/143—यतः मुझे बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पीलवा हाउस का भाग है जो हल्दियों का रास्ता, जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, जनवरी 28 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ठाकुर गुलाब सिंह पुत्र ठाकुर भर सिंह,
  2. कुंवर विजय सिंह पुत्र ठाकुर गुलाब सिंह,
  3. ठाकुर मनोहर सिंह पुत्र भूर सिंह,
  4. कुंवर भवानी सिंह पुत्र मनोहर सिंह,
  5. ठाकुर उम्मेद सिंह पुत्र भूर सिंह,
  6. कुंवर उदय सिंह पुत्र उम्मेद सिंह, नाबालिग
  7. कुंवर अजीत सिंह पुत्र उम्मेद सिंह, नाबालिग
  8. कुंवर सूर्यप्रताप सिंह पुत्र उम्मेद सिंह, नाबालिग
  9. ठाकुर करण सिंह पुत्र भूर सिंह, नाबालिग
  10. कुंवर अजय सिंह नाबालिग पुत्र करण सिंह,  
निवास पीलवा गार्डन, मोती झूंगरी रोड, जयपुर।
- (अन्तरक)

2. श्री पदम चन्द पुत्र श्री नारायण दास ओसवाल, परतानियों का रास्ता, श्री विसवेश्वर, जयपुर। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पीलवा हाउस का हिस्सा लगभग 800 वर्ग गज जिसमें से 200 वर्ग गज बना हुआ एवं 600 वर्ग गज खुला हुआ भाग, जो हल्दियों के रास्ते के आवासीय क्षेत्र में स्थित है।

वी० पी० मिस्तल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 9 जुलाई, 1973

निर्देश सं०-III-3/अर्जन/73-74—अतः मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या... है (और जिसकी संख्या... है, जो जुईसदा, थाना बाघमारा, जि० धनबाद में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि में पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-1-73 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के

अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० एस० पी० चंचनी क० प्रा० लिमिटेड, सिडुली, थाना आनेडल, जि० वर्दमान। (अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० इस्ट सिडोह माइनिंग सिडिकेट प्रा० लि०, झरिया, जि० धनबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति, को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन क्षेत्र 125 बीघा (कोल क्षेत्र) मीया, जुसले थाना बाघमारा, जि० धनबाद।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

तारीख : 9 जुलाई, 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 9 जुलाई 1973

निर्देश सं०-III-4/अर्जन/73-74—अतः मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-ख के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या खाता 45, 86 आदि एवम् प्लॉट नं० 1365, 1445, 1439 आदि है (और जिसकी संख्या... है जो चारकापी महमूद रफीगंज जि० औरंगाबाद में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि में पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय औरंगाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुधामा लोहार, पिता श्री सुखलाल लोहार ग्राम चारकापी महमूद, महाराजगंज टोला, औरंगाबाद। (अन्तरक)

(2) श्री रामबिलास सिंह, पिता शिवरतन सिंह सा० चारकापी, थाना रफीगंज, जि० औरंगाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का क्षेत्र 8.56 एकड़, .04 बी० खाता नं० 47, 45, 190 प्लॉट नं० 1365, 1445, 1439, 1786, 1424, 1426, 1312, 1439, 593 चारकापी महमूद पर, थाना रफीगंज, जिला औरंगाबाद (बिहार)।

ज्योतीन्द्रनाथ  
सक्षम पदाधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

तारीख 9 जुलाई, 1973।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 9 जुलाई 1973

निर्देश सं० III-5/अर्जन/73-74—अतः मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या खाता नं० 91, है (और जिसकी संख्या प्लॉट सं० 41, वार्ड नं० 7 हो० नं० 44/48 है, जो दुर्गापुर, कटिहार में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कटिहार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-1-73 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चौथमल पोद्दार, पिता श्री शिव नारायणमरम् श्री विजय कुमार पोद्दार, पिता श्री चौथमल पोद्दार, सा० अमरन टोला थाना पो०-कटिहार, जिला-पूर्णिया (अन्तरक)

(2) श्री दामोदर प्रसाद अग्रवाल, पिता लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, सा० बारा बाजार, कटिहार जिला-पूर्णिया। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से तीस दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का क्षेत्र-1 कट्टा, 13 धूर, खाता नं० 91, प्लॉट नं० 41 बाई नं० 7, हो० नं० 44/48 हुगपुर, कटिहार।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम पदाधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 9-7-63

मुहर :

प्ररूप आई टी०एन०एस०.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 9 जुलाई 1973

निर्देश संख्या-III-6 अर्जन/73-74--अतः मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपया से अधिक है और जिसकी संख्या खाता नं० 1117 प्लॉट नं० 2439 हो० नं० 504 है (और जिसकी संख्या... है, जो इस्लामपुर, मुजफ्फरपुर में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री देवी सांह पिता बहउरी साह मो० इस्लामपुर, जिला-मुजफ्फरपुर (अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र सांह पिता नारायण साह मो० इस्लामपुर, मुजफ्फरपुर। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;



(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 'क' में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पुराना पक्का मकान, क्षेत्र इस्लामपुर, मुजफ्फरपुर टाऊन खाता नं० 1117 प्लॉट नं० 2439/हो० नं० 520 पुराना 504 नया।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम पदाधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 9-7-73

मोहर :

प्ररूप आई टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 9 जुलाई 1973

निर्देश संख्या-III-7 अर्जन/73-74—अतः मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपया से अधिक है और जिसकी संख्या हो० नं० 80 वार्ड नं० 39 प्लॉट नं० 29861 और 29863 है (और जिसकी संख्या..... है, जो बलभद्रपुर सहरिया सराय, दरभंगा में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दरभंगा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से 6—156GI/73

कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वासुदेव पंजीयार पिस रामेश्वर पंजीयार मो० गोविन्दपुर मासपुर साहेबगंज बेला लहेरिया सराय दरभंगा।  
(अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण महासेठ मिस अशर्फी महासेठ मो० बाकरगंज, लहेरिया सराय दरभंगा।  
(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये

जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 'क' में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन 6 कट्टा 10 घुर और एक पुराना मकान, प्लोन्थ ऐरिया 14 घुर हो० नं० 80 वाई नं० 39, प्लाट नं० 29861, 29863 बलभद्रपुर दरभंगा।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम पदाधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 9-7-73

मोहर :

प्ररूप आई टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 9 जुलाई 1973

निर्देश संख्या-III-9 अर्जन/73-74—अतः मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपया से अधिक है और जिसकी संख्या खाता नं० 417/233 प्लाट नं० 294/251, 219/214 आदि है (और जिसकी संख्या है, जो सउदी पी० एस० कोईलवर जिला भोजपुर में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269'घ' की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश प्रसाद सिंह पिताहीन नारायण प्रसाद सिंह मो० सोनघाट पो० सउदी, जिला भोजपुर, पी० एस० कोईलवर।  
(अन्तरक)

(2) श्री हरिनन्दन सिंह पिता मोद नारायण सिंह मो० पो० सोरी पी० एस० कोईलवर जिला भोजपुर  
(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 'क' में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन ऐरिया—2.47 एकड़, खाता नं० 417/233, प्लॉट नं० 294/251, 219/214, 220/214, 165/199-200, 159/201, 160/201 186/126, 152/149, ग्राम सोउडी (पो०) थाना, को इस्मर जिला, भोजपुर

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम पदाधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 9-7-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269(1) के अधीन सूचना ।

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक 9 जुलाई 1973

निर्देश सं० III-11/अर्जन/73-74—अतः मुझे, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपया से अधिक है और जिसकी संख्या थाना नं० 315, खाता नं० 54, प्लॉट नं० 89, 106 और 108 है (और जिसकी संख्या . . . . है, जो पधरा, पी० एस० शेरधारी, गया में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गया में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 73 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'घ' की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कपिलदेव प्रसाद पिता चन्द्रिका प्रसाद भौ० याहकारा अयारो, पी०एस० शेरघाटी, जिला गया । (अन्तरक)
- (2) श्री बीजन साह पिता सजीवन साह भौ० गेवाल गंज, पी० एस० इमामगंज, जिला गया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर संपत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा संपत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 'क' में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

जमीन ऐरिया 5.31 एकड़, खाना नं० 315, खाता नं० 54, प्लॉट नं० 89, 106 और 108 मो० पथरा, पी० एस० शेरघाटी, गया ।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम पदाधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर : अर्जन रेंज, बिहार, पटना

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना  
दिनांक 9 जुलाई 1973

निर्देश सं० III-12-अर्जन/73-74--अतः, मुझे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 'ख' के अधीन सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या खाता नं० 371, प्लॉट नं० 210/2559, 2960/2948/1 है (और जिसकी सं०.... है जो मो० उज्जैन, लोहिर, पी० एस० हरसीडीह जिला चम्पारण में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोतिहारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-73 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख में अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269'घ' की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री प्रमोद कुमार वर्मा पिता रामधारी प्रसाद, मो० उज्जैन, लोहिर, पी० एस० हरसीडीह जिला चम्पारण । (अन्तरक)
- (2) (i) श्रीमती शिवकली देवी पत्नी रामनारायण भगत  
(ii) श्रीमती शिया देवी पत्नी रामेश्वर भगत  
मो० उज्जैन, लोहिर पी० एस० हरसीडीह, जिला चम्पारण । (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) अध्याय 20'क' में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

जमीन ऐरिया, 5 बीघा मो० उज्जैन, लोहियार पी० एस० हरसीडीह जिला-चम्पारण खाता नं० 371, प्लॉट नं० 210/2559, 2960/1, 2948/1

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम पदाधिकारी  
मोहर : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

प्ररूप आई० टी० एन० एस०....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

....कार्यालय

दिनांक 7 जुलाई 1973

निर्देश सं० 7/73-74/एच० एच०—यतः, मुझे, आर० पार्थसारथी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 240 है, जो चौथा वार्ड, पटेल नगर, होसपेट, जिला बल्लारि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के (प्रमाणित पत्र सं० 1846/72-73 कार्यालय होसपेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 जनवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों, को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पि० भीमसेनप्पा सैट्टी, (अन्तरक)  
आनन्द आइल मिल्स, होसपेट,  
जिला बल्लारि।

(2) श्री एम० लक्ष्मी नारायण सेट्टी (अन्तरिती)  
मेसर्स कृष्णा ट्रेडिंग कं०, होसपेट,  
जिला बल्लारि।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति को दी जायगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सुमार 40' × 60' मापन का एक घर, सुमार 100' × 60' मापन का प्लॉट में खड़ा है। ये घर होसपेट सिटी मुनिसीपालिटी का चौथा वार्ड में स्थित है।

विवरण :

उत्तर में : इजारी भाकप्पा का घर है।

दक्षिण में : हि० एच० एम० गुरुशंकरया का घर है।

पूर्व में : रास्ता।

पश्चिम में : कोलूर हनुमंतचार का घर है।

आर० पार्थसारथी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 7 जुलाई 1973

अर्जन रेंज, हुबलि

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०....

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

.....कार्यालय

दिनांक 8 जुलाई 1973

निर्देश सं० 7/73-74/एच० एच०—यतः, मुझे, आर० पार्थसारथि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी घर सं० 10 है, जो मेन बाजार, होसपेट, जिला बल्लारि में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होसपेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) (प्रमाणित पत्र सं० 1892/72-73) के अधीन 11 जनवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (a) श्री बि० एम० अब्दुल मत्तार साब, (अन्तरक) बिन, अब्दुल खादर, भाडेवाला, कडलपेट, होसपेट, जि० बल्लारि

(b) श्री बि० एस० करीम साब बिन अब्दुल खादर, भाडेवाला, कडलपेट, होसपेट, जि० बल्लारि

- (2) श्री हराकृष्ण मोहनलाल पुरोहित, (अन्तरिती) मेसरस, गीता लक्ष्मी हाल, होसपेट, बल्लारि, जिला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सुमार 15' × 40' मापन का एक दुकान, बल्लारि जिला का, होसपेट, शहर मुनिसीपालिटी का वार्ड सं० नौ (9) में स्थित है। दुकान का दरवाजा सं० 10 है।

आर० पार्थसारथि  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 7 जुलाई 1973  
मोहर :

अर्जन रेंज, हुबलि

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय

दिनांक 9 जुलाई 1973

निदेश सं० 8/73-74/एच० एम्स०—यतः, मुझे आर० पार्थसारथि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सि० टि० एस० सं० 122/97 है, जो बार्ड सं० 3, हुबलि शहर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबलि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (प्रमाणित पत्र सं० 3091) 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 जनवरी 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वीरप्पा लिंगप्पा शिंग्गांव हुबलि । (अन्तरक)
2. (a) श्री राम नाथसा परशुरामसा हबिब, हुबलि ।  
(b) श्री गणपलसा परशुरामसा हबिब, हुबलि ।

(c) श्री पांडुरंगसा परशुरामसा हबिब, हुबलि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

अजमास 948 वर्ग यार्ड का एक त्रिकोणाकार का खुला, प्लॉट, न्यूव काटन मार्केट, बार्ड सं० 3 में स्थित है । ये जागा नाशनल हायवे, हुबलि शहर में स्थित है । इसका सि० टि० एस० सं० 122/97 है ।

विवरण :

पूर्व में : 122/98 सि० टि० एस० सिद्धालिंगप्पा कुवलि का निवेशन ।

पश्चिम में : सरकारी रास्ता

उत्तर में : सरकारी रास्ता ।

दक्षिण में : आर० एस० सं० 80 भाग खाली जागा ।

आर० पार्थसारथि  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज हुबलि ।

तारीख : 9-7-73 ।

मोहर :

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

-----कार्यालय

दिनांक 9 जुलाई 1973

निदेश सं० 9/73-74/ए० ए० ए०—यतः मुझे आर० पार्थसारथि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० (अनुसूची में दिया है) जो दत्तात्रय पीठ ग्राम, जगर हुबलि चिक्कमगलूर तालुक, चिक्कमगलूर जिला में स्थित है (और इस से उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कमगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 जनवरी, 1973 को (प्रमाणित पत्र सं० 2018/72-73) पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-का के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बि० सैयद इस्माइल बिन स्वर्गीय श्री बि० सैयद अहमद साब काफी प्लांटर, रत्नगिरी, रोड, चिक्कमगलूर ।  
(अन्तरक)

2. श्री बि० पिटी बिन डि० एम० पिटी, ए० ई० आर पिटी, बिन बि० पिटी के जनरल पावर आफ अटोनी होल्डल निउगोडे, एस्टेट, पोस्ट भगलूर, चिक्कमगलूर तालुक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

चिक्कमगलूर जिल्हा चिक्कमगलूर तालुक के जागर होबलि, इनाम दत्तात्रय पीठ ग्राम में काफी एस्टेट स्थित है । इसका विवरण नीचे दिया है ।

| सं० | सर्वे सं० | मादरी | एकरे-गुंटे |
|-----|-----------|-------|------------|
| 1   | 2         | 3     | 4          |
| 1   | 234       | काफी  | 3—13       |
| 2   | 235       | ”     | 10—05      |
| 3   | 236       | ”     | 2—17       |
| 4   | 237       | ”     | 3—37       |
| 5   | 238       | ”     | 23—25      |
| 6   | 239       | ”     | 52—14      |
| 7   | 40        | ”     | 0—26       |
| 8   | 241       | ”     | 1—32       |
| 9   | 242       | ”     | 2—20       |



| 1      | 2   | 3    | 4     |
|--------|-----|------|-------|
| 10     | 243 | काफी | 20—06 |
| 11     | 247 | "    | 0—16  |
| 12     | 256 | "    | 4—04  |
| 13     | 261 | "    | 13—13 |
| 14     | 262 | "    | 6—02  |
| 15     | 263 | "    | 5—33  |
| 16     | 265 | "    | 0—37  |
| 17     | 268 | "    | 7—30  |
| 159—10 |     |      |       |

आर० पार्षसारति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
तारीख: 9 जुलाई, 1973  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय

दिनांक 9 जुलाई 1973

निर्देश सं० 10/73-74/एच० एच०—यतः, मुझे आर० पार्षसारति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० (अनुसूची में दिया है) है, जो कोलगावे ग्राम, जागर होबलि, चिक्कमगलूर तालुक, चिक्कमगलूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कमगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 जनवरी, 1973 (प्रमाणित पत्र सं० 2019) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थात् 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बि० सैयद इस्माइल बिन खर्गीय श्री बि० सैयद अहमद साब, काफी प्लाटर, रत्नगिरि रोड, चिक्कमगलूर (अन्तरक)
2. श्री ए० ई० आर० पिटो, बि० बि० पिटो के जनरल पावर आफ अटार्नी होल्डर, बि० पिटो बिन डि० एम० पिटो निडगोडे एस्टेट, पोस्ट मल्लंदूर, चिक्कमगलूर, तालुक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जावेगी।

एतद्वारा जाने यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती धारा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिवक्ता होगा।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थात् 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

चिक्कमगलूर जिला के जागर होबलि, कोलगावे ग्राम में काफी एस्टेट स्थित है। इसका विवरण नीचे दिया है :—

| सं०              | सर्वे सं० | मादरी जमीन | एकरे—गुंटे |
|------------------|-----------|------------|------------|
| 1                | 258       | काफी       | 0—25       |
| 2                | 259       | "          | 1—38       |
| 3                | 260       | "          | 5—08       |
| 4                | 261       | "          | 6—27       |
| 5                | 262       | "          | 28—01      |
| (पुराना सं० 396) |           |            |            |
|                  |           |            | 42—19      |

ग्रा० पार्थसारथि  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
तारीख : 9 जुलाई 1973  
मोहर : अर्जन रेंज, हुबलि

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय

दिनांक 10 जुलाई 1973

निर्देश सं० 103/72-73—यतः, मुझे, रा० रागवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 26, वार्ड-16, ईरोड है, जो कामराज रोड, में स्थित है (और इससे उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 241-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती विशालाक्षी अम्माल (अन्तरक)
- (2) श्री राम० कांछना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

डोर सं० 26, बार्ड सं० 16, कामराज रोड, ईरोड में एक मकान ।

ए० राघवेन्द्रा राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज,  
मद्रास

तारीख : 10-7-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, II

123, माउन्ट रोड, मद्रास 600006.

दिनांक 9 जुलाई 1973

निर्देश सं० 124/72-73—यतः, मुझे, ए० राघवेन्द्रा राव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 29, फोर्ट स्टेशन रोड, तिल्लैनगर, तिरुच्चिरापल्ली, जो (तमिलनाडु) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुच्चिरापल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1971 (1971 की 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- |                                 |            |
|---------------------------------|------------|
| (1) श्री एम० सी० लक्ष्मी अम्माल | (अन्तरक)   |
| (2) श्रीमती राजाबाल             | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

म्युनिसिपल डोर सं० 29, पुराना टी० एस० सं० 75/6 (भाग) और 76 (भाग) नया टी० एस० सं० 97, प्लाट सं० 104, फोर्ट स्टेशन रोड, पुराना बार्ड सं० 3, नया बार्ड सं० डी० न्साक सं० 4, तिल्लैनगर, पेरन्ट कालोनी, तिरुच्चिरापल्ली, तालुक, तिरुच्चिरापल्ली जिला में एक मकान काली भूमी, पेड, कुआं आदि हैं—3725 स्कोयर फीट।

ए० राघवेन्द्रा राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, II मद्रास

तारीख : 9-7-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज II

123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

दिनांक 10 जुलाई 1973

निर्देश सं० 157/72-73—यतः, मुत्ते, ए० राघवेन्द्रा राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 47-अ और  
48, ब्रीक किल्ल रोड, मद्रास-7, आर० एस० सं० 3058 और  
3173/16, पुरसवाक्कम में स्थित है (और इससे उपाय में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय पुरसवाक्कम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 4-1-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा,  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रा० जबहर पलनियप्पम (अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुदम प्रिटर्न प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-  
द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अगोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये  
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथा-परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(अ) डोर सं० 43-अ, 48, ब्रीक किल्ल रोड, पुरसवाक्कम में  
मकान और काली भूमि।

(आ) आर० एस० सं० 3058, ब्रीक किल्ल रोड, ओट्टेरी,  
पुरसवाक्कम में ज़ाबल की भूमि।

(इ) आर० एस० सं० 3173/16 (भाग) में उन्नीस  
ग्राउन्ड्स की भूमि।

ए० राघवेन्द्रा राय,  
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 10-7-1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर : अर्जन रेंज, II मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1)  
के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय अ०ई०-4  
आयकर भवन, महार्णव कर्बे मार्ग,

बम्बई-400020, दिनांक 27 जून 1973

निवेस सं० अ० सं० 35/जि० सं० आ० अ० ई०-4/73-74—  
यतः, मुत्ते, ग० लो० राव० नि० अ० ब० ई०-4 बम्बई आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के

अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० ई०-16 और ई०-18 सर्वे सं० 41 है, जो गांव ओशिरा, जोगेश्वरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-1-1973 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल क लिए रजिस्ट्रीकृत विलख के अनन्तर अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल की पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री वैरामजी जीजीभोय प्रा० लि० अलाइस बिल्डिंग डा० डी० एन्० रोड बम्बई-1
2. श्रीमती विनतीबेन क० पटेल 99, जवाहर नगर, गोरेगाव (म०) बम्बई-62।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी

अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

बम्बई उपनगर जिले के, बान्द्रा रजिस्ट्री उप जिले में बरखोबा के पास गांव ओशिवरो के, औद्योगिक क्षेत्र के, सर्वेक्षण नक्शा सं० 41, ब्लॉक ई० के, प्लॉट ई-16, जिसकी माप 2242.50 वर्गमीटर और प्लॉट ई-18, जिसकी माप 1417.50 वर्ग मीटर है।

ग० सो० राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज IV बम्बई।

तारीख : 27-6-1973  
मोहर।

**संघ लोक सेवा आयोग**

**नोटिस**

**अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1974**

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1973

सं० एफ० 18/1/73 ई० I (बी०)—भारत के राजपत्र दिनांक 21 जुलाई, 1973, में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार रेल सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की “चयन सूची” में सम्मिलित करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा दिल्ली में 8 जनवरी, 1974, में एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग, यदि चाहें तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्र तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें कहां, किस समय और किन तारीखों को उपस्थित होना है।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु चयन किए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या 9 होगी। (इसमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित एक रिक्ति तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित एक रिक्ति सम्मिलित है)।

इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंधित पूर्ण विवरण एक रुपया देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए और मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम, साफ बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के कार्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। एक रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 3 सितम्बर, 1973 को या उसके पूर्व उपाबंध-II में उम्मीदवारों को दिए गए अनुदेशों के अनुसार आवश्यक प्रमाण-पत्र आदि के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

नोट:—आवेदन-प्रपत्र की मांग अथवा आवेदन-पत्र देर से भेजने वाले उम्मीदवार अपने दायित्व पर ही ऐसा करेंगे।

5. निर्धारित शुल्क (देखिए उपाबंध I) आवेदन-पत्र के साथ भारतीय पोस्टल आर्डरों के द्वारा भेजा जाना चाहिए।

जिस आवेदन-पत्र के साथ निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर नहीं होंगे, उसे एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह पूर्वी पाकिस्तान से आए हुए उन विस्थापित व्यक्तियों पर जो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद कित्ती 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आए हैं तथा बर्मा और श्रीलंका (भूतपूर्वसंका) से प्रत्यावर्तित उन मूलतः भारतीय व्यक्तियों पर लागू नहीं होता है जो क्रमशः 1 जून 1963 तथा 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रजनन कर भारत आए हैं और उपाबंध I के पैरा 3 के अनुसार निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



और इस प्रकार भरा जाए:—

PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE.

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि पोस्टल आर्डरों को रेखांकित किए बिना या उन पर PAY TO THE SECRET-

ARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE.

लिखे बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। पोस्टल आर्डरों का पूरा व्यौरा आवेदनपत्र के कालम 19 में दर्ज कर देना चाहिए।

6. यदि कोई उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजने के बाद इस परीक्षा से अपनी उम्मीदवारी वापस लेना चाहता है तो उसे इस विषय में अपना लिखित अनुरोध सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेज देना चाहिए ताकि वह उनके पास 8 नवम्बर, 1973, को या उसके पूर्व अवश्य पहुंच जाए। तब इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी तथा उसे उपाबंध I के पैरा 2 में किए गए उल्लेख के अनुसार शुल्क वापस लौटा दिया जाएगा।

उपर्युक्त निर्धारित तारीख के बाद आयोग के कार्यालय में प्राप्त होने वाले उम्मीदवारी वापस लेने से संबंधित किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

7. यदि कोई उम्मीदवार 1973 में सी गई अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा किए बिना निर्धारित तारीख तक अपना आवेदन-पत्र भेज देना चाहिए। यदि 1973 के परीक्षा परिणाम के आधार पर उसे चयन सूची में सम्मिलित कर लिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1974 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबंध I के पैरा 2 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

8. आवेदन-पत्र से संबंधित सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं और उनमें निम्नलिखित व्यौरा दिया जाए :—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) रोल नंबर (यदि उम्मीदवार को सूचित कर दिया गया हो)।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। संघ लोक सेवा आयोग को इस परीक्षा के विषय में लिखे जाने वाले प्रत्येक पत्र और उसके लिफाफे पर उम्मीदवारों को सबसे ऊपर अनिवार्यतः 'अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1974 लिख देना चाहिए।

एम० एस० प्रुथी

उप सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग।

उपाबंध—1

शुल्क

इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को नीचे लिखे शुल्क का भुगतान अवश्य करें :—

रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00)।

यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को देय रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों के द्वारा भुगतान की जानी चाहिए। आयोग किसी अन्य प्रकार में किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा।

2. आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से संबंध किसी भी वाशे को, नोटिस के पैरा 6 और 7 में दी गई व्यवस्थाओं को छोड़कर, स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही उस शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा। किन्तु यदि आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को जिसने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया है, परीक्षा में प्रवेश नहीं देता है अथवा नोटिस के पैरा 6 और 7 के अनुसार वह उसे अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की अनुमति दे देता है तो उसको रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों को रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

3. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और वह 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 24 मार्च, 1972 से पूर्व प्रजनन कर भारत आ गया था या वह वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद प्रजनन कर भारत आया है, या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवंबर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

#### उपाबंध-II

##### उम्मीदवारों को अनुवेश

1. इस नोटिस के पैरा 3 के अनुसार इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़ कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिंदु आदि के द्वारा नहीं। अछूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र संभव है अस्वीकार कर दिया जाए।

नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदनप्रपत्र के कालम 6 में उस भाषा के नाम का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिसमें वे (I) भारत सरकार, सचिवालय तथा संबंधित कार्यालयों में क्रियाविधि तथा कार्य प्रणाली, (II) भारतीय संविधान तथा सरकारी मशीनरी का सामान्य-ज्ञान, संसद से संबंधित कार्यप्रणाली तथा क्रियाविधि और (III) उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट के पैरा 4 के अनुसार सामान्यज्ञान के प्रश्न-पत्रों के उत्तर देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम समझा जाएगा, तथा उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है

तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रश्न-पत्र (प्रश्न-पत्रों) के उत्तर अंग्रेजी में लिखे जाएंगे।

(ii) भरा आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को अपना आवेदन पत्र संबंधित विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा ब्योरा न दें और न ही किसी तथ्य को छिपाएं।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र प्रावि अवश्य भेजने चाहिए।

(I) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर, जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय हों। (देखिए उपाबंध-I)।

(II) आयु का प्रमाण-पत्र

(III) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट-आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।

ऊपर की मद (I), (II) और (III) में दिए गए प्रमाण-पत्र प्रादि का ब्योरा निम्नलिखित है:—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर:—

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए सभी पोस्टल आर्डर रेखांकित किए जाएं और इस प्रकार भरे जाएं:—

PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE.

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्व-विद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मेट्रिक-पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्स्ट्रेक्ट) में दर्ज की गई हो। अनुदेशों के इस भाग में आए “मेट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र” के अंतर्गत इन सभी वैकल्पिक प्रमाण-पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

इस प्रकार उम्मीदवारों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आयु के प्रमाण के रूप में मैट्रिकुलेशन का प्रमाण-पत्र हर हालत में भेजना आवश्यक है और आवेदन-पत्र के साथ आयु के प्रमाण को अनिवार्यतः उसकी मूल प्रति, एक प्रतिलिपि के साथ, भेजी जानी चाहिए।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र के अतिरिक्त उस संस्था के डैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाणपत्र की मूल प्रति, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, भेजनी चाहिए जहाँ से उमने मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो, इस प्रमाण-पत्र में उम संस्था के वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र में दी गई आयु से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

**नोट 1:—**जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे इस प्रमाण-पत्र की मूल प्रति के साथ केवल आयु से संबंधित प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

**नोट 2:—**उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

**नोट 3:—**जिन विस्थापित लोगों के मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र की मूल प्रति पाकिस्तान में खो गई हो, उन्हें संबंधित विश्वविद्यालय से उसकी अनुलिपि मंगवा लेनी चाहिए। यदि वे संबंधित विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र की अनुलिपि न मंगवा सकते हों उन्हें विश्वविद्यालय के उस गजट का उद्धरण भेजना चाहिए जिसमें उनके परीक्षा परिणाम प्रकाशित हुए हों। उम उद्धरण में जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए और यह रजिस्ट्रार या डैडमास्टर द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए।

**नोट 4:—**जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी नौकरी में हैं, उनकी सेवापुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख के प्रमाणस्वरूप स्वीकार किया जा सकता है।

(iii) **फोटों की दो प्रतियाँ:—**उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। उनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नक्की कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्वाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 4 (II) और 4(III) में उल्लिखित प्रमाण पत्र आदि में से कोई एक न लगा होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में वे कभी भी कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर-बदल करें, न ही फेर-बदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में प्रलप से स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, नीचे इंगित जिला अधिकारी या उपमण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जिसे संबंधित राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, प्रस्तुत करना चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पक्षों पर नियुक्त किए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_ सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_ जो गांव/कस्बा\* \_\_\_\_\_ जिला/मंडल\* \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_ राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र \_\_\_\_\_  
 के/की\* निवासी हैं \_\_\_\_\_ जाति/आदिम  
 जाति के/की\* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनु-  
 सूचित आदिम\* जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—  
 बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम  
 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम  
 जातियों की सूचियां  
 (संशोधन) आदेश, 1956\*

संविधान (अम्बू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,  
 1956.\*



संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जातियाँ आदेश, 1959.\*

संविधान (वाकरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962.\*

संविधान (वाकरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियाँ आदेश, 1962.\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964.\*

संविधान (अनुसूचित आदिम जातियाँ उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967.\*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968.\*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित आदिम जातियाँ आदेश, 1968.\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जातियाँ आदेश, 1970.\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*

और/या\* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा\*

जिला/मंडल\*

राज्य/संघ राज्य\* क्षेत्र ————— में रहते/रहती\* हैं।

हस्ताक्षर —————

\*\*पद नाम —————

(कार्यालय की मोहर)

स्थान —————

तारीख —————

राज्य\*

संघ राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां "आम तौर से रहते/रहती हैं" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ़ दि पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्चपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

8-156GI/73

† (प्रथम श्रेणी के स्टार्चपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)

(ii) चीफ़ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ़ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रिंसिपल मैजिस्ट्रेट।

(iii) रैबन्यू अफ़सर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफ़सर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफ़सर (लकाबिव तथा मिनिक्वाय द्वीप-समूह)।

7. (i) उपाबंध I के पैरा 3 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी-पाकिस्तान से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भारत आया है:—

(1) वंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैंप कमान्डेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफ़सर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राज-पत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) उपाबंध-I के पैरा 3 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिया गया इस आशय का मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवंबर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) उपाबंध-I के पैरा 3 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को

भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिया गया मूल पहिचान प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिया गया एक प्रमाण-पत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा ससद् या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 4 (1) और/या नियम 4 (2) (ख) के नीचे दिए गए नोट के अनुसार इस परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता का दावा करने वाले उम्मीदवार को अपने आवेदन-प्रपत्र के साथ रक्षा मंत्रालय से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र उसकी एक प्रतिलिपि के साथ यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि उसने 26 अक्टूबर, 1962, के बाद सशस्त्र सेनाओं में सेवा आरम्भ की थी। इस प्रमाण-पत्र में सशस्त्र सेनाओं में उसके सेवा आरम्भ करने की वास्तविक तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं से उसके प्रत्यावर्तन की तारीख लिखी होनी चाहिए।

(v) नियम 4 (2) (ग) की मद (ii) अथवा (iii) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी-पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी-पाकिस्तान से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भारत आया है :—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपन ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(vi) नियम 4 (2) (ग) की मद (iv) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिंसिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फ्रेंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(vii) नियम 4 (2) (ग) की मद (v) अथवा मद (vi) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से

प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय उम्मीदवार को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

(viii) नियम 4 (2) (ग) की मद (vii) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिया गया मूल प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(ix) नियम 4 (2) (ग) की मद (viii) अथवा मद (ix) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय उम्मीदवार को भारतीय राजदूतावास, रंगून, द्वारा जारी किया गया मूल पहिचान प्रमाण-पत्र, उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है। अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिया गया एक प्रमाणपत्र यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है।

(x) नियम 4 (2) (ग) की मद (x) अथवा मद (xi) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिया गया मूलप्रमाण-पत्र उसकी एक प्रतिलिपि के साथ, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_

के रैंक में \_\_\_\_\_ श्री \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त\* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

पद नाम \_\_\_\_\_

तारीख \_\_\_\_\_

\*जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दें।

8. ऊपर के पैरा 4 (ii), 6 और 7 में उल्लिखित मूल प्रमाण-पत्र (उनकी प्रतिलिपियों के साथ) अवश्य भेजे जाने चाहिए। आयोग मूल प्रमाण-पत्रों के बिना इन प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमथित या किसी अन्य प्रकार की प्रतियां स्वीकार नहीं करता।

ऊपर के पैरा 4(ii), 6 और 7 के अनुसार भेजे गए सभी मूल प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना देते समय लौटा दिए जाएंगे। उम्मीदवारों को एसाह दी जाती है कि वे अपने प्रमाण-पत्रों को आयोग के पास भेजने से पहले उनकी अभिप्रमाणित प्रतियां अपने पास रख लें। आयोग आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना भेजने के पूर्व इन प्रमाण-पत्रों को न तो लौटा सकता है और न ही उनकी अभिप्रमाणित प्रतियां भेज सकता है, चाहे उम्मीदवार को उनकी आवश्यकता किसी भी काम के लिए क्यों न हो।

यदि उम्मीदवार ऊपर के पैरा 4(ii), 6 और 7 में उल्लिखित प्रमाण-पत्र को, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई किसी और परीक्षा के संबंध में पहले ही भेज चुका हो, और उन्हें अभी तक उसे लौटाया नहीं गया हो तो उसे अपना आवेदन-पत्र भेजते समय यह बात लिख देनी चाहिए और यदि हो सके तो प्रत्येक प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि भी साथ भेजनी चाहिए। यदि प्रमाण-पत्र आयोग के पास न हों तो, चाहे उम्मीदवार इस आयोग द्वारा ली गई किसी परीक्षा में पहले बैठा हो या नहीं, उसे आवेदन-पत्र के साथ प्रमाण-पत्र भेजने चाहिए। यदि कोई प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ न भेजा जा सके तो आवेदन पत्र में उसे न भेजने का उचित कारण अवश्य लिखा जाना चाहिए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही श्रमिक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से पंद्रह दिन के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा-भत्ता नहीं मिलेगा।

13. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार:—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आवि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

(1) परीक्षा का नाम

(2) परीक्षा का महीना और वर्ष

(3) रोल नंबर (यदि उम्मीदवार को सूचित कर दिया गया हो)

(4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

(5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

नोट : जिनपत्रों आवि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आवि, आवश्यक होने पर, उसको बचले हुए पते पर मिल जायें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्यौरा के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

#### विज्ञापन सं० 29

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1973 को निर्धारित आयु सीमाओं के अंतर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी-पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रजनन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा बताने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें.मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-71 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी-पाकिस्तान से प्रजनन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर, सादे कागज पर

आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भारतीय वृत्तावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 20 अगस्त, 1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार, लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनदिव द्वीपसमूहों में रहने वाले आवेदकों के लिए 3 सितम्बर, 1973) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 12, 13 तथा 14 के पद स्थायी हैं। क्रम-संख्या 11 का पद स्थायी है किन्तु उस पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 4 तथा 8 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके स्थायी हो जाने की संभावना है। क्रम-संख्या 3, 6, 7 तथा 10 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 1, 2, 5 तथा 9 के पद अस्थायी हैं।

क्रम-संख्या 8 का एक-एक पद अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 5 तथा 13 के पद और क्रम-संख्या 2 तथा 14 में से प्रत्येक का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके लिए केवल वे ही आवेदन करें।

क्रम-संख्या 2 का एक पद तथा क्रम-संख्या 8 के दो पद, यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो, उन आपातकालीन आयुक्त/अल्प-कालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित है जिन्हें 1-11-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हों/सैन्य सेवा के कारण हुई विकलांगता के फलस्वरूप अपांग हों/निर्मुक्त होने वाले हों अन्यथा उन्हें अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 6 का पद, यदि ऐसे उपयुक्त उम्मीदवार मिलते हैं तो, अनुसूचित जातियों से संबद्ध उन आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित है जिन्हें 1-11-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हों/सैन्य सेवा के कारण हुई विकलांगता के फलस्वरूप अपांग हों/निर्मुक्त होने वाले हों अन्यथा उसे आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी वर्ग के सामान्य उम्मीदवारों के लिए आरक्षित समझा जाएगा और उनके न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा।

1. राष्ट्रीय लेखा का एक सलाहकार, भारतीय सहयोग निगम, नेपाल, विदेश मंत्रालय। वेतन :— रु० 1300-60-1600 (साथ में नेपाल में प्राप्य विशेष भत्ते)। आयु :—वरीयतः 50 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित/अर्थशास्त्र/वाणिज्य (सांख्यिकी सहित) में द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) सांख्यिकीय कार्य/अन्वेषण/अनुसंधान का दस वर्ष का अनुभव जिसमें अल्प विकसित देशों से संबद्ध राष्ट्रीय आय लेखा

प्राक्कलन तथा आधार सारणियां तैयार करने का कम से कम पांच वर्ष का अनुभव सम्मिलित हो। (iii) राष्ट्रीय लेखा में आधुनिक सांख्यिकीय सिद्धांतों और/या प्रशिक्षण का ज्ञान जिसमें राष्ट्रीय लेखा के प्राक्कलन तथा सांख्यिकीय अंतराल को भरने के लिए अल्प विकसित देशों द्वारा अपनाई गई प्रविधियों तथा रीति विधान का परिचय सम्मिलित हो।

2. पांच आर्थिक अन्वेषक, ग्रेड I योजना आयोग। वेतन :—

रु० 325-15-475-द० रु० 20-575। आयु-सीमा :— 30 वर्ष। योग्यता : अनिवार्य :—आर्थिक शाखा में तीन पदों के लिए :—

(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र या वाणिज्य में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी सरकारी कार्यालय या अनुसंधान संस्थान में वरीयतः रोजगार योजनाओं से संबद्ध आर्थिक अनुसंधान/अन्वेषण का लगभग 2 वर्ष का अनुभव। सांख्यिकी शाखा में दो पदों के लिए : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी, गणित/अर्थशास्त्र (सांख्यिकी के साथ) में "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित/अर्थशास्त्र/सांख्यिकी के विषय सहित डिग्री तथा किसी मान्यताप्राप्त संस्था में कम से कम 2 वर्ष के स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के बाद प्राप्त सांख्यिकी में डिप्लोमा। (ii) सांख्यिकीय कार्य का लगभग 2 वर्ष का अनुभव जिसमें किसी सरकारी कार्यालय या अनुसंधान संस्थान में वरीयतः रोजगार योजनाओं से संबद्ध सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रह, संकलन तथा निर्वचन निहित हो।

3. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड I, वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलूर, अनुसंधान और विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यंत्र प्रौद्योगिकी/वैद्युत इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) प्ररूप परीक्षण का लगभग चार वर्ष का अनुभव जिसमें वायुयान पुर्जों/उपस्कर के पर्यावरण परीक्षण के साथ वैमानिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास कार्य कलापों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पर्यावरण और मानक प्रयोगशाला का स्थापन भी सम्मिलित हो।

4. वैमानिक इंजीनियरी का एक आध्याता, पंजाब इंजीनियरी कालेज, चंडीगढ़/प्रशासन चंडीगढ़। वेतन :—रु० 400-30-700-40-1100। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :— किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैमानिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

5. एक अनुवाद अधिकारी (रूसी/अंग्रेजी), वायु सेना, रक्षा मंत्रालय (वायु सेना मुख्यालय)। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैद्युत/यांत्रिक/दूर-संचार/वैमानिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त संस्था से रूसी भाषा में डिप्लोमा या उच्च प्रवीणता प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) रूसी पढ़ाने या रूसी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से रूसी में अनुवाद/भाषांतरण/सम्पादन कार्य का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

3. एक पद्धति विश्लेषक/प्रोग्रामर/कम्प्युटर नियंत्रक, नौ-सैन्य मुख्यालय रक्षा मंत्रालय बेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-रु० रो०-35-950 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यात्रिक नौ/वैद्युत/इलेक्ट्रानिकी/औद्योगिक इंजीनियरी/नौ वास्तुकला में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) इलेक्ट्रानिक आंकड़ा प्रसाधन एकक में प्रोग्रामिंग/पद्धति विश्लेषण का लगभग 3 वर्ष का अनुभव । अथवा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी/गणित/सांख्यिकी/परिचालन अनुसंधान में “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) इलेक्ट्रानिक आंकड़ा प्रसाधन एकक में प्रोग्रामिंग/पद्धति विश्लेषण का लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।

7. दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड, II वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । बेतन :— रु० 400-40-800-50-950 । आयु :—वरीयत 30 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्य :—वर्ग (i) तथा (ii) के लिए (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यात्रिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । वर्ग (i) एक पद के लिए : (ii) वायुयान उद्योग में उत्पादन, निर्माण पद्धति तथा परीक्षण का लगभग दो वर्ष का अनुभव । वर्ग एक पद के लिए : (ii) किसी आधुनिक कर्मशाला में उत्पादन, निर्माण पद्धति तथा उत्पादन आयोजन का लगभग दो वर्ष का अनुभव ।

8. सात सहायक नौ-भंडार अधिकारी, भारतीय नौसेना, रक्षा मंत्रालय । बेतन :—रु० 350-25-500-30-590-रु० रो० 30-800 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । सरकारी कर्मचारियों को छूट नहीं दी जाएगी । योग्यताएं : अनिवार्य :—(क) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यात्रिक/वैद्युत/नौ इंजीनियरी/व्यवसाय प्रशासन में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता अथवा (ख) (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कला या विज्ञान या वाणिज्य में डिग्री । (ii) किसी सरकारी विभाग या विख्यात निजी फर्म में भंडार व्यवस्था एवं लेखा कार्य का लगभग 5 वर्ष का अनुभव । अथवा (ग) (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेट अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) नौ कर्मशाला या मरम्मत संगठनों में या नौ डिपो में भंडार तथा उपस्कर संभालने से सबद्ध कर्तव्यों का लगभग 10 वर्ष का अनुभव जिसमें लगभग एक वर्ष की प्लावी सेवा सम्मिलित हो ।

9. एक प्रबन्धक (वितरण), दिल्ली दुग्ध योजना, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) बेतन :—रु० 1100-50-1400 । आयु-सीमा :—45 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) विपणन और बिक्री प्रबर्द्धन कार्य का किसी दायित्वपूर्ण हैसियत से लगभग 7 वर्ष का अनुभव जो वरीयतः क्षयशील कृषि वस्तुओं से संबद्ध हो ।

10. एक उपनिदेशक (योजना एवं विकास), पटसन विकास निदेशालय, कलकत्ता, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) । बेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी समान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान/कृषि अर्थशास्त्र में “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष

योग्यता । (ii) कृषि कार्यक्रम की योजना और विकास का लगभग 5 वर्ष का अनुभव ।

11. एक सहायक रसायनज्ञ, राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली, संस्कृति विभाग । बेतन :—रु० 400-40-800-50-950 । आयु-सीमा :—45 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिक या अकार्बनिक रसायन विज्ञान में “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) मिश्र धातुओं, सिलिकेट्स और मोरटर्स के विश्लेषण का पर्याप्त अनुभव । (iii) प्रकाशित अनुसंधान कार्य के प्रमाण सहित अनुसंधान का अनुभव ।

12. एक स्वास्थ्य शिक्षक (अध्यापक प्रशिक्षण), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) । बेतन :—रु० 400-25-500-30-590-रु० रो० 30-800-रु० रो० 30-830-35-900 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कला अथवा विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) शिक्षा शास्त्र या अध्यापक प्रशिक्षण में डिग्री । (iii) किसी मान्यताप्राप्त विद्यालय/अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान में अध्यापन का लगभग 3 वर्ष का अनुभव । (iv) प्राथमिक शिक्षा का अनुभव ।

13. जापानी का एक आख्याता, विदेशी भाषा विद्यालय, रक्षा मंत्रालय । बेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-रु० रो०-35-950 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता । (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय संस्था से जापानी में डिग्री या डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता । (iii) अंग्रेजी में प्रवीणता ।

14. दो वरिष्ठ विद्यालय निरीक्षक, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली । बेतन :—रु० 425-25-500-30-680 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । सरकारी कर्मचारियों तथा दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों को छूट दी जा सकती है । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री या समकक्ष योग्यता । (ii) अध्यापक प्रशिक्षण/शिक्षा शास्त्र में डिग्री । (iii) विद्यालय निरीक्षक/स्नातकोत्तर अध्यापक/प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक के रूप में 5 वर्ष का अनुभव ।

अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1974

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 8 जनवरी, 1974 से एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी । यह परीक्षा केवल उन विभागीय उम्मीदवारों के कुछ वर्गों के लिए है जो रेल बोर्ड सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्त हैं । पूर्ण विवरण तथा आवेदन-प्रपत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से रु० 100 के मनीऑर्डर द्वारा अथवा ऑफिस के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर प्राप्त किए जा सकते हैं । उम्मीदवारों को मनीऑर्डर कूपन पर “अनुभाग अधिकारी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता

परीक्षा 1974" स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए तथा अपना नाम और पत्र-व्यवहार का पूरा पता भी साफ अक्षरों में लिखना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। भरे हुए आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा

आयोग के कार्यालय में 3 सितम्बर, 1973 तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

डी० आर० कोहली  
सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd June 1973

No. F.32/194/73-SCA(ii).—Shri R. Narasimhan, Deputy Registrar, has been granted Commuted leave for 27 days from 25-6-1973 to 21-7-1973 (both days inclusive) with permission to prefix & Suffix Vacation from 16-5-1973 to 24-6-1973 and Sunday, 22-7-1973 respectively.

M. P. SAXENA  
Registrar

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th June 1973

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri S. Mukherjee, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 61 days from 11th June, 1973 to the 10th August, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

The 22nd June 1973

No. A.32014/1/73-Admn.III.—In continuation of this office nunciation of even number dated the 8th June, 1973, the President is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 31 days from 9th June, 1973 to 9th July, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri N. H. Goyal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from the 4th June, 1973 to 19th July, 1973 or until further orders, whichever is earlier.

The 28th June 1973

No. A.32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Miss. S. T. Keswani a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 48 days with effect from 14-5-1973 to 30-6-1973.

N. B. MATHUR  
Under Secretary  
(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 28th June 1973

No. A.32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Lal, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the service for a period of 3 months with effect from 18th June, 1973 to 17th September, 1973 (both days inclusive).

The 29th June 1973

No. A.32013/1/73-Admn.I.—Shri B. K. Lal, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in the Selection Grade of the Service, vide this office Notification No. A.32013/1/73-Admn.I dated 28th April, 1973, relinquished charge of the office of Deputy Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 16th June, 1973.

2. On his reversion, Shri B. K. Lal, resumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 16th June, 1973.

No. A.32013/1/73-Admn.I.—Shri B. S. Jolly, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. A.32013/1/73-Admn.I dated 8th May, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 16th June, 1973.

2. On his reversion, Shri B. S. Jolly, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 16th June, 1973.

N. B. MATHUR  
Under Secretary  
Union Public Service Commission

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Office of the Registrar General, India

New Delhi-11, the 2nd July 1973

No. 25/64/72-RG(Ad.I).—The President is pleased to re-employ Shri I. E. N. Chauhan, I.A.S., as Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Haryana, for a period of one year with effect from the 19th July, 1973, consequent on his retirement on superannuation.

R. B. CHARI  
Deputy Registrar General, India &  
ex-officio Deputy Secretary

### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 14th June 1973

No. 2/34/71-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri C. S. Saxty, a Divisional Engineer of the South Central Railway, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 11th June, 1973, until further orders.

B. V. DIGHE  
Under Secretary (Admn.)  
for Central Vigilance Commissioner

### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

Department of Personnel & Administrative Reforms

New Delhi, the 28th June 1973

No. PF/W-6/68-AD.I.—Shri W. R. Kharche, an Officer of Maharashtra State Police on deputation to the Central Bureau of Investigation, Bombay (GOW) Branch as Inspector of Police was relieved of his duties in the Central Bureau of Investigation, with effect from 28-5-1973 (AN) on his repatriation to Maharashtra State Police.

G. L. AGARWAL  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Directorate of Coordination

(Police Wireless)

New Delhi-1, the 27th June 1973

No. A.21/39/72-Wireless.—Shri A. Rajagopal is appointed in a temporary capacity as Extra Assistant Director (Maintenance) in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the

Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from the forenoon of the 11th June, 1973, until further orders.

C. P. JOSHI  
Director  
Police Telecommunications

### DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 2nd July 1973

No. R(16)-AIII.—Shri S. Ranganathan, Overseer has been appointed to officiate as Asstt. Manager (Tech.). Govt. of India Press, Nilokheri with effect from 14-3-1973 (F.N.) until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR  
Director of Printing

Office of the Accountant General: Assam: Meghalaya: Nagaland: Manipur: Tripura: Arunachal Pradesh & Mizoram: Shillong

Shillong-1, the 3rd July 1973

No. E-1t-3/GO/PC/853-54.—Shri Amalendu Mukherjee a permanent S.A.S. Accountant of the office of the Accountant General, Assam, Meghalaya, Nagaland etc, has been promoted to officiate as Accounts Officer with effect from 21-5-73 (FN) in the Kohima Branch Audit Office until further orders without prejudice to the claims of his seniors

[Authority:—A.G.'s Orders dt. 18-5-73 at P/1 of P.C. of Shri Amalendu Mukherjee].

B. B. ROY  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

Office of the Accountant General, Maharashtra  
Bombay, the 28th June 1973

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/6.—The Accountant General, Maharashtra I Bombay has been pleased to grant to Shri M. A. Vaidya, a member of the subordinate Accounts service, of the office of the Accountant General, Maharashtra I, Bombay, at present on deputation to the International Institute for Population studies, Bombay, proforma promotion w.e.f. 20-6-1973 FN in the Accounts Officer's grade in the office of the Accountant General, Maharashtra, in an officiating capacity, until further orders.

R. S. SHARMA  
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

Office of the Accountant General Madhya Pradesh  
Gwalior, the 3rd July 1973

No. O.E.I/1650.—Shri S. V. Lakkad, a permanent Accounts Officer and Temporary Assistant Accountant General of the office of the Accountant General, Madhya Pradesh, Gwalior is permitted to retire from Government service with effect from 1-4-1974 on attaining the age of superannuation.

S. MANZUR-e-MUSTAFA  
Accountant General,

### UNIVERSITY OF DELHI

Delhi, the 4th July 1973

No. I.A./71-72/14322.—The annual accounts of the University of Delhi for 1971-72 are hereby published for information as required under Section 39(ii) of the Delhi University Act 1922 (Act VIII of 1922).

(Sd.) ILLEGIBLE  
Registrar

Balance sheet of the University of Delhi as on 31-3-1972.

| 31-3-1971            | ASSETS   | 31-3-1972   |
|----------------------|--|-------------|
| Rs.                  |  | Rs.         |
| 2,61,93,727          | 1. Buildings   | 2,86,27,215 |
| 38,86,896            | 2. Furniture & Equipment   | 44,99,840   |
| 56,61,872            | 3. Science Apparatus   | 58,75,286   |
| 85,09,713            | 4. Books and Periodicals   | 96,10,721   |
| 53,388               | 5. Sports Materials & Trophies   | 53,388      |
|                      | 6. Gifts/Donations   |             |
| 1,04,72,454          | (a) Ford Foundation  | 1,55,50,010 |
| —                    | (b) Other Agencies   | 30,26,446   |
|                      | 7. Accrued Receipts  |             |
| 2,21,141             | (i) Fees from students   | 2,09,480(a) |
| 1,07,789             | (ii) Licence fee Dividend etc.   | 1,37,708(b) |
| 6,06,159             | (iii) Press Receipts   | —           |
| —                    | 8. (a) Maintenance Grant Investment A/c.                                 | 20,11,842   |
| —                    | (b) Accrued Interest   | 18,968      |
| <b>MISCELLANEOUS</b> |  |             |
| 1,50,31,699          | 1. (a) Provident Fund Investment A/c                                     | 1,69,43,949 |
| 2,13,154             | (b) Accrued Interest   | 2,58,694    |
| 7,23,000             | 2. Depreciation Reserve Fund Investment A/c                              | 9,38,000    |
| 1,00,000             | 3. Reserve Fund Investment Account                                       | 1,00,000    |
| 6,000                | 4. Professorship Fund Investment Account                                 | —           |
| 30,000               | 5. V.C.'s Students Fund Investment Account                               | 30,000      |
| 21,000               | 6. Delhi School of Economics Students welfare Fund Investment Account    | 21,000      |
| 20,000               | 7. Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarship Fund Investment Account   | 20,000      |
| 4,75,000             | 8. Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Investment Account        | 4,75,000    |
| 6,77,100             | 9. Sir Shankar Lal Endowment Fund Investment Account                     | 6,77,100    |
| 4,15,000             | 10. Sir Shankar Lal Institute of Music Endowment Fund Investment Account | 4,15,000    |
| 96,000               | 11. Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Investment Account             | 96,000      |
| 7,33,064             | 12. Other Endowment Funds Investment Account                             | 8,10,290    |
| 60,000               | 13. Science Caution Money Investment Account                             | 60,000      |

**ADVANCES**

|           |  |           |
|-----------|--|-----------|
| 11,950    | 1. Permanent Advance . . . . .   | 74,000    |
| 2,38,926  | 2. Other Advances . . . . .  | 6,56,227  |
| 23,816    | 3. Conveyance Loan . . . . .   | 685,940   |
| 31,22,770 | 4. Cash at Bank . . . . .  | 37,33,566 |
| ----      | 5. Cash at First National City Bank, New York (£53,419.17) out of Ford Foundation Grant. | 4,00,643  |

**SUNDRY DEBTORS**

|             |   |             |
|-------------|---|-------------|
| —           | (i) University Press Account to Maintenance Grant Account . . . . . | 7,69,314    |
| —           | (ii) University Press Account to Miscellaneous Account . . . . .    | 99,150      |
| 7,77,11,618 |   | 9,62,24,777 |

Certified that the grants have been utilised for and on the purpose for which they were sanctioned and paid.

Balance Sheet of the University of Delhi as on

31-3-1972.

| 31-3-1971.  | LIABILITIES                                    | 31-3-1972   |
|-------------|--|-------------|
| Rs.         |  | Rs.         |
| 4,33,39,930 | 1. Grants . . . . .                            | 4,77,11,411 |
|             | 2. Gifts/Donations . . . . .                   |             |
| 1,04,72,454 | (a) Ford Foundation . . . . .                  | 1,59,50,653 |
| —           | (b) Other Agencies . . . . .                   | 30,26,446   |
| 28,02,818   | 3. Excess of Income over Expenditure . . . . . | 49,61,309   |

**MISCELLANEOUS**

|             |   |              |
|-------------|---|--------------|
| 1,49,28,253 | 1. (a) Provident Fund Account . . . . .   | 1,73,07,055  |
|             | (b) Contributory Provident Fund A/c . . . . .   | 2,011        |
|             | (c) General Provident Fund Account . . . . .  | 2,840        |
| 4,01,731    | (d) Interest Account . . . . .  | 1,64,952     |
| 9,43,352    | 2. Depreciation Reserve Fund Account . . . . .  | 9,79,028     |
| 21,833      | 3. Professorship Fund Account . . . . .   | 22,789       |
| 38,154      | 4. V.C.'s Students Fund Account . . . . .   | 36,088       |
| 21,060      | 5. Delhi School of Economics Students Welfare Fund Account . . . . .  | 21,000       |
| 1,12,660    | 6. Reserve Fund Account . . . . .   | 1,00,000     |
| 23,498      | 7. Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarship Fund Account . . . . .   | 23,922       |
| 5,54,696    | 8. Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Account . . . . .  | 5,59,443     |
| 6,99,436    | 9. Sir Shankar Lall Endowment Fund Account . . . . .  | 6,99,955     |
| 5,07,654    | 10. Sir Shankar Lall Institute of Music Endowment Fund Account . . . . .  | 5,18,353     |
| 1,37,775    | 11. Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund A/c . . . . .   | 1,30,693     |
| 8,56,371    | 12. Other Endowment Fund Account . . . . .  | 8,96,451     |
| 25,359      | 13. Publication Fund Account . . . . .  | 32,339       |
| 65,265      | 14. General Endowment Fund Account . . . . .  | —            |
| 4,06,383    | 15. Deposit Account of Science Caution Money for Science, Library Deposit and Contractor's Security Fund A/c. . . . . | 5,51,262     |
| 10,65,466   | 16. Deposit Account of Scholarships . . . . .   | 12,70,050    |
| 2,85,372    | 17. Deposit Account of Research Schemes . . . . .   | 2,99,593     |
| (—)1,31,545 | 18. Other Deposit Account . . . . .   | (A) 3,58,051 |
| —           | 19. Deposit Account of I.B.M. Computer Centre 360/44 . . . . .  | 10,067       |
| 37,577      | 20. Deposit Account of Prizes & Endowments . . . . .  | 37,577       |
| 42,701      | 21. Deposit Account of Grants for Construction of Constituent Colleges . . . . .                                      | 42,701       |
| 26,998      | 22. Conveyance Loan Fund Account . . . . .  | 1,07,340     |
| (—)1,71,642 | 23. Suspense Account . . . . .  | 2,00,380     |

**ACCRUED PAYMENTS**

|             |                         |             |
|-------------|-------------------------|-------------|
| 1,98,009    | Other Charges . . . . . | 2,01,018    |
| 7,77,11,618 |                         | 9,62,24,777 |

Certified that the grants have been utilized for and on the purpose for which they were sanctioned and paid.

Note:—Balance Sheet of the Delhi University Press as on 31-3-72 is appended.



## AUDIT CERTIFICATE

I have examined the foregoing accounts and the Balance Sheet of the University of Delhi and obtained all the information and explanations that I have required and I certify, as a result of my audit, that in my opinion, these accounts and the Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the University according to the best of my information and explanations given to me and as shown by the books of the University of Delhi, Delhi.

Sd/—

P.P. GANGADHARAN,

Accountant General Central Revenues.

New Delhi.

Dated : 24th March, 1973.

## University of Delhi

## Foot-note referred to in the Balance Sheet

- (a) includes arrears of Tuition fees amounting to Rs. 1,52,156 recoverable from Research Students of Ph. D. The arrears have been reduced to Rs. 1,32,357 as on 30-9-72. A sum of Rs. 55,959 outstanding against the students whose names were struck off from the rolls was written off by the Executive Council in May, 1972.
- (b) Includes the arrears on account of electricity charges Rs. 1,17,445 (including Rs. 89,137 recoverable from the Gwyer Hall).

Sd./—

Internal Audit Officer  
University of Delhi.

Sd./—

Finance Officer  
University of Delhi.

Sd./—

Treasurer  
University of Delhi.

## Notes on Accounts

I. The "excess of income over expenditure" of Rs. 49,61,309 exhibited in the University Balance Sheet is arrived at as under:—

|  |           |
|--|-----------|
| Opening Balance as on 1-4-1971   | 28,02,818 |
| Add Due to separation of Press A/c. from General Fund Account  | 7,69,314  |
| Less (i) Press Receipts up to 31-3-1971 shown under "assets" as accrued Press Receipts which has been transferred to Press Balance Sheet | 6,06,561  |
| (ii) Permanent Advance in respect of the Press   | 500       |
| (iii) Fees written off   | 55,959    |
| Add excess of income over expenditure as per Income and Expenditure statement  | 20,51,795 |
| Closing Balance  | 49,61,309 |

II. The opening cash balance of Rs. 31,22,709-76 as on 1-4-1971 has been arrived at after adjusting an amount of Rs. 60 exhibited incorrectly in excess under the "Other Endowments" (Item No. 76) in the closing balance of Rs. 31,22,769-76 as on 31-3-1971.

Sd/—

Internal Audit Officer  
University of Delhi

Sd/—

Finance Officer  
University of Delhi

Sd/—

Treasurer  
University of Delhi.

## UNIVERSITY OF DELHI

Income and Expenditure Account for the Year 1971-72

## EXPENDITURE

## INCOME

## I. Maintenance Account

## (a) Actual Receipts

|                               |                |   |                |
|-------------------------------|----------------|---|----------------|
| 1. Grants                     | 1,37,82,421.00 | } | 1,24,23,229.99 |
| Less : Capitalised items      | 13,59,191.01   |   |                |
| 2. Fees from students         | 52,84,771.25   | } | 52,58,633.25   |
| 3. Less : Realized of years   | 26,138.00      |   |                |
| 4. Licence Fee                | 2,96,690.11    |   |                |
| Less : Realized of last years | 16,119.95      |   | 2,80,570.16    |
| 5. Library Receipts           |                |   | 59,067.77      |
| 6. Special Receipts           |                |   | 6,404.30       |
| 7. Miscellaneous Receipts     |                |   | 3,47,789.85    |

## (b) Accrued Receipts

|                              |           |
|------------------------------|-----------|
| 1. Fees from Students        | 70,436.00 |
| 2. Licence fee dividend etc. | 46,039.22 |

|   |           |
|---|-----------|
| (c) Amount of interest transferred from Maintenance Grant Interest Account. | 30,810.86 |
|---|-----------|

## II. Plan Account (Actual Receipts)

|                          |              |   |                |
|--------------------------|--------------|---|----------------|
| 1. Grants                | 50,14,227.71 | } | 41,64,316.09   |
| Less : Capitalized items | 8,49,911.62  |   |                |
| 2. Other Receipts        |              |   | 3,62,895.54    |
|                          |              |   | 2,30,50,193.03 |

## I. Maintenance Account

## (a) Actual Payments

|   |              |              |
|---|--------------|--------------|
| I. Pay & Allowances (excluding Examination)         |              | 93,77,981.43 |
| 2. Examination                                      |              |              |
| (a) Pay & Allowances                                | 4,95,951.85  |              |
| (b) Other Charges                                   | 27,42,597.60 | 32,38,549.45 |
| 3. Scholarships                                     |              | 2,54,781.31  |
| 4. Grants :   |              |              |
| (a) University Purpose                              | 9,550.00     |              |
| (b) Academic Purpose                                | 70,942.07    | 80,492.07    |
| 5. C.P.F. Contribution                              |              | 5,04,385.04  |
| 6. Miscellaneous                                    |              | 1,18,615.63  |
| 7. Other Charges                                    | 33,29,946.15 |              |
| Less : Accrued of last years                        | 1,98,008.69  | 31,31,937.46 |
| 8. Printing & Binding done through University Press |              | 1,73,666.76  |

## (b) Accrued Payments

|               |             |
|---------------|-------------|
| Other Charges | 2,01,018.53 |
|---------------|-------------|

## II. Plan Accounts (Actual Payments)

|                      |              |
|----------------------|--------------|
| (i) Pay & Allowances | 29,86,381.63 |
| (ii) Other Charges   | 9,30,588.55  |

|  |                |
|--|----------------|
| III. Excess of Income Over Expenditure | 20,51,795.17   |
|  | 2,30,50,193.03 |

Closing Balance as on 31-3-1972 as per Cash Books

## I. MAIN ACCOUNTS

|                              |              |
|------------------------------|--------------|
| 1. Maintenance Grant Account | 22,21,673.18 |
| 2. Plan Development Account  | 43,931.21    |
| 3. Capital Account           | 6,930.80     |
| 4. Miscellaneous Accounts    | 5,17,956.83  |
| Total -II .                  | 27,90,492.02 |

## II. OTHER ACCOUNTS

|  |              |
|--|--------------|
| 1. Provident Fund Account                                      | 2,69,411.51  |
| 2. Contributory Provident Fund A/c.                            | 1,999.61     |
| 3. General Provident Fund Account                              | 2,803.72     |
| 4. Depreciation Reserve Fund Account                           | 41,027.93    |
| 5. Professorship Fund Account                                  | 22,789.64    |
| 6. Publication Fund Account                                    | 32,339.36    |
| 7. V.C. Students Fund Account                                  | 6,088.36     |
| 8. Dr. Gokal Chand of Gujarat Loan Scholarship Account         | 3,922.16     |
| 9. Sir Sri Ram Chair in Physics Endowment Fund Account         | 84,443.54    |
| 10. Sir Shankar Lall Endowment Fund A/c.                       | 22,855.90    |
| 11. Sir Shankar Lall Institute of Music Endowment Fund Account | 1,03,353.00  |
| 12. Pt. Man Mohan Nath Dar Endowment Fund Account              | 43,693.34    |
| 13. Other Endowment Funds Account                              | 86,161.52    |
| 14. Science Caution Money Account                              | 17,356.43    |
| 15. Conveyance Loan Fund Account                               | 21,400.34    |
| 16. C.S.I.R. Scholarship Account                               | 1,92,427.31  |
| Total -II .  | 9,43,073.69  |
| Total I and II .   | 37,33,565.71 |

## UNIVERSITY PRESS

Balance Sheet as on 31-3-1972

| As on 31-3-1971         | ASSETS   | As on 31-3-72 |
|-------------------------|--|---------------|
| 1,98,518                | Machinery, Furniture & Equipment . . . . .               | 2,02,320      |
| 1,89,903                | Composing Material . . . . .                             | 1,90,348      |
| 6,06,159                | Accrued Receipts . . . . .                               | 8,04,367      |
| 51,426                  | Stock in Hand . . . . .                                  | 89,278        |
| 24,700                  | Work in Progress and not billed for . . . . .            | 26,700        |
| 500                     | Permanent Advance . . . . .                              | 500           |
| —                       | Cash at Bank . . . . .                                   | 49,576        |
| 1,84,978                | Loss . . . . .   | 2,46,635      |
| 12,56,184               |  | 16,09,724     |
| <b>LIABILITIES</b>      |  |               |
| 1,62,442                | (i) U.G.C. Special Grant for purchase of Press . . . . . | 1,62,442      |
| —                       | (ii) Grant out of Block Grant . . . . .                  | 2,25,979      |
| <b>Sundry Creditors</b> |  |               |
| 99,150                  | (i) Miscellaneous A/c. . . . .                           | 99,150        |
| 9,94,592                | (ii) General Fund A/c. . . . .                           | 7,69,314      |
| —                       | Loan from Misc. A/c. . . . .                             | 3,50,000      |
| <b>Deposit A/c.</b>     |  |               |
| —                       | Deduction from Salary Bills . . . . .                    | 12,839        |
| 12,56,184               |  | 16,09,724     |

## Profit &amp; Loss A/c. of the University Press for the Year 1971-72

## Opening Stock as on 1-4-1971

|                                  |             |  |             |
|----------------------------------|-------------|--|-------------|
| (i) Paper Material . . . . .     | 44,541.00   | By Printing & Binding<br>(Amount billed for)     | 3,84,852.54 |
| (ii) Binding Material . . . . .  | 6,885.00    | Sale of Waste Paper cuttings . . . . .           | 7,094.00    |
| Work in Progress . . . . .       | 24,700.00   | Sale of Unserviceable article . . . . .          | 705.00      |
| <b>EXPENSES :</b>                |             |  |             |
| Pay & Allowances . . . . .       | 3,20,644.43 | Work in Progress and not<br>billed for . . . . . | 26,700.00   |
| P.F. Contribution . . . . .      | 21,203.63   | Stock in Hand . . . . .                          |             |
| E.S.I. Contribution . . . . .    | 11,860.50   | (i) Paper . . . . .                              | 84,054.00   |
|                                  |             | (ii) Binding . . . . .                           | 5,224.00    |
|                                  |             |  | 89,278.00   |
| <b>Materials :</b>               |             |  | 5,08,629.54 |
| Paper . . . . .                  | 1,04,383.92 | Loss . . . . .                                   | 61,657.28   |
| Binding . . . . .                | 16,625.46   |  |             |
| <b>Other Charges :</b>           |             |  |             |
| 1. Contingency . . . . .         | 12,899.71   |  |             |
| 2. Rent, Rates & Taxes . . . . . | 6,409.72    |  |             |
| 3. Postage . . . . .             | 73.45       |  |             |
| 4. Factory Licence Fee . . . . . | 60.00       |  |             |
|                                  | 4,94,160.82 |  |             |
|                                  | 5,70,286.82 |  | 5,70,286.82 |

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &amp; DISPOSALS

(Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 26th June 1973

No. A-1/1(291).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Roy, Director of Purchase (Grade II of the Indian Supply Service) in the India Supply Mission, London to officiate as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with

effect from the forenoon of the 11th June, 1973 and until further orders.

T. V. ANANTANARAYANAN  
Deputy Director (Administration)

New Delhi-1, the 26th June 1973

No. A-1/1(79).—Shri M. Singh relinquished charge of the office of Director (Supplies) (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on his reversion to the post of Deputy Director (Progress) (Grade II

of the Indian Supply Service) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 11th June, 1973.

No. A-1/1(941).—The Director General, Supplies and Disposals hereby appoints Shri S. Venkatram, Superintendent in the office of Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate on local *ad hoc* basis as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of Director of Inspection, Madras with effect from the forenoon of 2nd June, 1973 and until further orders.

T. V. ANANTANARAYANAN  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th June 1973

No. 11-2/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Misra, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. to officiate in Grade I of the C.S.S. for 61 days from the forenoon of the 14th May, 1973 to the afternoon of the 13th July, 1973 or till a select list Officer or a senior Non-select Officer becomes available whichever is earlier.

The President is also pleased to appoint Shri K. C. Misra as Deputy Director (Admn.), in the Directorate General of Health Services, New Delhi, for the aforesaid period.

The 30th June 1973

No. 9-34/72-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Kumari Bharati Nambudripad to the post of Clinical Instructor at the College of Nursing, New Delhi, under this Directorate, with effect from the forenoon of the 22nd September, 1972 and until further orders.

The 2nd July 1973

No. 12-3/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Nagar, a permanent Grade IV Officer of Central Secretariat Service as Section Officer, in the Directorate General of Health Services in officiating capacity with effect from the forenoon of the 5th June, 1973 and until further orders.

R. N. SAXENA  
Deputy Director Administration

New Delhi, the 2nd July 1973

No. 1-35/73-CHSII.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Manak Chand relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, Willingdon Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 8th May, 1973.

G. PANCHAPAKESAN  
Deputy Director Admn.

#### MINISTRY OF FOREIGN TRADE

Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
Hyderabad-4, the 10th November 1972

##### ORDER

SUB: Cancellation of licence No. P/S/1677700/T/OR/36/W/31.32 dated 4-8-1970 issued for April-March 1971 for the end product Betel nut Powder.

No. BNP/32/AM71/SSI.—M/s. Asha Industries, 10.5.155, First Lancer, Hyderabad, 28/AP were granted an import licence No. P/S/1677700/T/OR/36/W/31.32 dated 4-8-70 for Rs. 5,000 (Rupees five thousand only) for the item Aromatic Chemicals as per list IV to Appendix 28 to April-March 71 Policy Book.

They have applied for a duplicate copy of the Customs copy and Exchange Control copy of the Licence on the ground that the original Licence has been lost without having been registered with any Customs Authority and utilised at all.

In support of their contention, they have filed an affidavit, I am satisfied that the original Customs pur-

poses copy and Exchange Control copy of the licence is lost and direct that a duplicate Customs & Exchange copy of licence should be issued to the applicant. The original Customs and Exchange copy of the licence are cancelled.

R. JAYARAM NAIDU  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports

#### MINISTRY OF COMMERCE

Office of the Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
Hyderabad-4, the 14th May 1973

##### ORDER

SUB: Cancellation of licence No. D. 2466936, dt. 18-6-71 issued for April/March '71 period for the End-product 'Betel nut powder'.

No. BNP/46/AM71/SSI/HYD.—M/s. Krishna Industries, 21-2-194, Charkaman, Hyderabad were granted a duplicate Customs Purposes copy of licence No. D.2466936, dt. 18-6-71 for Rs. 5,000 for the item Aromatic Chemicals and Thymol.

They have applied for a second duplicate copy of the Customs purposes copy of the licence on the ground that the first duplicate of the licence has been misplaced without having been utilised.

In support of their contention they have filed an affidavit, I am satisfied that the first duplicate copy of licence already issued has been lost and direct that another duplicate customs purposes copy of licence should be issued to the applicant. The first duplicate copy of the licence is hereby cancelled.

R. JAYARAM NAIDU  
Deputy Chief Controller of Imports & Exports

Office of the Chief Controller of Imports & Exports  
Import & Export Trade Control  
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 28th June 1973

No. 6/472/57-Admn(G)/2766.—The President is pleased to appoint Shri R. M. Saldanha, Controller of Imports & Exports (Non-CSS) in the office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay as Dy. Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) in the same office from 2-6-1973 afternoon until further orders.

S. G. BOSE MULLICK  
Chief Controller of Imports & Exports

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Steel)

Iron & Steel Control

Calcutta-20, the 13th June 1973

No. EI-13(75)/71(.).—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Sailesh Ch. Bhattacharjee, S.A.S. Accountant, on deputation to this office from the office of the Director of Audit & Accounts (P&T), Calcutta to officiate in the vacant post of Accounts Officer in this office with effect from June 6, 1973 until further orders.

A. K. RAY CHAUDHURI  
Deputy Director (Administration)  
for Iron & Steel Controller

(Department of Mines)

Geological Survey of India

Calcutta-13, the 28th June 1973

No. 2314-B-2181(AR)/19B.—Shri Asha Ram, A.I.C. is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in a temporary capacity with effect from the afternoon of 19-4-1973, until further orders.

The 30th June 1973

No. 40/59/C/19A(P).—Shri D. C. Bhattacharji, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India, retired from Government service on superannuation with effect from 31st March, 1973 (A.N.).

M. K. ROY CHOWDHURY  
Director General

**ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA***Calcutta-12, the 23rd June 1973*

No. F. 70-2/71-Estt./7020.—The following Senior Zoological Assistants, Zoological Survey of India, are appointed as Assistant Zoologists (Class II Gazetted) in the same Department on *ad-hoc* basis, with effect from the dates and the Regional Stations shown against each, until further orders:—

| Name and designation  | Name of the Regional Station, to which posted. | Date of joining      |
|---|--|----------------------|
| 1. Shri T.S.N. Murthy, Senior Zoological Assistant, Madras.     | Southern Regional Station, Madras.             | 11-6-1973 (forenoon) |
| 2. Shri R. N. Bhargava, Senior Zoological Assistant, Dehra Dun. | Northern Regional Station, Dehra Dun.          | 11-6-1973 (forenoon) |
| 3. Shri Mahesh Chandra, Senior Zoological Assistant, Solan.     | High Altitude Zoology Field Station, Solan.    | 14-6-73 (afternoon)  |

*The 25th June 1973*

No. F.79-9/72-Estb./7095.—Dr. (Mrs.) Minati Gupta, Junciating Assistant Zoologist, Zoological Survey of India resigned from service in this department with effect from the forenoon of 10th June, 1972, due to domestic reason.

Dr. A. P. KAPUR  
Director,  
Zoological Survey of India

**DEPARTMENT OF EXPLOSIVES***Nagpur, the 18th May 1973*

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2 NITRATE MIXTURE, add "POWERITE" after the entry "POWERFLO-3".

*The 31st May 1973*

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3-Division 1, add "SEISMOPAK" before the entry "SOLIGEX".

M. P. MUKHERJI  
Chief Controller of Explosives

**DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO***New Delhi-1, the 27th June 1973*

No. 6(133)/63-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri D. K. Jhingron, Transmission Executive, All India Radio, Rajkot as Programme Executive, All India Radio, Rajkot, in a temporary capacity with effect from the 1st June, 1973 vice Shri P. M. Vaishnav, Programme Executive, who proceeded on leave for three months with effect from the 16th April, 1973.

SHANTI LAL  
Deputy Director of Administration  
for Director General

**Civil Construction Wing***New Delhi-1, the 3rd July 1973*

No. A-35017/1/73-CW.I/2100.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. K. Pramanik, Junior Engineer (Civil)/CPWD, as Asstt. Engineer (Civil), (Rs. 350-900) in the Civil Construction Wing of A.I.R. and to post him as Asstt. Engineer (Civil), Gauhati in the Divisional Office, Gauhati, with effect from 31-5-1973 (FN) on deputation for a period of one year in the first instance.

J. J. TOLANI  
Engineer Officer to C.E. (Civil)  
for Director Genl.

**LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT***Dehra Dun, the 30th June 1973*

No. 6/125/72-LTCP.—Shri B. Banerjee, Asstt. Forest Officer, West Bengal Forest Department, who has been working as Logging Instructor (Chief Sukna Centre), in the Logging Training Centre, Sukna (West Bengal), has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 8th June, 1973 and his services are replaced at the disposal of the West Bengal Government, with effect from the same date.

No. 6/154/72-LTCP.—The Director, Logging Training Centres Project, is pleased to appoint Shri A. Mannan, Assistant Forest Officer, West Bengal Forest Department as Logging Instructor (Chief Sukna Centre) in the Project in a temporary capacity, with effect from 8-6-73 (A.N.), until further orders.

M. N. ASTHANA  
Chief Executive Officer

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE****(Personnel Division)***Bombay-400085, the 2nd July 1973*

No. 5/1/73/Estt.V/475.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Girdhari-lal Shrivastava, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 18-5-1973 to 22-6-1973.

No. 5/1/73/Estt.V/40.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Jainuddin Ahmed Lasne, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 21-4-73 to 8-6-73.

No. 5/1/73-Estt.V/42.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Shrinivas Alwar Srinivasan, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 15-2-73 to 2-4-73.

P. UNNIKRISHNAN  
Deputy Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY****Rajasthan Atomic Power Project***Anushakti-323303, the 3rd July 1973*

No. RAPP/00101/73-Adm/R/147.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri Buddhi Prakash Sharma, a temporary Foreman of this Project as Scientific Officer/Engineer-Grade-SB in a temporary capacity in the same Project with effect from the forenoon of 1-2-1973 until further orders.

R. K. BALI  
Administrative Officer (Estt)

**MINISTRY OF AGRICULTURE****(Department of Agriculture)****Directorate of Marketing & Inspection***N.H.IV-Faridabad, the 28th June 1973*

No. F.3/336/73-AF.I.—On his selection by the U.P.S.C., Shri Harendra Pratap Singh is appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur with effect from 19-4-1973 (A.N.) until further orders.

*The 29th June 1973*

No. F.1/7/72-AF.I.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, S/Shri M. R. Deshpande & C. Radhakrishna are appointed as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate on a regular basis with effect from 26-4-73, until further orders.

No. F.1/7/72-AF.I.—On his selection by the Union Public Service Commission Shri R. M. Karpate is appointed as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate on a regular basis with effect from 23-9-72 until further orders.

*Nagpur, the 27th June 1973*

No. F.12/10/73-D-II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Commerce Notification No. S.O.1127 dated 21-4-1973 published in the Gazette of India, I hereby authorise the following Officers to issue Certificate to the effect that Curry Powder has been graded in accordance with the provisions of Curry Powder Grading and Marking Rules, 1956 as amended and issued under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (I of 1937) with immediate effect and until further orders.

1. Shri A. K. Guha, Assistant Marketing Officer.
2. Shri H. D. Srivastava, Assistant Marketing Officer.
3. Shri K. N. Rai, Assistant Marketing Officer.
4. Shri T. K. Vishwanathan, Senior Marketing Officer.
5. Shri G. D. Bhogale, Dy. Senior Marketing Officer.
6. Shri M. G. Toshniwal, Marketing Officer.
7. Shri K. N. Gungrudkar, Assistant Marketing Officer.
8. Shri R. A. Khanorkar, Assistant Marketing Officer.
9. Shri V. Chandramouly, Senior Marketing Officer.
10. Shri C. P. Gopinathan Nair, Assistant Marketing Officer.
11. Shri E. Gopalan, Marketing Officer.
12. Shri P. Ravindranathan, Marketing Officer.
13. Shri L. K. Shukla, Senior Marketing Officer.
14. Shri K. B. Melanta, Dy. Senior Marketing Officer.
15. Shri S. K. Sabharwal, Assistant Marketing Officer.
16. Shri M. Chakraborty, Assistant Marketing Officer.

*The 4th July 1973*

No. F.2/8/70-D.II.—In supersession of all the earlier Notifications issued authorising the officers to sign the Certificates of Grading in respect of Coriander, Fennelseed, Fenugreek, Celeryseed consignments graded under Agmark and meant for export, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 2907 dated the 5th March 1971,

3601-A, 3601-B, 3601-C dated the 1st October 1971, hereby authorise the undermentioned officers to issue Certificates of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Coriander Fennelseed, Fenugreek and Celeryseed which have been graded in accordance with the Coriander Grading & Marking Rules 1964, Fenugreek Grading & Marking Rules, 1967, Celeryseed Grading & Marking Rules 1967 as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri T. K. Visvanathan, S.M.O.
2. Shri G. D. Bhogale, Dy. S.M.O.
3. Shri M. G. Toshniwal, M.O.
4. Shri R. A. Khanorkar, A.M.O.
5. Shri K. N. Gungrudkar, A.M.O.
6. Shri B. K. Sudamc, A.M.O.
7. Shri A. S. Wasnik, Sr. Inspector.
8. Shri John George, Sr. Inspector.
9. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
10. Shri K. B. Melanta, Dy. S.M.O.
11. Shri S. K. Sabharwal, A.M.O.
12. Shri M. Chakraborty, A.M.O.
13. Shri S. P. Singh, M.O.
14. Shri H. D. Srivastava, A.M.O.
15. Shri K. N. Rai, A.M.O.
16. Shri A. K. Guha, A.M.O.
17. Shri V. Chandramouly, S.M.O.
18. Shri Rajesh Azad, M.O.
19. Shri K. Subramaniam, A.M.O.
20. Shri R. Kanan, M.O.
21. Shri A. S. Misra, A.M.O.
22. Shri R. A. Sabharwal, Dy. S.M.O.
23. Shri G. K. Pawar, M.O.
24. Shri M. K. P. Menon, A.M.O.
25. Shri M. P. George, A.M.O.
26. Shri C. N. Anandakrishnan, Sr. Inspector.
27. Shri V. Bala Murthy, A.M.O.
28. Shri A. Thomas Oommen, Sr. Inspector.
29. Shri T. M. Karunakaran, A.M.O.
30. Shri P. Gopinath Kartha, Sr. Inspector.
31. Shri R. Vasudev Kurup, A.M.O.
32. Shri P. R. Padmnabhan, Sr. Inspector.
33. Shri Philip Ittyerah, A.M.O.

No. F.2/8/70-D.II.—In supersession of all the earlier notifications issued authorising the officers to sign the Certificates of Grading in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger and Turmeric consignments graded under Agmark and meant for export, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 125, 126, 127 dated 15-9-1962, 1131, 1132 dated 7-8-1965, hereby authorise the undermentioned officers to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, which have been graded in accordance with the Black Pepper Grading & Marking Rules 1969, Chillies Grading & Marking Rules 1962, Cardamom Grading & Marking Rules 1962, Ginger Grading & Marking Rules 1964, Turmeric Grading & Marking Rules 1964, as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri T. K. Visvanathan, S.M.O.
2. Shri G. D. Bhogale, Dy. S.M.O.
3. Shri M. G. Toshniwal, M.O.
4. Shri R. A. Khanorkar, A.M.O.
5. Shri K. N. Gungrudkar, A.M.O.
6. Shri B. K. Sudame, A.M.O.
7. Shri A. S. Wasnik, Sr. Inspector.
8. Shri John George, Sr. Inspector.
9. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
10. Shri K. B. Melanta, Dy. S.M.O.
11. Shri S. K. Sabharwal, A.M.O.
12. Shri M. Chakraborty, A.M.O.
13. Shri S. P. Singh, M.O.
14. Shri H. D. Srivastava, A.M.O.
15. Shri K. N. Rai, A.M.O.
16. Shri A. K. Guha, A.M.O.
17. Shri R. R. S. Rathore, Sr. Inspector.
18. Shri Rajesh Azad, M.O.
19. Shri K. Subramaniam, A.M.O.
20. Shri R. Kanan, M.O.
21. Shri A. S. Misra, A.M.O.
22. Shri R. A. Sabharwal, Dy. S.M.O.
23. Shri G. K. Pawar, M.O.
24. Shri M. K. P. Menon, A.M.O.
25. Shri C. N. Anandkrishnan, Sr. Inspector.
26. Shri V. Bala Murthy, A.M.O.
27. Shri A. Thomas Oommen, Sr. Inspector.
28. Shri T. M. Karunakaran, A.M.O.
29. Shri P. Gopinath Kartha, Sr. Inspector.
30. Shri R. Vasudeva Kurup, A.M.O.
31. Shri P. R. Padmanabhan, Sr. Inspector.
32. Shri Philip Ittyerah, A.M.O.

No. F.3(44)/9/72-D.II.—In supersession of all earlier notifications issued authorising the Officers to sign the Certificates of Grading in respect of Tobacco, I, in exercise of the powers conferred by the Finance Department (Central Revenues) Customs Notification No. 12 dated the 9th June, 1945 and Customs Notification No. 1 camp dated the 5th January, 1946 and Government of India, Ministry of Finance (Revenue Division) Customs Notification No. 6 dated the 5th February, 1949 and Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 64 dated the 17th June, 1961, hereby authorise the undermentioned Officers to issue Certificates of Grading from the date of issue of this notification in respect of Tobacco which have been graded in accordance with the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937 (as amended) and export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri T. K. Visvanathan, S.M.O.
2. Shri G. D. Bhogale, Dy. S.M.O.
3. Shri M. G. Toshniwal, M.O.
4. Shri R. A. Khanorkar, A.M.O.
5. Shri K. N. Gungrudkar, A.M.O.
6. Shri B. K. Sudame, A.M.O.
7. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
8. Shri K. B. Melanta, Dy. S.M.O.
9. Shri S. K. Sabharwal, A.M.O.
10. Shri B. S. Srivastava, Dy. S.M.O.
11. Shri Umesh Kumar, A.M.O.

12. Shri U. D. Pandey, A.M.O.
13. Shri S. P. Singh, M.O.
14. Shri H. D. Srivastava, A.M.O.
15. Shri K. N. Rai, A.M.O.
16. Shri A. K. Guha, A.M.O.
17. Shri R. R. S. Rathore, Sr. Inspector.
18. Shri V. Chandramouly, S.M.O.
19. Shri Rajesh Azad, M.O.
20. Shri S. V. S. Sarma, M.O.
21. Shri G. K. Pawar, M.O.
22. Shri V. Balamurthy, A.M.O.
23. Shri R. Vasudevakurup, A.M.O.
24. Shri P. R. Padmnabhan, Sr. Inspector.
25. Shri P. Rabindranathan, M.O.
26. Shri E. Gopalan, M.O.
27. Shri K. Seshadari, M.O.
28. Shri S. T. Kathalkar, Sr. Inspector.
29. Shri P. L. Mukherjee, S.M.O.
30. Shri N. Gopal, M.O.
31. Shri R. C. Banerjee, M.O.
32. Shri P. S. J. Babu, M.O.
33. Shri K. V. Prasada Rao, M.O.
34. Shri G. Ramalingam, M.O.

No. F.3(TL)/2/65-D.II.—In supersession of all the earlier notifications issued authorising the Officers to sign the Certificates of Grading in respect of Tendu Leaves, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 1130 dated the 7th August, 1965, hereby authorise the undermentioned officers to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Tendu Leaves which have been graded in accordance with the Tendu (Bidi Wrapper) Leaf Grading and Marking Rules, 1963 and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notification.

*Name & Designation :*

1. Shri T. K. Visvanathan, S.M.O.
2. Shri G. D. Bhogale, Dy. S.M.O.
3. Shri M. G. Toshniwal, M.O.
4. Shri K. N. Gungrudkar, A.M.O.
5. Shri R. A. Khanorkar, A.M.O.
6. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
7. Shri K. B. Melanta, Dy. S.M.O.
8. Shri S. K. Sabharwal, A.M.O.
9. Shri B. S. Srivastava, Dy. S.M.O.
10. Shri G. P. Rajani, A.M.O.
11. Shri S. P. Singh, M.O.
12. Shri H. D. Srivastava, A.M.O.
13. Shri K. N. Rai, A.M.O.
14. Shri A. K. Guha, A.M.O.
15. Shri V. Chandramouly, S.M.O.
16. Shri Rajesh Azad, M.O.
17. Shri S. V. S. Sarma, M.O.
18. Shri K. Subramaniam, A.M.O.
19. Shri M. K. P. Menon, A.M.O.
20. Shri Philip Ittyerah, A.M.O.
21. Shri V. Bala Murthy, A.M.O.
22. Shri R. Vasudeva Kurup, A.M.O.
23. Shri P. R. Padmnabhan, Sr. Inspector.

24. Shri R. Kanan, M.O.
25. Shri P. Bhaskaran, Sr. Inspector.
26. Shri M. P. George, A.M.O.
27. Shri C. N. Anandakrishnan, Sr. Inspector

No. F.3(13)52/73-D.II.—In supersession of all the earlier notifications issued authorising the Officer to sign the Certificate of Grading in respect of Wool, Bristles and Goat Hair consignments graded under Agmark and meant for exports, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notifications No. 48 dated the 24th May, 1954, No. 173 dated the 29th December, 1954 and No. 5 dated the 14th January, 1961 hereby authorise the undermentioned Officers to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this notifications, in respect of wool, Bristles and Goat Hairs, which have been graded in accordance with the Wool Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962, Bristles, 1962, Bristles Grading and Marking Rules, 1969 and Goat Hair Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962 respectively and the export of which is subject to the provisions of the above notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri T. K. Viswanathan, S.M.O.
2. Shri Ghanshyam Singh, M.O.
3. Shri N. L. Kantha Rao, A.M.O.
4. Shri M. G. Toshniwal, M.O.
5. Shri R. A. Khanorkar, A.M.O.
6. Shri S. D. Phadke, A.M.O.
7. Shri B. N. K. Sinha, Sr. Inspector.
8. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
9. Shri K. B. Melanta, Dy. S.M.O.
10. Shri S. K. Hajela, M.O.
11. Shri R. M. Karpate, A.M.O.
12. Shri M. Chakraborty, A.M.O.
13. Shri M. N. Dhume, Dy. S.M.O.
14. Shri A. C. Guin, A.M.O.
15. Shri S. C. Dass, A.M.O.
16. Shri S. P. Singh, M.O.
17. Shri S. B. Chakraborty, A.M.O.
18. Shri K. N. Rai, A.M.O.
19. Shri A. K. Guha, A.M.O.
20. Shri V. Chandramouly, S.M.O.
21. Shri Rajesh Azad, M.O.
22. Shri M. R. Deshpandey, A.M.O.

No. F.3(13)57/72.D.II.—In supersession of all the earlier notifications issued authorising the officers to sign the Certificates of Grading in respect of Animal Casings, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Custom Notification No. 174-CUS dated the 26th December, 1964, hereby authorise the undermentioned Officers to sign the Certificate of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Animal Casings which have been graded in accordance with the Animal Casings Grading and Marking Rules, 1964 and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri T. K. Viswanathan, S.M.O.
2. Shri G. D. Bhogale, Dy. S.M.O.
3. Shri G. K. Upadhyaya, A.M.O.
4. Shri C. Radhakrishnan, A.M.O.
5. Shri R. A. Khanorkar, A.M.O.

6. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
7. Shri K. B. Melanta, Dy. S.M.O.
8. Shri S. K. Hajela, M.O.
9. Shri M. N. Dhume, Dy. S.M.O.
10. Shri S. P. Singh, M.O.
11. Shri A. K. Ghua, A.M.O.
12. Shri V. Chandramouly, S.M.O.
13. Shri M. R. Deshpandey, A.M.O.
14. Shri Rajesh Azad, M.O.

No. F.5/11/69-D.II.—In supersession of all the earlier notifications issued authorising the officers to sign the Certificate of Grading in respect of Myrobalans consignments graded under Agmark and meant for export, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue) Customs Notification 124, dated the 15th September, 1962, hereby authorise the undermentioned officers to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Myrobalans which have been graded in accordance with the Myrobalans Grading and Marking Rules 1962 as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri T. K. Viswanathan, S.M.O.
2. Shri G. D. Bhogale, Dy. S.M.O.
3. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
4. Shri S. K. Sabharwal, A.M.O.
5. Shri S. P. Singh, M.O.
6. Shri V. Chandramouly, S.M.O.
7. Shri Rajesh Azad, M.O.
8. Shri R. A. Sabharwal, Dy. S.M.O.
9. Shri R. Kanan, M.O.
10. Shri K. Sheshadri, M.O.
11. Shri S. T. Khatalkar, Sr. Inspector.

No. F.5/11/69-D.II.—In supersession of all the earlier notifications issued authorising the officers to sign the Certificates of Grading in respect of Table Potatoes consignments graded under Agmark and meant for export, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification 448 dated the 14th March 1964, hereby authorise the undermentioned officers to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Table Potatoes which have been graded in accordance with the Table Potatoes Grading & Marking Rules 1964 as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri T. K. Viswanathan, S.M.O.
2. Shri G. D. Bhogale, Dy. S.M.O.
3. Shri M. G. Toshniwal, M.O.
4. Shri R. A. Khanorkar, A.M.O.
5. Shri K. N. Gunrudkar, A.M.O.
6. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
7. Shri K. V. Melanta, Dy. S.M.O.
8. Shri S. K. Sabharwal, A.M.O.
9. Shri B. S. Srivastava, Dy. S.M.O.
10. Shri S. P. Singh, M.O.
11. Shri A. K. Guha, A.M.O.
12. Shri V. Chandramouly, S.M.O.



13. Shri Rajesh Azad, M.O.
14. Shri S. V. S. Sarma, M.O.
15. Shri G. K. Pawar, M.O.
16. Shri M. K. P. Menon, A.M.O.
17. Shri Philip Ittyerah, A.M.O.
18. Shri V. Bala Murthy, Dy. S.M.O.
19. Shri R. A. Sabharwal, M.O.
20. Shri R. Kanan, M.O.
21. Shri T. M. Karunakaran, A.M.O.
22. Shri A. Thomas Oommen, Sr. Inspector.
23. Shri R. Vasudeva Kurup, A.M.O.
24. Shri P. R. Padmnabhan, Sr. Inspector.
25. Shri M. P. George, A.M.O.
26. Shri C. N. Anandakrishnan, Sr. Inspector.

No. F.5/11/69-D.II.—In supersession of all the earlier notifications issued authorising the officers to sign the Certificates of Grading in respect of Walnuts consignments graded under Agmark and meant for export, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification 1421 dated the 31st August 1963 hereby authorise the undermentioned officers to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Walnuts which have been graded in accordance with the Walnuts Grading & Marking Rules 1966 as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri T. K. V. Visvanathan, S.M.O.
2. Shri G. D. Bhogale, Dy. S.M.O.
3. Shri M. G. Toshniwal, M.O.
4. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
5. Shri V. P. Sharma, M.O.
6. Shri D. S. Sobti, A.M.O.
7. Shri O. N. Garg, Dy. S.M.O.
8. Shri R. S. Kataria, A.M.O.
9. Shri S. P. Singh, M.O.
10. Shri A. K. Guha, A.M.O.
11. Shri V. Chandramouly, S.M.O.

No. F.5/11/69-D.II.—In supersession of all the earlier notifications issued authorising the Officers to sign the Certificate of Grading in respect of Onions, Garlics and Pulses consignments graded under Agmark and meant for export, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notifications No. 1133, 1135 dated the 7th August, 1965, hereby authorise the undermentioned officers to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this notification in respect of Onions, Garlics and Pulses which have been graded in accordance with the Onions, Garlics Grading and Marking Rules 1964 and Pulses Grading & Marking Rules 1963, as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri T. K. Visvanathan, S.M.O.
2. Shri G. D. Bhogale, Dy. S.M.O.
3. Shri M. G. Toshniwal, M.O.
4. Shri K. N. Gunrudkar, A.M.O.
5. Shri R. A. Khanorkar, A.M.O.
6. Shri C. B. Singh, Sr. Inspector.
7. Shri R. J. Nathaniel, Sr. Inspector.

8. Shri John George, Sr. Inspector.
9. Shri S. D. Phadke, A.M.O.
10. Shri B. N. K. Sinha, Sr. Inspector.
11. Shri S. P. Singh, M.O.
12. Shri H. D. Srivastava, A.M.O.
13. Shri K. N. Rai, A.M.O.
14. Shri A. K. Guha, A.M.O.
15. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
16. Shri K. B. McLanta, Dy. S.M.O.
17. Shri S. K. Sabharwal, A.M.O.
18. Shri B. S. Srivastava, Dy. S.M.O.
19. Shri G. P. Rajini, A.M.O.
20. Shri V. Chandramouly, S.M.O.
21. Shri Rajesh Azad, M.O.
22. Shri S. V. S. Sarma, A.M.O.
23. Shri M. K. P. Menon, A.M.O.
24. Shri Philip Ittyera, A.M.O.
25. Shri V. Bala Murthy, A.M.O.
26. Shri R. A. Sabharwal, Dy. S.M.O.
27. Shri R. Kanan, M.O.
28. Shri M. P. George, A.M.O.
29. Shri C. N. Anandakrishnan, Sr. Inspector.
30. Shri R. Vasudeva Kurup, A.M.O.
31. Shri P. R. Padmnabhan, Sr. Inspector.
32. Shri T. M. Karunakaran, A.M.O.
33. Shri A. Thomas Oommen, Sr. Inspector.
34. Shri E. Gopalan, M.O.
35. Shri P. Ravindranathan, M.O.

No. F.74/15/72-D.I.—In supersession of all the earlier notifications issued authorising the officers to sign the Certificate of Grading in respect of (1) Sandalwood oil, (2) Palmarosa oil, (3) Lemongrass oil, (4) Vetiver oil consignments graded under Agmark and meant for export, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Customs Notification No. (1) S.O. 3184 dated 28-12-1956 (2) 83 dated 29-7-1961 (3) 3752 dated 26-12-1955 (4) 157 dated 22-6-1963, hereby authorise the undermentioned officers to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this notification, in respect of (1) Sandalwood oil, (2) Palmarosa oil, (3) Lemongrass oil, (4) Vetiver oil, which have been graded in accordance with the Essential Oils Grading and Marking Rules, 1964, as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri V. Chandramouly, Sr. Marketing Officer.
2. Shri Rajesh Azad, Marketing Officer.
3. Shri C. C. Ninan, Marketing Officer.
4. Shri R. A. Sabharwal, Dy. Sr. Marketing Officer.
5. Shri R. Kanan, Marketing Officer.
6. Shri G. K. Pawar, Marketing Officer.
7. Shri P. Ravindranathan, Marketing Officer.
8. Shri E. Gopalan, Marketing Officer.
9. Shri D. S. Chandrasekaran, Asstt. Marketing Officer.
10. Shri I. A. Siddiqi, Marketing Officer.
11. Shri H. D. Srivastava, Asstt. Marketing Officer.
12. Shri A. K. Guha, Asstt. Marketing Officer.
13. Shri T. K. Visvanathan, Sr. Marketing Officer.

14. Shri K. Somasundaram, Marketing Officer.
15. Shri Laxminarayanan, Sr. Marketing Officer.
16. Shri L. K. Shukla, Sr. Marketing Officer.
17. Shri S. H. R. Hashimi, Asstt. Marketing Officer.
18. Shri B. L. Srivastava, Marketing Officer.
19. Shri M. N. Dhume, Dy. Sr. Marketing Officer.
20. Shri S. P. Bhasin, Asstt. Marketing Officer.

No. F.74/15/72-D.I.—In supersession of all the earlier Notifications issued authorising the Officers to sign the Certificate of Grading in respect of Vegetable Oils consignments graded under Agmark and meant for export, I, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. GSR-904 dated the 27th June, 1964 hereby authorise the under-mentioned officers to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this notifications, in respect of Vegetable Oils which have been graded in accordance with the Vegetable Oils Grading and Marking Rules, 1955 and as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above notifications.

*Name & Designation :*

1. Shri V. Chandramouly, S.M.O.
2. Shri Rajesh Azad, M.O.
3. Shri C. C. Ninan, M.O.
4. Shri R. A. Sabharwal, Dy. S.M.O.
5. Shri R. Kanan, M.O.
6. Shri P. Ravindranathan, M.O.
7. Shri E. Gopalan, M.O.
8. Shri R. V. Kurup, A.M.O.
9. Shri V. Balarama Murthy, A.M.O.
10. Shri I. A. Siddiqi, M.O.
11. Shri H. D. Srivastava, A.M.O.
12. Shri A. K. Guha, A.M.O.
13. Shri T. K. Visvanathan, S.M.O.
14. Shri K. Somasundaram, M.O.
15. Shri Laxminarayanan, A.M.O.
16. Shri K. S. Kamath, M.O.
17. Shri T. G. Sahani, A.M.O.
18. Shri L. K. Shukla, S.M.O.
19. Shri S. H. R. Hashmi, A.M.O.
20. Shri B. L. Srivastava, M.O.
21. Shri B. S. Srivastava, Dy. S.M.O.
22. Shri O. P. Bansal, A.M.O.

N. K. MURALIDHARA RAO  
Agricultural Marketing Adviser  
to the Government of India

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION**

*New Delhi, the 25th June 1973*

No. A.38013/1/70-EC.—Shri B. B. Sen, Officiating Assistant Communication Officer at Aeronautical Communication Station, Calcutta, relinquished charge of his office on the 25th May, 1973 (Forenoon) on retirement from the Government Service on attaining the age of superannuation.

No. A.38013/1/70-EC.—Shri P. Lobo, officiating Assistant Communication Officer at Aeronautical Communication Station Madras, relinquished charge of his office on the 2nd Feb., 1973 (Afternoon) on retirement from the Government Service on attaining the age of superannuation.

S. EKAMBARAM  
Deputy Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

*New Delhi, the 29th June 1973*

No. A.32013/3/73-EH.—The President is pleased to appoint Shri V. N. Kapur, whose services were placed on deputation with International Airports Authority of India as Airport Director, Delhi, *vide* this office Notification No. A.32012/1/72-ES, dated the 12th June 1972, as Director of Aeronautical Inspection in the Civil Aviation Department on an *ad hoc* basis with effect from the 23rd June, 1973 (F.N.) and until further orders.

S. L. KHANDPUR  
Assistant Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION**

**India Meteorological Department**

*New Delhi-3, the 28th June 1973*

No. E(1)05775.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri C. K. Chandrasekharan, Professional Assistant, Office of the Director, Instruments, Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 3rd May, 1973 and until further orders.

Shri C. K. Chandrasekharan, Officiating Assistant Meteorologist has been posted in the Office of the Director, Instruments, Poona.

*The 30th June 1973*

No. E(1)06204.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. S. Kulkarni, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 3rd May, 1973 and until further orders.

Shri N. S. Kulkarni, Officiating Assistant Meteorologist remains posted in the Office of Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

*The 2nd July 1973*

No. E(1)04155.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. M. Biswas, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-seven days with effect from the forenoon of 3-5-1973 to 28-7-1973.

Shri Biswas, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

C. G. BALASUBRAMANYAN  
Meteorologist  
for Director General of Observatories

**OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE**

*Shillong, the 21st June 1973*

No. 1/73.—Shri P. R. Guha, an officiating Office Superintendent of Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative Officer (Class II) Central Excise until further orders. Shri P. R. Guha assumed charge as Administrative Officer, Customs and Central Excise, Dhubri on 29-5-1973.

No. 2/73.—Shri S. N. Das, an officiating Office Superintendent, Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative Officer (Class II) Central Excise, until further orders. Shri S. N. Das assumed charge as Administrative Officer, Customs and Central Excise, Agartala on 6-6-1973.

No. 3/73.—Shri J. C. Paul, an officiating Office Superintendent, Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative Officer (Class II) Central Excise until further orders. Shri J. C. Paul assumed charge as Administrative Officer, Central Excise, Silchar on 25-5-1973.

**OFFICE OF THE COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE***Shillong, the 21st June 1973*

No. 4/73.—Shri U. C. Deka, a permanent Deputy Superintendent of Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Superintendent of Central Excise (Class II) until further orders. Shri U. C. Deka assumed charge as Superintendent of Central Excise, Tezpur on 23-5-1973.

No. 5/73.—Shri Somadhar Gogoi, a permanent Inspector (S. G.) of Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Superintendent of Central Excise (Class II) until further orders. Shri Somadhar Gogoi assumed charge as Superintendent of Central Excise Golaghat on 21-5-1973.

No. 6/73.—Shri R. R. Sharma, a permanent Inspector (S.G.) of Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Superintendent (Class II) until further orders. Shri R. R. Sharma assumed charge as Superintendent of Central Excise, Silchar on 8-6-73.

**H. R. SYIEM***Collector of  
Customs and Central Excise**Kanpur, the 15th May 1973*

No. 25/1973.—Shri Mahesh Kumar Bhada, Superintendent, Central Excise Class-I, Ghaziabad took over charge of the Assistant Collector Central Excise, Ghaziabad from Shri H. Verma, Assistant Collector, Central Excise, Meerut in the afternoon of 29th March, 1973, after handing over the charge of Superintendent (Technical) of the office of the Assistant Collector, Central Excise, Ghazi-

bad to Shri M. K. Chaudhary, Superintendent, Central Excise, Class-II in the afternoon of 29-3-1973.

2. Shri M. D. Chaudhary, Superintendent, Central Excise, Class-II of the office of Assistant Collector, Ghaziabad took over charge of Superintendent (Technical) of Ghaziabad from Shri M. K. Bhada, Superintendent, Class-I, in addition to his own duties of Superintendent (Preventive).

*The 7th June 1973*

No. 31/73.—Consequent on his posting as Asstt. Collector, Central Excise, Aligarh-*vide* Government of India Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), New Delhi order No. 58/73 (F. No. A.22012/1/73-Ad.II) dated 28-4-1973, Sri Parmatma Saran Superintendent, Central Excise Class I posted as Superintendent (Technical) Kanpur made over charge of his duties to Sri Babu Lal, Superintendent, Central Excise, Class II (Valuation Cell) Kanpur in the forenoon of 1st May 1973.

2. Shri Parmatma Saran, Superintendent, Central Excise, Class I, took over charge as Asstt. Collector, Central Excise, Aligarh in the forenoon of 9th May 1973 from Sri J. N. Nigam, Asstt. Collector, Central Excise, Agra relieving him of the additional charge.

No. 32/73.—Consequent upon his promotion to the grade of Administrative Officer, Central Excise, Sri Deo Dutta Misra, Office Superintendent, Central Excise, Kanpur assumed charge of the Administrative Officer, Central Excise Aligarh Din. in the forenoon of 26-5-73.

**J. DATTA**  
*Collector**Patna, the 26th June 1973*

C. No. II(7) 1-E.T./70/36087.—In pursuance of Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) New Delhi's letter F.No. A. 11013/E./20/73-Ad. IV dated 2-5-73 and this office Estt. Order No. 127/73 dated 10th May, 1973 the under-mentioned Office Superintendents of Central Excise have been appointed on provisional and *ad-hoc*-basis to officiate until further orders as Administrative Officers, Central Excise in the time Scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-E.B.-30-800-E.B.-30-830-35-900/- plus usual allowances as admissible under rules. They have assumed charge as Administrative Officers of Central Excise at the places and with effect from the date and hour indicated below:—

| Sl. No.                | Name | Place of posting                  | Date of assumption of Charges. |
|------------------------|------|-----------------------------------|--------------------------------|
| 1. Shri B. C. Sangal   |      | Integrated C.E. Divn. Muzaffarpur | 22-5-73 (A.N.)                 |
| 2. Shri C.C. Das Gupta |      | Integrated C.E. Divn., Purnea.    | 1-6-73(F.N.)                   |

**H. N. SAHU,**  
*Collector,  
Central Excise Patna.***Directorate of Inspection, Customs and Central Excise**  
*New Delhi, the 3rd July 1973*

No. 9/1973.—Shri D. Sarup, lately posted as Assistant Collector, in the Delhi Central Excise Collectorate, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class I, in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi, with effect from the forenoon of the 25th June, 1973.

**M. RAMACHANDRAN**  
*Director of Inspection  
Customs and Central Excise***NARCOTICS DEPARTMENT***Gwalior-6, the 26th June 1973*

No. 6.—On his appointment, Shri H. C. Kapoor officiating Superintendent (Ministerial), assumed charge an officiating Administrative Officer Class II Gazetted in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the office of the Narcotics Commissioner, Gwalior with effect from the 1st June, 73 afternoon against one of the posts sanctioned *vide* Government of India, Ministry of Finance (Department of

Revenue & Insurance) letter F.No. A.11013/C/62/72-Ad.IV, dated the 12th October, 72.

**V. R. SONALKAR**  
*Narcotics Commissioner of India***CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION**  
*(Water Wing)**New Delhi-22, the 27th June, 1973*

No. A.19012/370/72Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A19012/370/72Adm.V dt. 21-4-73, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri P. C. Goswami to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Poona in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from the forenoon of 12-6-73, or till such time as the UPSC nominees join, which ever is earlier.

*The 28th June, 1973*

No. A-19012/374/73-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-19012/374/73-Adm.

V, dated 30-3-73, the Chairman Central Water and Power Commission, hereby appoints Shri Ranjit Datta to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Poona in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from 27-6-1973 or till such time as the Union Public Service Commission's nominee joins, whichever is earlier.

The 2nd July 1973

No. 19012/403/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri P. S. Mandal, temporary Supervisor to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) on an *ad hoc* basis, with effect from 15-5-1973 forenoon, until further orders.

Shri P. S. Mandal took over charge of the Office of Assistant Engineer, Andaman Investigation Sub-Division No. 1, Central Water and Power Commission (Water Wing), Port Blair, with effect from the above date and time.

No. A-19012/342/72-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-19012/342/72-Adm.V, dated 31-3-1973, the Chairman, Central Water and Power Commission, hereby appoints Shri T. P. Yegnan to the grade of Assistant Research Officer (Mathematics) in the Central Water and Power Research Station, Poona in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900, on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from 23-6-1973 or till such time as the Union Public Service Commission's nominee joins, whichever is earlier.

K. P. B. MENON  
Under Secretary  
for Chairman, C.W.&P. Commission

(Power Wing)

New Delhi-22, the 30th June 1973

No. 6/3/72-Adm.II(PW)-Vol.II.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri V. Nagaswamy, Technical Assistant to the grade of Extra Asstt. Director of Central Power Engineering (Class II) Service with effect from the forenoon of the 30th May, 1973.

M. S. PATHAK  
Under Secretary

#### CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Burdwan, the 21st June 1973

No. GMA/GS/8(Elec).—Sri G. Kudaisya, Officiating Asstt. Electrical Engineer (now officiating as Senior Electrical Engineer/Design-II in Sr. Scale)/CLW is confirmed as Asstt. Electrical Engineer in Class II Service in the cadre of Electrical Engineering Department of the Chittaranjan Locomotive Works, Chittaranjan with effect from 24-5-65(FN)

A. L. KOCHHAR  
General Manager

#### NORTH-EAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 25th June 1973

No. E/65III/93Pt.II(O).—The following IRSME probationers are confirmed in the Junior Scale as Assistant Mechanical Engineer on this Railway from the date noted against each:—

Sl. No. Name and Date of confirmation

1. Shri R. Sarma.—8-11-72.
2. Shri S. Sah.—1-2-73.

M. R. REDDY  
General Manager

#### INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 27th June 1973

No. F.48-Ad (AT)/73.—Shri Ambika Prasad, Senior stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches, Allahabad officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal on *ad hoc* basis in a temporary capacity with effect from 12-2-1969 vide this office notification No. F.48-Ad (AT)/69 dated 18-2-1969 is now appointed on his being selected by the Union Public Service Commission for the same post, to officiate as Assistant Registrar, Income-Tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches, Allahabad on regular basis in a temporary capacity with effect from 1-9-1972 forenoon in the scale of Rs. 400-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 until further orders.

He will be on probation for two years with effect from 1st September, 1972.

HARNAM SHANKAR  
President  
Income Tax Appellate Tribunal

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Cleopatra Cosmetics (India) Private Limited

Delhi, the 30th June 1973

No. 4928/6348.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Cleopatra Cosmetics (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of ad Envoys Advertising & Marketing Private Limited

Delhi, the 30th June 1973

No. 4800/6350.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the adEnvoys Advertising & Marketing Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. K. JAIN  
Assistant Registrar of companies  
Delhi and Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Mistry Finance Private Limited

Ahmedabad, the 2nd July 1973

No. 2025/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mistry Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. Y. RANE  
Registrar of Companies  
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
The Kashmir Small Scale Shawl Manufacturers  
Association*

*Srinagar-190008, the 2nd July 1973*

No. PC/284/1360.—Notice is given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kashmir Small Scale Shawl Manufacturer Association has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Dogra Prakashan Private Limited*

*Srinagar-190008, the 2nd July 1973*

No. PC/355/1364.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Dogra Prakashan Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Kashmir Valley Photographers Association*  
*Srinagar-190008, the 2nd July 1973*

No. PC/283/1368.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kashmir Valley Photographers Association has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Kashmir Barley & Oat Works Private Limited, Jammu*

*Srinagar-190008, the 2nd July 1973*

No. PC/55/1366.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Kashmir Barley & Oat Works Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Kashmir Woolen & Textile Manufacturers Association*

*Srinagar-190008, the 2nd July 1973*

No. PC/282/1362.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kashmir Woolen & Textile Manufacturers Association has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

N. S. GUPTA  
Registrar of Companies  
Srinagar

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. New Era Construction Company Private Limited  
Bombay-2, the 29th June 1973*

No. 14952/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the New Era Construction Company Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. East African Automobiles Pvt. Limited*

*Bombay-2, the 29th June 1973*

No. 12512/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the East African Automobiles Pvt. Limited, unless causes is shown to the

contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN  
Addl. Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, VIDYANAGAR, HUBLI-21

*Hubli-21, the 7th July 1973*

No. 8/73-74/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 240 in 4th Ward situated at Patel Nagar, Hospet, District: Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hospet Document No. 1846/72-73 on 13-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. Bhimasenappa Setty, C/o Anand Oil Mills, Hospet, Dist: Bellary. (Transferor).
- (2) Shri M. Lakshminarayana Setty, Partner, M/s. Krishna Trading Co. Hospet, Dist: Bellary. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Residential House approximately measuring 40'x60' standing on a site measuring approximately 100'x60' at Door No. 240 in fourth ward in Hospet city Municipality, Dist: Bellary bounded by

North : Ijari Thakappa Building,

South : T. H. M. Gurushankariah's House.

East : Road.

West : Kolar Hanumanthachar's House.

R. PARTHASARATHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hubli

Date : 7-7-1973

Seal :

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, VIDYANAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 7th July 1973

No. 7/73-74/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Door No. 10 situated at Main Bazar, Hospet, Dist: Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hospet Document No. 1892/72-73 on 11-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (a) Shri B. S. Abdul Sattar Sab, S/o Abdul Khadar, Potter, Cowlpet, Hospet, Dist: Bellary  
(b) Shri B. S. Kareemsab S/o. Abdul Khadar, Potter Cowlpet, Hospet, Dist. Bellary. (Transferees).
- (2) Shri Harakchand S/o Mohanlal Purohit, M/S Geetha Lakshmi Hall, Hospet, Dist: Bellary. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Shop Building approximately measuring 15' x 40' at Door No. 10 Main Bazaar, 9th Ward, Hospet City Municipality, Distt. Bellary.

R. PARTHASARATHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hubli

Date : 7-7-1973

Seal :

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL

Bhopal, the 6th July 1973

No. Sub-Reg/Bhopal/15-1-73.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House No. 32 Sindhi Colony situated at Sindhi Colony, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Bhopal on 12-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prabhudas S/o Motomal C/o Prabhudas & Sons, Grain Merchant Hanuman Ganj, Bhopal. (Transferor.)
- (2) Shrimati Rekha W/o Shri Kishanchand Country Wine Merchant, Pirgate, Bhopal. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expression used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 32, Sindhi Colony, Bhopal  
(Three storeyed Building)

V. K. SINHA  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Bhopal)

Date : 6-7-1973

Seal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B  
CAMP FARIDABAD

Chandigarh, the 10th July 1973

No. FDB/9/72-73/160-61.—Whereas, I, Shri G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House No. D-II, type, No. 15, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ballabgarh in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri A. S. Hakim, s/o Shri M. H. Hakim, resident of Y.M.C.A., Mathura Road, Faridabad. (Transferor).
- (2) Shri Narinder Singh Sokhi, s/o Shri Jagat Singh, resident of D-4, Neighbourhood No. 2, Township, Faridabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.



It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. D-II-type,  
No. 15, Faridabad.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range)  
Chandigarh  
Camp Faridabad

Date: 10-7-1973

Seal:

\*(Strike off where not applicable)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Office of THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B  
CAMP ROHTAK

Chandigarh, the 4th July 1973

No. RTK/213/73-74/120-25.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. B-4, 96, 97, Jhajjar Road, situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rohtak in January 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,

- (1) Shri Chuni Lal, s/o Shri Din Dayal, resident of Railway Road, Rohtak. (Transferor).
- (2) (i) Shri Surat Singh, s/o Shri Ram Sarup, (ii) Shri Sat Pal Singh, s/o Shri Sube Singh, (iii) Shri Chuni Lal, s/o Shri Jaut Ram, (iv) Shri Dalip Singh s/o Shri Roop Chand, (v) Shri Dharam Pal, s/o Shri Surat Singh, Near Subhash Talkies, Rohtak. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. B-4, 96, 97, Jhajjar Road, Rohtak.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range)  
Chandigarh  
Camp Rohtak

Date: 4-7-1973

Seal:

\*(Strike off where not applicable)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

#### CAMP ROHTAK

Chandigarh, the 4th July 1973

No. RTK/333/73-74/126-27.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Shop on Railway Road situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rohtak in January, 73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such



apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Janki Parsad, s/o Shri Ratan Lal, resident of Railway Road, Rohtak. (Transferor).
- (2) Shri Prem Chand, s/o Shri Bichha Lal, resident of Railway Road, Rohtak. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop on Railway Road, Rohtak.  
East—Parnal Gaha—House Munshi Dharam Dass.  
West—Chabutra and Door.  
North—Shau Lal—property.  
South—Smt. Prem Chand's property.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range)  
Chandigarh  
Camp Rohtak

Date: 4-7-1973  
Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156 SECTOR 9-B  
CAMP ROHTAK

Chandigarh, the 4th July 1973

No RTK/334/73-74/131-36.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 4-156GI/73

Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Shop No. 35, New Anaj Mandi, situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rohtak in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhim Singh, s/o Shri Piru Mal, (ii) Shri Shiv Narain, s/o Shri Piru Mal, (iii) Shri Lachhi Ram, s/o Shri Shiv Narain, resident of Sampla Mandi, Tehsil & District Rohtak. (Transferor).
- (2) \*Smt. Bhagirathi Devi, w/o Shri Deep Chand, (ii) Smt. Bimla Devi, w/o Shri Pars Ram, (iii) Smt. Sumitra Devi, w/o Shri Brahma Nand, resident of Suman Tehsil Gohana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 35, New Anaj Mandi, Rohtak.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range)  
Chandigarh  
Camp Rohtak

Date: 10-7-1973

Seal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

##### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B  
CAMP GURGAON

Chandigarh, the 6th July 1973

No. GRG/342/72-74/147-50.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Shop No. B-II-1347, Southern Shop Sadar Bazar, situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of registering officer at Gurgaon in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sagar Chand adopted son of Shri Shibu Mal Mahajan resident of Jambhura, Near Sadar Bazar, Gurgaon. (Transferor).
- (2) Smt. Ganeshi Bai, wife of Shri Bakhsha Ram, Halwai, Sadar Bazar, Gurgaon Cantt. (Transferee).
- (3) Shri Raiinder Parkash, c/o M/s Raian Stores, Sadar Bazar, Gurgaon (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Shri Ganga Jeewan, s/o Shri Chhittar Mal, Village Gurgaon (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. B-II-1347, (Southern shop) Sadar Bazar, Gurgaon Cantt.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range)  
Camp Gurgaon  
Chandigarh

Date: 6-7-1973

Seal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B  
CAMP GURGAON

Chandigarh, the 6th July 1973

No. GRG/343/73-74/151-54.—Whereas, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Shop No. B-II-1347, (Northern shop) situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Gurgaon in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sagar Chand adopted son of Shri Shibu Mal Mahajan, resident of Jacampura, Near Sadar Bazar, Gurgaon. (Transferor).
- (2) Smt. Lajo Bai, wife of Shri Kaura Ram, c/o M/s Bakhsa Ram Kaura Ram, Sadar Bazar, Gurgaon. (Transferee).
- (3) Shri Ram Chand, c/o M/s Gulati Silk Stores, Sadar Bazar, Gurgaon. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Shri Ganga Jcewan, s/o Shri Chhittar Mal, Village Gurgaon. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. B-II-1347, (Northern shop) Sadar Bazar, Gurgaon Cantt.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range)  
Chandigarh  
Camp Gurgaon

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B  
CAMP GURGAON

Chandigarh, the 6th July 1973

No. GRG/443/73-74/142-45-A.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 170-A, New Colony, (House) situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Gurgaon in March, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Dr. M. M. Chawla s/o Shri Ram Lal, self and general attorney on behalf of Smt. Kamla, Smt. Vina sisters and Smt. Dhan Devi, Chitrangan, Tehsil Asansol, District Bardwan. (Transferor).
- (2) Shri Hem Raj, s/o Shri Des Raj, House No. 170-A, New Colony, Gurgaon. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Date : 6-7-1973  
Seal :

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 170-A, New Colony, Gurgaon,

G. P. SINGH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range)  
Chandigarh  
Camp Gurgaon

Date : 6-7-1973

Seal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B  
CAMP ROHTAK

Chandigarh, the 4th July 1973

No. RTK/447/73-74/128-30.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House No. 454, Ward No. 2, Tej Colony, situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rohtak in January, 73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Nath, s/o Shri Sain Ditta Mal, Village Kahnaur, Tehsil and District Rohtak. (Transferor).
- (2) Shri Bal Mukand, s/o Shri Kanshi Ram, (ii) Shri Manohar Lal, s/o Shri Kanshi Ram. Village Kahnaur, Tehsil and District Rohtak. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 454, Ward No. 2, Tej Colony, Rohtak.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range)  
Chandigarh  
Camp Rohtak

Date : 4-7-1973

Seal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B  
CAMP ROHTAK

Chandigarh, the 4th July 1973

No. RTK/448/73-74/137-38.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Quarter No. 68-L, Modal Town, situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Rohtak in February, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dewan Chand, s/o Shri Aishi Ram, Rohtak. (At present Main Puri, U.P.) (Transferor).
- (2) Shri Prem Chand, s/o Shri Jai Lal, Village Gudha, Tehsil Jhajjar, District Rohtak. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections—

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Quarter No. 68-L, Modal Town, Rohtak.

G. P. SINGH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax, Acquisition Range)  
Chandigarh  
Camp Rohtak

Date: 4-7-1973  
Seal: \_\_\_\_\_

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE I CENTRAL REVENUES BUILDING,  
3rd FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1973

No. IAC/Acq.I/A(7)/14(33)/73-74.—Whereas, I. P. K. Sharan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 42A/78 (½share) situated at Punjabi Bagh, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Delhi on 20-2-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in

respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Som Nath Nagpal S/o Shri Roop Chand Nagpal, 308/9, Shahzada Bagh, Old Rohtak Road, New Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Suresh Kumar Kakkar S/o Late Shri Dargahi Dass, 59/13 New Rohtak Road, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

½ undivided share of freehold plot No. 42A/78, class A Punjabi Bagh, New Delhi measuring 2072.22 sq. yds. situated at Punjabi Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Road No. 78  
South : Service Lane  
East : Plot No. 42  
West : Plot No. 44

P. K. SHARAN  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range I, Delhi)  
New Delhi

Date: 11th July, 1973.  
Seal: \_\_\_\_\_

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BHAGWANDASS ROAD, JAIPUR

Jaipur, the 3rd July, 1973

No. J-3/73(1)/99/143.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Part of Pilwa House situated at Haldiyan ka rasta, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jaipur, on 28-1-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Thakur Gulab Singh S/o Thakur Bhoor Singh, (2) Kr. Vijai Singh S/o Thakur Gulab Singh, (3) Thakur Manohar Singh S/o Bhoor Singh, (4) Kr. Bhawani Singh S/o Manohar Singh, (5) Thakur Ummed Singh S/o Bhoor Singh, (6) Kr. Udai Singh S/o Ummed Singh (Minor Son), (7) Kr. Ajit Singh S/o Ummed Singh (Minor Son), (8) Kr. Surya Pratap Singh S/o Ummed Singh, (9) Thakur Karan Singh S/o Bhoor Singh, (10) Kr. Ajai Singh Minor S/o Karan Singh R/o Pilwa Garden, Moti Doongri Road, Jaipur. (Transferor).
- (2) Shri Padam Chand S/o. Shri Narayan Dass Ji Oswal, Partanian ka rasta, Choukri Visweshar, Jaipur. (Transferee).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of the Pilwa House with an area of about 800 Sq. yards. Out of which 200 sq. yards is built up and the 600 sq. yards vacant land situated in Haldiyan ka Rasta in residential area.

V. P. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range  
Jaipur

Date: 3-7-1973

Seal:

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX, ACQUSI-  
TION RANGE, PATNA

Patna, the 9th July 1973

No. III-3/Acq/73-74.—Whereas, I, The Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. .... situated at Jusdia, P. S. Baghmara, Dt. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 20-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. P. Chanchani Co. Pvt. Ltd., Siduli, P. S. Ondal, Dt. Burdwan. (Transferor).
- (2) M/s. East Sindih Mining Syndicate (P) Ltd., Jharia, Dhanbad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land, Area 125 Bighas (Coal bearing) in Mouya, Jusale, P. S. Bhaghmara, Distt. Dhanbad.

J. NATH

*Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Patna*

Date : 9-7-1973

Seal :

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 9th July 1973

No. III-4/Acq/73-74.—Whereas, I, the I. A. C. of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K. No. 45, 47 etc. P No. 1365, 1445 1439 etc. situated at Charkapo Mahmud Rafiganj, Aurangabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Aurangabad on 30-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s)

and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Sudama Lohar, S/o Sukhlal Lohar, At. Charkapo Mahmud, Maharajani Toja, Aurangabad. (Transferor).
- (2) Shri Ram Bilash Singh, S/o Sheoratan Singh At. Charkapo, P.S. Rafiganj, Aurangabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land, Area 8.56 Acre & .04 Dismal, Katha No. 47, 45, 190 Plot No. 1365, 1445, 1439, 1786, 1424, 1426, 1312, 1439, 593 at Charkapo Mahmud, P.S. Rafiganj, Dt. Aurangabad (Bihar).

J. NATH

*Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Patna*

Date : 9-7-1973

Seal :



## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, PATNA

Patna, the 9th July 1973

No. III-5/Acq/73-74.—Whereas, I, The I.A.C. of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K. No. 91, P. No. 41, W. No. 7, H. No. 44/48 situated at Durgapur, Katihar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Katihar on 20-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Chouthmal Poddar S/o. Sheo Narain Mal, Sri Bijay Kr. Poddar, S/o Chouthmal Poddar, At. Amla Tola, Katihar, Purnea. (Transferor).
- (2) Sri Damodar Pd., Agarwal S/o. Sri Lakshmi Narain Agarwal, At. Barabazar, Katihar, Purnea. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property,

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Area, Land 1 Katha 13 Dhur Khata No. 91 Plot No. 41 Ward No. 7 Holding No. 44/48 at Durgapur, Katihar.

J. NATH

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Patna

Date: 9-7-1973

Seal: \_\_\_\_\_

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, PATNA

Patna, the 9th July 1973

No. III-6/Acq/73-74.—Whereas, I, the I.A.C. of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K. No. 1117, P. No. 2439, H. No. 504 situated at Islampur, Muzaffarpur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Muzaffarpur for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Devi Sah, S/o. Bahuri Sah, At. Islampur, Muzaffarpur Town. (Transferor).



(2) Shri Devendra Sah, S/o. Narain Sah, Islampur, Muzaffarpur, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Old Building at Islampur Muzaffarpur Town Khata No. 1117, Plot No. 2439 H. No. 520 Old 504 New.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Patna

Date : 9-7-1973

Seal :

#### FORM ITNS ———

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 9th July 1973

No. III-7/Acq/73-74.—Whereas, I, the I.A.C. of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. H No. 80, W No. 31, P No. 29861 & 29863 situated at Balbhaddarpur, Laheriasarai Darbhanga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Darbhanga on 1-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Basdeo Panjiyar, S/o. Rameshwar Panjiyar, At. Govindpur Maspur Sahaganjbela, Laheriasarai, Darbhanga. (Transferor).
- (2) Shri Satyanarain Mahasheth, S/o. Asharif Mahasheth At. Wakarganj, Laheriasarai, Darbhanga. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 6 Kathas, 10 Dhur and an old building—Plinth area 14 Dhur. Holding No. 80, Ward No. 31, Plot No. 29861, 29863 at Balbhaddarpur, Darbhanga.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Patna

Date : 9-7-1973

Seal :

#### FORM ITNS ———

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 9th July 1973

No. III-9/Acq/73-74.—Whereas, I, the I.A.C. of Income-tax, Acquisition Range, Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K. No.

417/233, P. No. 294/251, 219/214 etc. situated at Saudi, P. S. Koilwar, Bhojpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Arrah on 29-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Pd. Singh, S/o. Hit Narain Pd. Singh, At Songhata, P.O. Saudi, Dt. Bhojpur, P. S. Koilwar. (Transferor).
- (2) Shri Harinandan Singh, S/o. Mod. Narain Singh, At & P. O. Sandi, P. S. Koilwar Dt. Bhojpur. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Khata No. 417/233—Plot No. 294/251, 219/214, 220/214, 165/199-200, 159/201, 160/201, 186/126, 152/249 at Saudi, P. S. Koilwar, Dt. Bhojpur, Land Area 2.47 Acres.

J. NATH  
Competent Authority/  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Patna

Date: 9-7-1973  
Seal:

FORM ITNS — — —

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 9th July 1973

No. III-11/Acq/73-74.—Whereas, I, the I.A.C. of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K. No. 54, Plot No. 89, 106 & 108 situated at Pathra, P. S. Sherghati, Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gaya on January 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kapildeo Pd., S/o. Chandrika Pd., At. Yahkara Ayari, P. S. Sherghati, Dt. Gaya. (Transferor).
- (2) Shri Bijan Sah, S/o. Sajiwan Sah, At. Gewalganj, P. S. Imamganj, Dt. Gaya. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph

shall have a right to be heard at the hearing or the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Area 5.31 Acre—Thana No. 315, Khata No. 54, Plot No. 89, 106 & 108 At. Pathra, P. S. Sherghati, Gaya.

J. NATH

*Competent Authority*  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Patna

Date : 9-7-1973

Seal :

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 9th July 1973

No. III-12/Acq/73-74.—Whereas, I, the I.A.C. of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K. No. 371, Plot No. 210/2559, 2960/1 etc. situated at Motihari, Ujain Lohiar, P. S. Harsidhi, Champaran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Motihari on 30-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Pramod Kr. Verma, S/o. Ram Dhari Pd., At. Ujain Lohiar, P. S. Harsidhi, Dt. Champaran. (Transferor).
- (2) Smt. Sheokali Devi, W/o. Ram Narain Bhagat, Smt. Shiya Devi, W/o. Rameshwar Bhagat, At. Ujain Lohiar, P. S. Harsidhi, Dt. Champaran. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Area 5 Bighas at Ujain Lohiar, P. S. Harsidhi, Dt. Champaran Khata No. 371, Plot No. 210/2559, 2960/1, 2948/1.

J. NATH

*Competent Authority*  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Patna

Date : 9-7-1973

Seal :

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, VIDYANAGR, HUBLI-21

Hubli-21, the 7th July 1973

No. 6/73-74/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 240 in 4th Ward situated at Patel Nagar, Hospet, District: Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hospet Document No. 1846/72-73 on 3-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. Bhimasenappa Setty, C/o Anand Oil Mills, Hospet, Dist. Bellary. (Transferor).
- (2) Shri M. Lakshminarayana Setty, Partner M/s. Krishna Trading Co. Hospet Dist. Bellary.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Residential House approximately measuring 40' × 60' standing on a site measuring approximately 100' × 60' at Door No. 240 in Fourth Ward in Hospet City Municipality, Dist. Bellary bound by—

North: Ijari Thakappa Building.

South: T. H. M. Gurushankariah's House.

East: Road.

West: Kolur Hanumanthachar's House.

R. PARTHASARATHY

Competent Authority

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli)

Date: 7-7-73

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, VIDYANAGR, HUBLI-21

Hubli-21, the 7th July 1973

No. 7/73-74/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Door No. 10 situated at Main Bazar, Hospet, Dist. Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hospet Document No. 1892/72-73 on 11-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (a) Shri B. S. Abdul Sattar Sab, S/o Abdul Khadar, Potter, Cowlpot, Hospet, Dist. Bellary, (b) Shri B. S. Karcemsab, S/o, Abdul Khadar, Potter, Cowlpot, Hospet, Dist. Bellary. (Transferors).
- (2) Shri Harakchand S/o Mohanlal Purohit, M/s Geetha Lakshmi Hall, Hospet, Dist. Bellary. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

One Shop Building approximately measuring 15'×40' at Door No. 10 Main Bazar, 9th Ward, Hospet City Municipality, Dist. Bellary.

R. PARTHASARATHY

*Competent Authority*

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli)

Date: 7-7-73

Seal:

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, VIDYANAGR, HUBLI-21

Hubli-21, the 9th July 1973

No. 8/73-74.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. CTS No. 122/97 Ward No. 3/Hubli City situated at Hubli City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli Document No. 3091 on 11-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Veerappa Lingappa Shiggaon Hubli. (Transferor).
- (2) (a) Shri Ramanathsa Parasuramsa Habib, Hubli. (b) Shri Ganapatsa Parasuramsa Habib, Hubli. (c) Shri Pandurangsa Parasuramsa Habib, Hubli. (Transferees).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One open site (corner site) triangular shape of area 948 Sq. Yards approximately situated at New Cotton Market, Ward No. 3, CTS No. 122/97 on the National Highway at Hubli City.

Bounded by:

East: 122/98 CTS belonging to Siddalingappa Kavali (Building).

West: Government Road.

North: Government Road.

South: R. S. No. 80—Part Vacant Place.

R. PARTHASARATHY

*Competent Authority*

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli)

Date: 9-7-73

Seal:

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, VIDYANAGR, HUBLI-21

Hubli-21, the 9th July 1973

No. 9/73-74/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Hubli, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Survey Nos. as per Schedule situated at Dattatraya Peetha Village, Jagara Hubli Chikmagalur Taluk, Dist. Chikmagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikmagalur Document No. 2018/72-73 on 18-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. Syed Ismail, S/o Late Shri B. Syed Ahmed Sab, Coffee Planter, Ratnagiri Road, Chikmagalur. (Transferor).
- (2) Shri B. Pinto S/o D. M. Pinto, G. P. A. Holder to A. E. R. Pinto S/o B. Pinto Nidgode Estate, P.O. Mallandur, Chikmagalur. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Coffee Estate in Inam Dattatraya Peeta Village, Jagara Hobli, Chikmagalur Taluk, Chikmagalur District with Following Survey Nos. and other Details.

| Item No. | Survey No.    | Kind   | Extent | A-G |
|----------|---------------|--------|--------|-----|
| 1.       | 234 . . . . . | Coffee | 3-13   |     |
| 2.       | 235 . . . . . | -do-   | 10-05  |     |
| 3.       | 236 . . . . . | -do-   | 2-17   |     |
| 4.       | 237 . . . . . | -do-   | 3-37   |     |
| 5.       | 238 . . . . . | -do-   | 23-25  |     |
| 6.       | 239 . . . . . | -do-   | 52-14  |     |
| 7.       | 240 . . . . . | -do-   | 0-26   |     |
| 8.       | 241 . . . . . | -do-   | 1-32   |     |
| 9.       | 242 . . . . . | -do-   | 2-20   |     |
| 10.      | 243 . . . . . | -do-   | 20-06  |     |
| 11.      | 247 . . . . . | -do-   | 0-16   |     |
| 12.      | 256 . . . . . | -do-   | 4-04   |     |
| 13.      | 261 . . . . . | -do-   | 13-13  |     |
| 14.      | 262 . . . . . | -do-   | 6-02   |     |
| 15.      | 263 . . . . . | -do-   | 5-33   |     |
| 16.      | 265 . . . . . | -do-   | 0-37   |     |
| 17.      | 268 . . . . . | -do-   | 7-30   |     |
| Total    |               |        | 159-10 |     |

R. PARTHASARATHY  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hubli)

Date : 9-7-73  
Seal :

#### FORM ITNS—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM- MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, VIDYANAGH, HUBLI-21

Hubli-21, the 9th July 1973

No. 10/73-74/II.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range Hubli being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Survey Nos. as per Schedule situated at Kolagave Village, Jagara Hubli, Chikmagalur Taluk Dist. Chikmagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikmagalur Document No. 2019 on 18-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. Syed Ismail, S/o Late Shri B. Syed Ahmed Sab, Coffee Planter, Ratnagiri Road, Chikmagalur. (Transferor).
- (2) Shri B. Pinto S/o D. M. Pinto, G.P.A. Holder to A. E. R. Pinto S/o B. Pinto Nidgode Estate, Mallandur P.O. Chikmagalur Distt. T. K. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable pro-

erty will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Coffee Estate in Kolagave Village, Jagara Hobli, Chikmagalur Taluk, Chikmagalur, District with Following Survey Nos. and other Details.

| Item No.       | Survey No.    | Kind   | Extend A-G |
|----------------|---------------|--------|------------|
| 1.             | 258 . . . . . | Coffee | 0-25       |
| 2.             | 259 . . . . . | -do-   | 1-38       |
| 3.             | 260 . . . . . | -do-   | 5-08       |
| 4.             | 261 . . . . . | -do-   | 6-27       |
| 5.             | 262 . . . . . | -do-   | 28-01      |
| (old No. ) 396 |               |        |            |
| Total          |               |        | 42-19      |

R. PARTHASARATHY

*Competent Authority*  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hubli)

Seal :

Date : 9-7-73

#### FORM ITNS—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1973

No. F.103/72-73.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 26 situated at Kamaraj Road, 16th Ward, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Erode on 24-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not

been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Visalakshi ammal, Door No. 26, Kamaraj Road, 16th Ward, Erode. (Transferor)
- (2) M. Kanchana, Door No. 26, Kamaraj Road, 16th Ward, Erode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Door No. 26, Kamaraj Road, 16th Ward, Erode.

A. RAGHAVENDRA RAO  
*Competent Authority*  
Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-2  
Madras-6

Date : 10th July 1973

Seal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1973

No. F. 124/72-73.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 29 situated at Fort Station Road, Thillainagar, Tiruchirapalli (Tamil Nadu) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian, Registration Act, 1908 (16 of



1908) in the office of the registering officer at Purasawalkam on 4-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) A. Jawahar Palaniappan, 6, Hunters Road, Vepery, Madras-7. (Transferor)
- (2) Kumudam Printers Private Limited, 47A, 48, Brick Kiln Road, Madras-7. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

1. House and ground in Door No. 47A, 48, Brick Kiln Road, Purasawalkam.
2. Paddy field in Brick Kiln Road, Otteri, Purasawalkam comprised in R.S. No. 3058; and
3. Land and superstructures comprised in R.S. No. 3173/16 (part) measuring 19 grounds.

A. RAGHAVENDRA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-tax Acquisition Range-2,  
Madras-6.

Date : 10th July 1973  
Seal :

FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-  
IV

Bombay-20, the 27th June 1973

No A.P.35/I.A.C.A.R.IV/73-74.—Whereas I, G. S. Rao I.A.C., A.R.IV, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 and bearing Plot No. 'E'-16 and 'E'-18, of Block 'E' of the layout of the Industrial area of Survey No. 41, situated at Village Oshivara, Jogeshwari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 27-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Alice Bldg., Dr. D. N. Road, Bombay-1. (Transferor).
- (2) Smt Vinantiben K. Patel, 99, Jawahar Nagar, Guregaon (W), Bombay-62. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.



It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot E-16 admeasuring 2242.50 square meters and Plot E-18 admeasuring 1417.50 square meters and 'E' of the layout of the Industrial area of Survey No. 41, Village Oshiwara, near Versova in the registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban

G. S. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 27-7-1973

(Seal)

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### AMENDMENT TO THE NOTICE FOR THE SHORT SERVICE COMMISSION (NON-TECHNICAL) EXAMINATION, DECEMBER, 1973

New Delhi-110011, the 10th July 1973

No. F.28/1/73-E.I.(B).—In the Union Public Service Commission's Notice No. F.28/1/73-E.I.(B) dated 2-6-73, relating to the Short Service Commission (Non-Technical) Examination, December, 1973, published in the Gazette of India dated 2-6-1973 the following amendments shall be made :—

- (i) In lines 1 and 2 of para 1 of the Notice the words "admission to the Officers Training School" shall be substituted for the word "admission Officers Training School".
- (ii) In lines 5 & 6 of item (ii) below para 4 of the Notice the word "Bangalore" shall be substituted for the word "Bangalene".
- (iii) In line 3 of item (i) of para 4 of Annexure II to the Notice the word and figure "Rs. 28.00" shall be substituted for the figure "28.00".
- (iv) In line 2 of item (iv) of para 4 of Annexure II to the Notice, the figure and word "7 cm" shall be substituted for the word "cm".
- (v) In line 2 of 2nd sub-para of para 5 of Annexure II to the Notice, the words "correct or alter" shall be substituted for the words "correct or after".
- (vi) In line 5 of para 16 of Annexure II to the Notice, the words "West Block" shall be substituted for the words "were Block".

M. S. PRUTHI  
Deputy Secretary  
Union Public Service Commission

#### NOTICE

#### SECTION OFFICERS' GRADE (RAILWAY BOARD) LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1974

New Delhi, the 21st July 1973

No. F. 18/1/73-L.I.(B).—A limited departmental competitive examination for inclusion in the Select List for the Section Officers, Grade of the Railway Board Secretariat Service will be held by the Union Public Service Commission commencing on 8th January, 1974 at DELHI, in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India, dated 21st July 1973

13—156GI/73

THE CENTRE AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE IS LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATES THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. The approximate number of persons to be selected for inclusion in the Select List for the Section Officers' Grade on the result of this examination will be 9. (This includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy reserved for Scheduled Tribes candidates).

The above number is liable to alteration.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00, which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.

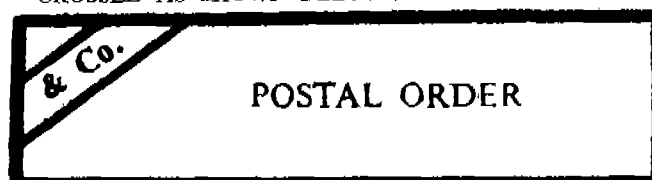
4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 3rd Sept. 1973, accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to candidates contained in Annexure II. No application received after that date will be considered.

NOTE:—Candidates who send their applications or requests for application forms at a late date will do so at their own risk.

5. THE PRESCRIBED FEE (SEE ANNEXURE I) SHOULD BE PAID BY INDIAN POSTAL ORDERS WITH THE APPLICATION.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM ERSTWHILE EAST PAKISTAN WHO MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 BUT BEFORE 25TH MARCH, 1971, AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA AND SRI LANKA (FORMERLY KNOWN AS CEYLON) WHO MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JUNE, 1963 AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY, AND ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARAGRAPH 3 OF ANNEXURE I.

EACH POSTAL ORDER SHOULD INVARIABLY BE CROSSED AS SHOWN BELOW :



AND COMPLETED AS FOLLOWS :

"PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE."

CANDIDATES MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW

DELHI GENERAL POST OFFICE, FULL PARTICULARS OF POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED AGAINST COLUMN 19 OF THE APPLICATION FORM.

6. If after submitting his application, a candidate wishes to withdraw his candidature for this examination, he must send his request to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House New Delhi-110011, so as to reach him on or before 8th November 1973. His candidature for the examination will then be cancelled and the fee will be refunded to him as indicated in para 2 of Annexure I.

*No request for withdrawal of candidature received in the Commission's office after the date specified above will be entertained.*

7. If any candidate who took the Section Officers' Grade (Railway Board) Limited Departmental Competitive Examination held in 1973 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application by the prescribed date without waiting for the result. If he is included in the Select List on the result of the 1973 examination his candidature for the 1974 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para 2 of Annexure I.

8. All communications in respect of an application should be addressed to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (iii) ROLL NUMBER (IF COMMUNICATED TO CANDIDATE).
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to. In all correspondence with the Union Public Service Commission concerning this examination, candidates should invariably superscribe their enveloped and correspondence with the words "Section Officers' Grade (Railway Board) Limited Departmental Competitive Examination, 1974".

M. S. PRUTHI,

*Dy. Secy.*

*Union Public Service Commission,*

#### ANNEXURE I

##### *Fee*

Candidates seeking admission to the examination must pay the following fee to the Commission with the completed application form :—

Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes).

This amount should be paid by means of CROSSED Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission. The Commission will not accept payment made otherwise.

2. No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided in paragraph 6 and 7 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection. If, however, a candidate who has paid the prescribed fee is either not admitted to the examination by the Commission or is allowed by them to withdraw his candidature in accordance with paragraph 6 and 7 of the Notice, a refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to the Schedule Castes and the Scheduled Tribes) will be made to him.

3. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but

before 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

#### ANNEXURE II

##### *Instructions to Candidates*

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in accordance with paragraph 3 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed cannot be relaxed.

2 (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

*Note.*—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 6 OF THE APPLICATION FORM THE NAME OF THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER QUESTION PAPERS IN (i) OFFICE PROCEDURE AND PRACTICE (ii) GENERAL KNOWLEDGE OF THE CONSTITUTION OF INDIA AND MACHINERY OF GOVERNMENT, PRACTICE AND PROCEDURE IN PARLIAMENT AND (iii) GENERAL KNOWLEDGE VIDE PARAGRAPH 4 OF APPENDIX TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN, IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER(S) WILL BE ANSWERED IN ENGLISH.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

*No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be accepted.*

A candidate must submit his application through the Head of his Department of Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. A candidate must send the following documents with his application.

(i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office, for the prescribed fee. (See Annexure I).

(ii) Certificate of Age.

(iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.

Details of the documents mentioned in items (i), (ii) and (iii) are given below :—

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSSED and filed in as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. The expression Matriculation Certificate in this part of the instructions must be understood as including these alternative certificates.

Candidates will thus understand that the Matriculation Certificate is required in all cases as evidence of age, and it must invariably be sent to the Commission in original, with a copy thereof, together with the application.

Sometimes the Matriculation or equivalent Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send, in addition to the Matriculation or equivalent certificate, an original certificate, together with a copy thereof, from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation or equivalent examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with the age shown in the Matriculation Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit with the original a copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—Displaced persons, who have lost their original Matriculation Certificate in Pakistan, should obtain duplicate certificate from the University concerned. If they are unable to obtain the duplicate Matriculation Certificate from the University, they should submit an extract from the University Gazette in which their results were published showing their date of birth certified by the Registrar or the Headmaster.

NOTE 4.—In the case of candidates who are already in permanent Government Service, the entries in their Service Book may be accepted as proof of date of birth.

(iii) *Two copies of Photograph*.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

5. Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 4(ii) and 4(iii), above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Commission's Office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them; nor should they submit a tampered document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents, an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim a certificate, in original, with a copy thereof, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate and if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by the Scheduled Caste and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri\*/Shrimati/Kumari \_\_\_\_\_ son\*/daughter of \_\_\_\_\_ of Village\*/town \_\_\_\_\_ in District\*/Division \_\_\_\_\_ of the State\*/Union Territory of \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste\*/Tribe which is recognised as a Scheduled Caste\*/Scheduled Tribe under Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966.\*

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*.

2. Shri\*/Shrimati/ Kumari \_\_\_\_\_ and\*/or his\*/her family ordinarily reside(s) in village\*/town \_\_\_\_\_ of District\*/Division \_\_\_\_\_ of the State\*/Union Territory of \_\_\_\_\_

Signature.....

\*Designation.....  
(with seal of office)

Place.....

Date .....

State\*/Union Territory

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\* Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Laccadive and Minicoy Islands).

7. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce a certificate, in original together with a copy thereof, from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation, in their respective districts.
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal Director (Rehabilitation), in Calcutta.

He should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I, should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce in original, together with a copy thereof, the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce a certificate in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate claiming eligibility for admission to the examination in terms of Note below Rule 4(1) and/or Rule 4(2)(b), should submit along with his application, a certificate in original, together with a copy thereof, from the Ministry of Defence, to show that he joined the Armed Forces on or after 26th October, 1962. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his reversion from the Armed Forces.

(v) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under item (ii) or item (iii) of Rule 4(2)(c) should produce a certificate, in original, together with a copy thereof, from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation, in their respective districts.

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(vi) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under item (iv) of Rule 4(2)(c) should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(vii) A candidate claiming age concession as a repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) under item (v) or item (vi) of Rule 4(2)(c) should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(viii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under item (vii) of Rule 4(2)(c) should produce a certificate, in original, together with a copy thereof, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(ix) A candidate claiming age concession as a repatriate of Indian origin from Burma under item (viii) or item (ix) of Rule 4(2)(c) should produce, in original together with a copy thereof, the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(x) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under item (x) or item (xi) of Rule 4(2)(c) should produce, in original, together with a copy thereof, a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the Candidate

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_  
of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in  
the Defence Services in operations during hostilities with a  
foreign country/in a disturbed area and was released as a  
result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date .....

"Strike out whichever is not applicable.

8. THE CERTIFICATES MENTIONED IN PARAGRAPHS 4(ii), 6 AND 7 ABOVE SHOULD INVARIABLY BE SENT IN ORIGINAL (WITH COPIES THEREOF). THE COMMISSION DO NOT ACCEPT ONLY COPIES OF THESE CERTIFICATES, WHETHER ATTESTED OR OTHERWISE.

THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES FORWARDED IN ACCORDANCE WITH PARAGRAPHS 4(ii), 6 AND 7 ABOVE WILL BE RETURNED WHEN THE RESULT OF THE APPLICATION IS COMMUNICATED. CANDIDATES ARE ADVISED TO KEEP ATTESTED COPIES OF THEIR CERTIFICATES BEFORE SUBMITTING THEM TO THE COMMISSION. THE COMMISSION CANNOT RETURN THE CERTIFICATES EARLIER THAN THE DATE OF COMMUNICATION OF THE

**RESULT OF THE APPLICATION FOR WHATEVER PURPOSE THEY MAY BE REQUIRED, NOR CAN THEY SUPPLY ATTESTED COPIES.**

If a candidate has already submitted the certificates required in paragraphs 4(ii), 6 and 7 above in connection with another examination conducted by the Union Public Service Commission and if they have not yet been returned to him, he should mention the fact when submitting his application, and, if possible, enclose a copy of each certificate. If the certificates are not with the Commission, they should be sent with the application, irrespective of whether the candidate appeared at a previous examination conducted by the Commission or not. If a certificate cannot be submitted with the application, a reasonable explanation for its absence must be given with the application.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for attending the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for admission to this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

13. *Communications Regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, New Delhi-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER (IF COMMUNICATED TO CANDIDATE).
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

*N.B.*—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

**Advertisement No. 29**

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1973 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable up to 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Caste and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances

and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise wellqualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23×10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and *bona-fide* displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Caste and Scheduled Tribes), 20th August, 1973 (3rd September, 1973 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. Nos. 12, 13 and 14 permanent. Post at S. No. 11 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. Nos. 4 and 8 temporary but likely to become permanent. Posts at S. Nos. 3, 6, 7 and 10 temporary but likely to continue indefinitely. Posts at S. Nos. 1, 2, 5 and 9 temporary.

One post each at S.No. 8 reserved for Scheduled Caste and Scheduled Tribes candidates. Posts at S. Nos. 5 and 13 and one post each at S.Nos. 2 and 14 reserved for Scheduled Caste candidates who alone need apply.

One post at S.No. 2 and 2 posts at S.No. 8 reserved for Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-1962 but before 10-1-1968 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but who were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to military service/due to be released, if available; otherwise to be treated as unreserved. Post at S.No. 6 reserved for Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers belonging to Scheduled Caste category who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-1962 but before 10-1-1968 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but who were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military Service/due to be released, if such a suitable candidate is available, otherwise to be treated as reserved for general candidates belonging to the category of Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers, failing which, to be treated as unreserved.

1. *One Adviser in National Accounting, Indian Co-operation Mission, Nepal, Ministry of External Affairs.* Pay : Rs. 1300-60-1600 (plus special allowance as admissible in Nepal). Age: Preferably below 50 years. Qualifications : Essential : (i) Second Class Master's Degree in Statistics or Mathematics/Economics/Commerce (with Statistics) of a recognised University or equivalent. (ii) Ten years' experience of statistical works/investigation/research, including at least five years' experience of preparation of estimates for National Income Accounts and supporting tables in respect of underdeveloped countries. (iii) Knowledge of modern statistical theories and/or training in National Accounts, including familiarity with techniques and methodology adopted by less developed countries for estimation and filling up statistical gaps in National Accounts.

2. *Five Economic Investigators, Grade I, Planning Commission.* Pay : Rs. 325-15-475-EB-20-575. Age Limit : 30 years. Qualifications : Essentials For three posts in the Economic Discipline : (i) Master's degree in Economics or Commerce of a recognised University or equivalent qualification. (ii) About 2 years experience of economic research/investigation in a Government

office or research institute preferably relating to Employment Schemes. For two posts in the *Statistics Discipline*: (i) Master's degree in Statistics, Mathematics/Economics (with Statistics) of recognised University or equivalent qualification OR Degree of a recognised University with Mathematics/Economics/Statistics as a subject, and a diploma in Statistics, after at least 2 years' post-graduate training in a recognised Institution. (ii) About two years' experience of Statistical work involving collection, compilation and interpretation of Statistical data in a government office or research institute preferably relating to Employment Schemes.

3. *One Senior Scientific Officer Grade I, Aeronautical Development Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 700-50-1250. Age : Preferably below 40 years. Qualifications : Essential : (i) Second Class Degree in Instrument Technology/Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About four years' experience in type testing, including Environmental testing of Aircraft components/equipment; and also in setting up of Environmental and Standards Laboratories to meet the requirements of R&D activities in the field of Aeronautics.

4. *One Lecturer in Aeronautical Engineering, Punjab Engineering College, Chandigarh Administration Chandigarh.* Pay : Rs. 400-30-700/40-1100. Age limit : 30 years. Qualifications : Essential : Second Class Degree in Aeronautical Engineering from a recognised University or equivalent

5. *One Translation Officer (Russian/English) in the Air Force, Ministry of Defence (Air Headquarters).* Pay : Rs. 400-40-800-50-950. Age limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Electrical/Mechanical/Tele-Communication/Aeronautical Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) Diploma or High Proficiency Certificate in Russian language from a recognised Institution or equivalent. (iii) About 2 years' experience of teaching Russian or Translation/Interpretation/Editing work from Russian into English and vice versa.

6. *One system analyst/programme/console Controller, Naval Headquarters, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950. Age limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Mechanical/Marine/Electrical Electronics/Industrial Engineering/Naval Architecture from a recognised University or equivalent (ii) About 3 years' experience in programming/system analysis in an electronic data processing unit. OR (i) Master's degree in Physics/Mathematics/Statistics/Operational Research from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in programming/system analysis in an electronic data processing unit.

7. *Two Senior Scientific Officers, Grade II, Aeronautical Development Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 400-40-800-50-950. Age : Preferably below 30 years. Qualifications : Essential : For categories I and II : (i) Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. For category I (one post) : (ii) About two years' experience in production, manufacturing methods and testing in Aircraft Industry. For category II (one post) : (ii) About two years' experience in production, manufacturing methods and production planning in a modern workshop.

8. *Seven Assistant Naval Store Officers, Indian Navy, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800. Age limit : 40 years. Not relaxable for Government servants. Qualifications : Essential : (A) A Degree in Mechanical/Electrical/Marine Engineering/Business Administration from a recognised University or equivalent. OR (B) (i) A degree in Arts or Science or Commerce from a recognised University. (ii) About 5 years' experience in Store provision and accounting in a Government Department or a private firm of repute OR (C) (i) Matriculate of a recognised University or equivalent. (ii) About 10 years' experience in Naval Workshops or Repair Organisations or of duties connected with handling of

Stores and equipment in Naval Depots including about one year's service afloat.

9. *One Manager (Distribution) in the Delhi Milk Scheme, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture).* Pay : Rs. 1100-50-1400. Age limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent qualification. (ii) About 7 years experience in a responsible position of marketing and sales promotion work, preferably relating to perishable agricultural commodities.

10. *One Deputy Director (Planning & Development), Directorate of Jute Development, Calcutta, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture).* Pay : Rs. 700-40-1100-50/2-1250. Age limit : 40 years. Qualifications : Essential : (i) Master's Degree in Agriculture/Agricultural Economics from a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years experience in Planning & Development of Agriculture Programme.

11. *One Assistant Chemist, National Museum, New Delhi, Department of Culture.* Pay : Rs. 400-40-800-50-950. Age limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Master's Degree of a recognised University or equivalent in Physical or Inorganic Chemistry. (ii) Adequate experience in the analysis of alloys, silicates and Mortars. (iii) Research experience with evidence of published research work.

12. *One Health Educator (Teachers' Training), Directorate General of Health Services, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health).* Pay : Rs. 400-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900. Age limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Second Class Master's degree in Arts or Science from a recognised University or equivalent (ii) Degree in Education or Teachers' Training. (iii) About 3 years' experience of teaching in a recognised School/Teachers' Training Institute. (iv) Experience in Primary Education.

13. *One Lecturer in Japanese in the School of Foreign Languages, Ministry of Defence.* Pay : Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950. Age limit : 40 years. Qualifications : Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) Degree or Diploma of a recognised University/Institution or equivalent in Japanese. (iii) Proficiency in English.

14. *Two Senior School Inspectors, Municipal Corporation of Delhi, Delhi.* Pay : Rs. 425-25-500-30-680. Age limit : 35 years. Relaxable for Government servants and employees of the Municipal Corporation of Delhi. Qualifications : Essential : (i) Master's or equivalent degree of a recognised University (ii) Degree in Teachers Training/Education. (iii) 5 years experience as School Inspector/Post-graduate Teacher/Trained Graduate Teacher.

**SECTION OFFICERS' GRADE (RAILWAY BOARD) LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1974.**

The Union Public Service Commission will hold a limited departmental competitive examination commencing on 8th January, 1974 for inclusion in the Select List for Section Officers' Grade of the Railway Board Secretariat Service. The examination is open only to certain categories of departmental candidates who are employed in the Assistants' Grade of the Railway Board Secretariat Service. Full particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by remitting Re. 1.00 by money order or on cash payment at counter in Commission's office. Candidates must clearly state on money order coupons "Section Officers' Grade (Railway Board) Limited Departmental Competitive Examination, 1974" and also give their names and full postal addresses in block letters. Postal orders or cheques or currency notes not acceptable in lieu of money orders. Completed applications must reach the Union Public Service Commission by 3rd September, 1973.

D. R. KOHLI, Secy.  
Union Public Service Commission